बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

राजनीति विज्ञान

कक्षा-12

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)
प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

संतोष कुमार महर्षि
संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चुरु संभाग
चुरु (राज.)

रामचन्द्र पिलानियां
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

पितराम सिंह काला
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

मनोज कुमार ढ़ाका
जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनूं (राज.)

निसार अहमद खान
जिला शिक्षा अधिकारी
चुरु (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक (स.शै.प्र.)
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चुरु

हरदयाल सिंह फगेड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति.जिला शिक्षा अधिकारी
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति.जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
झुन्झुनूं (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (शै.प्र.)
चुरु (राज.)

महेश सेवदा
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चाैधरी, कनिष्ठ सहायक | दीपेन्द्र, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2021-2022

उच्च माध्यमिक परीक्षा - 2022

विषय : राजनीति विज्ञान-12

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

रवि कुमार निठारवाल
संयोजक, राजनीति विज्ञान
रा.उ.मा.वि.,खीरवा (लक्ष्मणगढ़) सीकर
मो. 9772304039

संदीप कुमार जड़िया
रा.उ.मा.वि., राजगढ़ (चुरु)

देवी सिंह
रा.उ.मा.वि., पीथलपुर (नीमकाथाना)

रघुवीर सिंह सोहु
रा.उ.मा.वि., माधोपुरा (पिपराली)

ताहिर अहमद
रा.उ.मा.वि., सिरीयासर कला (झुन्झुनूं)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 1
शीतयुद्ध का दौर

1. शीतयुद्ध के बारे में कौनसा कथन गलत है-

(1) यह संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ और उनके साथी देशों के बीच एक प्रतिस्पर्धा थी।

(2) यह महाशक्तियों के बीच विचारधाराओं को लेकर एकयुद्ध था।

(3) शीतयुद्ध ने हथियारों की होड़ शुरू की।

(4) अमेरिका व सोवियत संघ सीधे युद्ध में शामिल थे। (4)

व्याख्या- अमेरिका व सोवियत रूस सीधे संघ में शामिल नहीं हुये। 1962 क्यूबा मिसाईल संकट के समय रूस क्यूबा से व अमेरिका तुर्की से पीछे हट गया है।

2. निम्न में से कौनसा कथन गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के उद्देश्यों पर प्रकाश नहीं डालता है-

(1) उपनिवेशवाद से मुक्त हुये देशों को स्वतंत्र नीति अपनाने में समर्थ बनाना।

(2) किसी भी सैन्य संगठन में शामिल होने से इनकार करना।

(3) वैश्विक मामलों में तटस्थता की नीति अपनाना।

(4) वैश्विक आर्थिक असमानता की समाप्ति पर ध्यान केन्द्रित करना। (गुटनिरपेक्षता की 1973 के अल्जीरियाई सम्मेलन में NIEO की मांग उठी थी। 1974 में यू. एन. ओ. ने NIEO की मांग को स्वीकार किया।) (3)

3. नीचे महाशक्तियों द्वारा बनाये सैन्य संगठनों से संबंधित कौनसे कथन सही व कौनसे गलत हैं-

(1) गठबंधन के सदस्य देशों को अपने भू क्षेत्र में महाशक्तियों के सैन्य अड्डों के लिये स्थान देना जरूरी था- **(सही)**

(2) सदस्य देशों को **विचारधारा और रणनीति दोनों स्तरों पर महाशक्ति का समर्थन** करना था- **(सही)**

(3) जब कोई राष्ट्र किसी एक सदस्य देश पर आक्रमण करता था तो इसे सभी सदस्य देशों पर आक्रमण समझा जाता था- **(सही)**

(4) महाशक्तियाँ सभी सदस्य देशों को अपने परमाणु हथियार विकसित करने में मदद करती थी- **(गलत)**

4. नीचे कुछ देशों की सूची दी गई है। प्रत्येक के सामने लिखें कि वह शीतयुद्ध के दौरान किस गुट से जुड़ा हुआ था।

(1) पौलेण्ड - सोवियत रूस व साम्यवादी खेमे से।

(2) फ्रांस - अमेरिका व पूंजीवादी खेमे से।

(3) जापान - अमेरिका व पूंजीवादी खेमे से।

(4) नाइजीरिया - गुट निरपेक्ष आन्दोलन से (द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान धुरी देशों के साथ लेकिन शीत युद्ध में अमेरिका के साथ था।)

(5) उत्तर कोरिया - सोवियत रूस व साम्यवादी खेमे से।

(6) श्रीलंका - गुट निरपेक्ष आन्दोलन से।

5. निम्न को सुमेलित कीजिये ?

सूची - I	**सूची - II**		**(a)**	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(a) 1990	(i) क्यूबा मिसाइल संकट	(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b) 1962	(ii) शीतयुद्ध की समाप्ति	(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c) 1955	(iii) जर्मनी का एकीकरण	(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d) 1991	(iv) बगदाद समझौते पर हस्ताक्षर	(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

(1)

शेखावाटी मिशन - 100

6. सामरिक शस्त्र परिसीमन वार्ता (SALT-I) कब और किसके बीच हुई।

उत्तर - **26 मई 1972** अमेरीकी राष्ट्रपति **रिचर्ड निकसन** और रूसी राष्ट्रपति **लियानेड ब्रेझनेव** ने मास्को में इस संधि पर हस्ताक्षर किये।

7. सामरिक शस्त्र परिसीमन वार्ता (SALT-I) संधि कब से प्रभावी हुई।

उत्तर - यह संधि **3 अक्टूबर 1972 से प्रभावी** हुई।

8. सीमित परमाणु संधि क्या है ?

उत्तर - **सीमित परमाणु परीक्षण संधि (LTBT) पर 5 अगस्त 1963** को अमेरिका, ब्रिटेन, सोवियत रूस ने मास्को में हस्ताक्षर किये।

9. सीमित परमाणु परीक्षण संधि कब प्रभावी हुई ?

उत्तर - **10 अक्टूबर 1963** से यह संधि प्रभावी हुई।

10. सीमित परमाणु परीक्षण संधि का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर - इस संधि द्वारा वायुमण्डल, बाहरी अन्तरिक्ष तथा पानी के भीतर परमाणु परीक्षण करने पर प्रतिबन्ध लगाना था।

11. केमिकल विपन्स कन्वेंशन (CWC) संधि पर कब और किस समझौते द्वारा हस्ताक्षर किये गये।

उत्तर - 1993 में जिनेवा समझौते के द्वारा।

12. केमिकल विपन्स कन्वेंशन (CWC) पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किये।

उत्तर - इस संधि पर 181 देशों ने हस्ताक्षर किये।

13. नाटो का पूरा नाम लिखिए।

उत्तर - उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन।

14. नाटो की स्थापना कब व किस संधि के द्वारा की गई। हुई ?

उत्तर - 4 अप्रैल, 1949 ब्रुसेल्स संधि द्वारा।

15. नाटो की वर्तमान में सदस्य संख्या कितनी है ?

उत्तर - 30

16. नाटो का 30 वाँ सदस्य देश कौन व कब बना ?

उत्तर - उत्तरी मेसीडोनिया 6 फरवरी, 2019 को 30 वाँ सदस्य देश बना।

17. वारसा (पूर्वी गठबंधन) सैनिक संगठन का गठन कब व किसके नेतृत्व में किया गया।

उत्तर - 14 मई, 1955 को रूस के नेतृत्व में इस सैनिक गठबन्धन का गठन किया गया।

18. वारसा (पूर्वी गठबंधन) सैनिक संगठन का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर - इस संगठन का उद्देश्य नाटो में शामिल देशों से यूरोप में मुकाबला करना था।

19. वारसा सैनिक संगठन को समाप्त कब किया गया ?

उत्तर - 1 जुलाई, 1991 को यह सैनिक गठबंधन समाप्त हो गया।

20. सेन्टो (केन्द्रीय संधि संगठन) की स्थापना कब व किसके नेतृत्व में की गई ?

उत्तर - 1955 में अमेरिका के नेतृत्व में।

21. सेन्टो (केन्द्रीय संधि संगठन) को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तर - बगदाद समझौते के नाम से क्योंकि इस संगठन का गठन बगदाद संधि द्वारा किया गया।

22. गुट निरपेक्षता का क्या अर्थ है ?

उत्तर - गुटों से अलग रहने की स्वतंत्रता, समानता व न्याय आधारित नीति जो साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद व रंगभेद का विरोध करती है।

शेखावाटी मिशन - 100

23. गुट निरपेक्षता के संस्थापक कौन हैं ?

उत्तर - नेहरू, नासिर मार्शल टीटो, सुकर्णो व एनक्रुमा।

24. भारत में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के संस्थापक कौन थे ?

उत्तर - जवाहरलाल नेहरू

25. आइवोजीवा की लड़ाई किस-किस के मध्य हुई-

उत्तर - 23 फरवरी, 1945 जापान व अमेरिका के मध्य हुई थी।

26. सोवियत रूस के सैनिकों ने राइस्टैग बिल्डिंग जर्मनी पर अपना झण्डा कब फहराया था ?

उत्तर - मई, 1945 में।

27. क्यूबा मिसाईल संकट के समय क्यूबा के राष्ट्रपति कौन थे ?

उत्तर - फिदेल कास्त्रो

28. क्यूबा मिसाईल संकट के समय रूस के राष्ट्रपति कौन थे ?

उत्तर - निकिता खुश्चैव

29. क्यूबा मिसाईल संकट के समय अमेरीका के राष्ट्रपति कौन थे ?

उत्तर - जान एफ. कैनेडी

30. अमेरिका ने 1945 में जापान के किन दो शहरों पर बम गिराये-

उत्तर - 1. हिरोशिमा शहर पर (6 अगस्त, 1945 को)

2. नागासाकी शहर पर (9 अगस्त, 1945 को)

31. अमेरिका द्वारा 1945 में जापान के शहरों पर गिराये गये बमों के क्या नाम थे ?

उत्तर - 1. लिटिल बॉय (छोटा बच्चा) 2. फैटमेन (मोटा आदमी)

32. परमाणु मुक्त समुद्र तल संधि कब हुई थी-

उत्तर - 11 फरवरी, 1971 को की गई संधि जो 19 किमी. समुद्र को छोड़कर न्यूक्लियर व भयानक अस्त्रों के परीक्षण पर प्रतिबंध लगाती है।

33. कॉमिनफॉर्म योजना क्या है ?

उत्तर - 25 अक्टूबर, 1947 मार्शल योजना के विकल्प के रूप में रूस द्वारा प्रारम्भ की गई योजना **कॉमिनफॉर्म योजना** कहलाती है।

34. शीतयुद्ध के दौरान हथियारों की होड़ व हथियारों पर नियंत्रण दोनों प्रक्रियायें हुई। इन दोनों प्रक्रियाओं के क्या कारण थे ?

उत्तर - अमेरिका व रूस के महाशक्ति बनने की होड़ के कारण हथियारों की होड़ बढ़ी तथा हथियारों के विनाश और भय के कारण निःशस्त्रीकरण की प्रक्रिया सामने आई।

35. अपरोध का तर्क (MAD-Matual Assured Distruction) का क्या अर्थ है ?

उत्तर - अगर कोई देश शत्रु पर आक्रमण करके उसके परमाणु हथियारों को नाकाम करने की कोशिश करता है तब भी आक्रमण झेलने वाले राष्ट्र के पास आक्रमणकारी राष्ट्र को बर्बाद करने लायक हथियार बच जायेंगे।

36. बाह्य आकाश संधि कब हुई थी-

उत्तर - 9 दिसम्बर, 1966 को **अमेरिका, रूस, ब्रिटेन के मध्य** की गई संधि जो बाह्य आकाश में परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है।

नोट - मुक्त आकाश संधि 1992 में हुई।

शेखावाटी मिशन - 100

37. मार्शल योजना के तहत पश्चिमी युरोप के देशों को क्या लाभ हुआ ?

उत्तर – पश्चिमी यूरोपीय देशों के आर्थिक पुनर्निर्माण तथा इन देशों में व्याप्त बेकारी, भूखमरी, निर्धनता और अव्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से मार्शल योजना शुरू की गई। जिसके तहत कुल 4 वर्षों में पश्चिमी युरोपीय देशों को 12 अरब डॉलर की मदद का वचन दिया गया।

38. महाशक्तियाँ छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन क्यों बनाये रखती थी–

उत्तर – 1. महत्त्वपूर्ण संसाधनों की प्राप्ति के लिये जैसे **तेल व खनिज प्राप्ति** के लिये।

2. **भू-क्षेत्र प्राप्ति के लिये** ताकि यहाँ से महाशक्तियाँ **अपने हथियारों व सेना का संचालन** कर सके।

3. **सैनिक ठिकाने स्थापित करने** के लिये ताकि महाशक्तियाँ एक दूसरे की जासूसी कर सके।

4. आर्थिक मदद देकर ताकि गठबंधन में शामिल बहुत से **छोटे-छोटे देश सैन्य खर्च वहन करने में मददगार हो सके।**

39. कभी-कभी यह कहा जा सकता है कि 'शीतयुद्ध शक्ति के लिये संघर्ष था और इसका विचारधारा से कोई संबंध नहीं था।' अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दें।

उत्तर – क्यूबा मिसाइल संकट 1962 के समय रूस क्यूबा से व अमेरिका तुर्की से पीछे हट गया। वियतनाम संकट से उबरने के लिये निक्सन के सलाहकार हेनरी किसींजर ने बीझिंग (चीन), मास्को (रूस) व न्यूयार्क (अमेरिका) की अनेक गोपनीय यात्रायें की। जिसे **शटल डिप्लोमेसी या प्रोचमा** कहते हैं। खेल के माध्यम से अमेरिका द्वारा चीन से संबंध सुधारना **पिंग-पोंग डिप्लोमेसी** कहलाती है।

40. शीतयुद्ध के दौरान भारत की अमेरिका व सोवियत संघ के प्रति विदेश नीति क्या थी ?

उत्तर – गुटनिरपेक्षता की नीति।

41. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को तीसरी दुनिया के देशों में तीसरे विकल्प के रूप में समझा। जब शीतयुद्ध अपने चरम पर था तब इस विकल्प ने तीसरी दुनिया के विकास में कैसे मदद की ?

अथवा

गुट निरपेक्ष आन्दोलन ने द्विध्रुवीयता को कैसे चुनौती दी थी ?

उत्तर – 1. तीसरी दुनिया के देशों ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाकर **दोनों महाशक्तियों से सहयोग प्राप्त कर अपना विकास किया।**

2. शीत युद्ध के दौरान तीसरी दुनिया के देशों ने इस मंच से आपसी सहयोग को बढ़ावा देकर अपना विकास किया।

42. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन अब अप्रासंगिक हो गया है। इसके पक्ष में आप तर्क दें।

उत्तर – 1. 1962 चीन आक्रमण के समय **श्रीलंका को छोड़कर** किसी गुटनिरपेक्ष देश ने चीनी आक्रमण का विरोध नहीं किया।

2. अगस्त, 1971 में भारत के विदेश मंत्री स्वर्णसिंह के सुझाव पर भारत-रूस के मध्य की गई शांति, मित्रता व सहयोग संधि हुई।

3. 1983 गुटनिरपेक्षता का 7 वाँ सम्मेलन दिल्ली में हुआ जिसमें इंदिरा गाँधी ने अफगानिस्तान में रूस की सेनाओं के प्रवेश की आलोचना नहीं की तथा भारत ने तटस्थता की नीति का परिचय दिया।

43. शीतयुद्ध क्या है ? इसके कारणों का वर्णन करें ?

उत्तर – शीतयुद्ध प्रत्यक्ष युद्ध न होते हुए भी युद्ध जैसी परिस्थितियों को बनाये रखने की कला थी अर्थात् दो महाशक्तियों, सैनिक संगठनों, दो विचारधाराओं के बीच वैचारिक द्वन्द्व को शीतयुद्ध कहा गया ।

शीतयुद्ध के कारण निम्न है–

1. 5 मार्च, 1946 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल द्वारा दिया गया फुल्टन भाषण।

2. द्वितीय मोर्चे का प्रश्न।

शेखावाटी मिशन - 100

3. अणु बम का अविष्कार।

4. युद्धोत्तर उद्देश्यों में अन्तर।

5. शक्ति संघर्ष।

6. दोनों महाशक्तियों द्वारा एक दूसरे का विरोधी प्रचार अभियान।

7. सोवियत संघ द्वारा वीटो का बार-बार प्रयोग।

8. ईरान से सोवियत सेना का न हटाया जाना।

9. यूनान में सोवियत संघ का हस्तक्षेप।

10. सोवियत संघ द्वारा तुर्की पर दबाव।

44. शीतयुद्ध का अर्थ बताते हुए इस दौरान गठित सैन्य संगठनों के नाम बताइये।

उत्तर - शीतयुद्ध प्रत्यक्ष युद्ध न होते हुए भी युद्ध जैसी परिस्थितियों को बनाये रखने की कला थी अर्थात् दो महाशक्तियों, सैनिक संगठनों, दो विचारधाराओं के बीच वैचारिक द्वन्द्व को शीतयुद्ध कहा गया।

1. नाटो-4 अप्रैल 1949
2. SEATO-1954
3. CENTO-1955
4. वारसा पैक्ट-1955

45. गुट निरपेक्षता की नीति से भारत को मिलने वाले दो लाभ बताइये ?

अथवा

गुटनिरपेक्षता की नीति ने कम से कम दो तरह से भारत का प्रत्यक्ष रूप से हित साधन किया है।

उत्तर - 1. भारत ने सजग और सचेत रूप से अपने को दोनों महाशक्तियों को खेमे बंदी से अलग रखा।

2. भारत ने उपनिवेशों के चुंगल से मुक्त हुये नव स्वतंत्र देशों को महाशक्तियों के खेमें में जाने का पुरजोर विरोध किया।

46. क्यूबा मिसाईल संकट क्या था ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

क्यूबा मिसाइल संकट शीतयुद्ध का चरम बिन्दु था ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - सन् 1958 में क्यूबा में फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में साम्यवाद की स्थापना हुई। सन् 1961 में सोवियत संघ के नेताओं को यह चिंता सता रही थी कि अमेरीका क्यूबा पर आक्रमण न कर दे। इस कारण से सन् 1962 में सोवियत संघ ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात कर दी और अपना सैनिक अड्डा स्थापित कर लिया। जब इस घटना का पता अमेरिका को चला तो अमेरिका ने इसे अपनी सम्प्रभुता पर खतरा माना और अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी ने क्यूबा की नाकेबंदी करवा दी और सोवियत संघ को चेतावनी दी कि या तो सोवियत संघ क्यूबा से अपना सैनिक अड्डा हटा ले या फिर युद्ध के लिये तैयार हो जाये। यह युद्ध परमाणु युद्ध या तीसरा विश्व युद्ध होगा। इसके बाद सोवियत नेता खुश्चेव ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए क्यूबा से अपना सैनिक अड्डा हटाने पर सहमत हो गये। इस प्रकार क्यूबा मिसाइल संकट शीत युद्ध का चरम बिन्दु था जो कि तीसरा विश्व युद्ध का कारण बन सकता था। कैनेडी ने खुश्चेव के इस निर्णय को एक महान राजनेता का निर्णय कहा।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 2
दो ध्रुवीयता का अंत

1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है-

(1) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।

(2) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व या नियंत्रण होना। (मिलकियत पर राज्य का अधिकार था।)

(3) जनता को आर्थिक आजादी।

(4) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियंत्रण राज्य करता था। [3]

व्याख्या- जनता को आर्थिक आजादी नहीं थी। 1991 रूस बिखराव के बाद शोक थेरेपी द्वारा मुक्त अर्थव्यवस्था को अपनाया गया।

2. निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं को काल-क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

(A) बर्लिन दीवार का पतन **(B) रूसी क्रांति**

(C) सोवियत संघ का विघटन **(D) अफगानिस्तान में सोवियत हस्तक्षेप**

(1) (C), (A), (B), (D) (2) (C), (D), (A), (B)

(3) (B), (D), (A), (C) (4) (B), (D), (C), (A) [3]

व्याख्या- (1) अफगान संकट-दिसम्बर, 1979 (2) बर्लिन दीवार का गिरना - 9 नवम्बर-1989 (3) सोवियत संघ का विघटन- 25 दिसम्बर 1991 (4) रूसी क्रांति-मैनशेविक क्रांति फरवरी, 1917 (जूलियन कैलेण्डर के अनुसार 8 मार्च, 1917), बोल्शेविक क्रांति-25 अक्टूबर, 1917 (जूलियन कैलेण्डर के अनुसार 7 नवम्बर, 1917)

3. निम्नलिखित में से कौनसा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है-

(1) संयुक्त राज्य अमेरिका व सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अंत (शीतयुद्ध का समापन)

(2) स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल का जन्म (C.I.S.-1991- इसमें सोवियत संघ के 15 में से 11 राज्य शामिल हुये।)

(3) विश्व व्यवस्था के शक्ति संतुलन में बदलाव

(4) मध्यपूर्व में संकट [4]

व्याख्या- शीतयुद्ध के दौरान बहुत से लोग सोचते थे कि सोवियत संघ के मध्य पूर्वी एशियाई गणराज्य में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे दमदार होगा क्योंकि ये गणराज्य रूस से धार्मिक व नस्लीय लिहाज से अलग थे और आर्थिक रूप से पिछड़े हुये थे लेकिन हुआ यह कि सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष **यूरोपीय समृद्ध गणराज्यों-बाल्टिक गणराज्य (ऐस्टोनिया,लातिविया, लिथुआनिया) रूस, जॉर्जिया व यूक्रेन** क्षेत्र में सबसे प्रबल नजर आया। **लिथुआनिया** सोवियत रूस का वह हिस्सा था जिसने **1988 में सबसे पहले सोवियत रूस से अलग होने की घोषणा** की जो **मार्च, 1990 में सोवियत रूस से अलग होने वाला पहला राज्य बना।**

4. निम्नलिखित में मेल बैठाइये-

(1) मिखाइल गोर्बाच्योव - सुधारों की शुरूआत (मिथाईल गोर्बाच्योव की ग्लास्तनोस्त (खुलापन)-लोकतांत्रिकरण नीति तथा पेरिस्त्राइका- आर्थिक पुनर्निमाण की नीति के कारण सुधारों की शुरूआत हुई।)

(2) शॉक थैरेपी - आर्थिक मॉडल (IMF व विश्व बैंक का आर्थिक मॉडल जिसमें आघात पहुंचाकर के ईलाज करना होता है।)

(3) रूस - सोवियत संघ का उत्तराधिकारी

(4) वोरित येल्तसिन- रूस के राष्ट्रपति

(5) वारसा- सैन्य समझौता (14 मई 1955 को वारसा सैन्य समझौता हुआ। इस संगठन का उद्देश्य नाटो में शामिल देशों से यूरोप में मुकाबला करना था। 1 जुलाई, 1991 को यह सैनिक संगठन समाप्त हो गया।)

शेखावाटी मिशन - 100

5. सोवियत राजनीतिक प्रणाली किस विचारधारा पर आधारित थी।

उत्तर– साम्यवादी विचारधारा पर

6. सोवियत संघ के विघटन के समय सोवियत संघ के राष्ट्रपति कौन थे ?

उत्तर– मिखाईल गोर्बाच्योव।

7. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ ?

उत्तर– 25 दिसम्बर, 1991 को।

8. सोवियत संघ के विघटन के बाद सोवियत संघ से अलग हुये देशों ने कौनसा संगठन बनाया।

उत्तर– राष्ट्रकुल (CIS)

9. सोवियत संघ के विघटन के बाद सोवियत संघ से अलग हुये कितने देश राष्ट्रकुल में सम्मिलित हुये।

उत्तर– 15 में से 11 देश इस संगठन में शामिल हुये।

10. दिसम्बर, 1991 में सोवियत संघ का विघटन हुआ। यह सोवियत संघ किस वर्ष व कितने राष्ट्रों को मिलाकर के बनाया गया?

उत्तर– 1922 में 15 राज्यों को मिलाकर के सोवियत संघ का निर्माण किया गया।

11. सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस का प्रथम राष्ट्रपति कौन बना ?

उत्तर– वोरित येल्तसीन

12. सोवियत संघ द्वारा बनाये गये सैन्य संगठन का नाम

उत्तर– 14 मई, 1955 को वारसा सैनिक संगठन बनाया गया। 1989 में गोर्बाच्योव ने घोषणा कि की वारसा के देश अपना भविष्य स्वयं सुनिश्चित करें। 1 जुलाई, 1991 को इसे समाप्त कर दिया गया।

13. किस पार्टी का सोवियत राज व्यवस्था पर दबदबा था

उत्तर– कम्युनिस्ट पार्टी का

14. किसने 1985 में सोवियत रूस में सुधारों की शुरूआत की

उत्तर– मिखाइल गोर्बाच्योव की ग्लास्तनोस्त (खुलापन) व पेरिस्त्राइका (आर्थिक पुनर्निर्माण) की नीतियों से सुधारों की शुरूआत हुई।

15. किसका गिरना शीतयुद्ध के अंत का प्रतीक था।

उत्तर– 9 नवम्बर, 1989 को बर्लिन की दीवार का गिरना।

16. सोवियत रूस में मैनशेविक क्रांति कब हुई ?

उत्तर– फरवरी 1917 में।

17. सोवियत रूस में बोल्शेविक क्रांति कब हुई ?

उत्तर– 25 अक्टूबर 1917 सोवियत गणराज्य में समाजवादी क्रांति हुई जो पूंजीवाद के विरूद्ध हुई थी।

18. सोवियत रूस में बोल्शेविक क्रांति का नारा क्या था ?

उत्तर– भूमि, रोटी व शांति।

19. सोवियत रूस में बोल्शेविक क्रांति का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर– नागरिकों के लिये न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित करना व मिल्कीयत पर प्रमुख रूप से राज्य का अधिकार स्थापित करना था।

20. सोवियत प्रणाली से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– वह शासन प्रणाली जो नीजि सम्पत्ति की संस्था को समाप्त करने और समाज में समानता के सिद्धांत को स्थापित करने के लिए राज्य और साम्यवादी पार्टी को प्राथमिकता देती है। इस व्यवस्था में अन्य राजनीतिक दल व विपक्ष के लिये कोई जगह नहीं होती है एवं अर्थव्यवस्था को योजनाबद्ध रूप से राज्य के नियंत्रण में आगे बढ़ाया जाता है।

शेखावाटी मिशन - 100

21. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूंजीवादी अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली तीन विशेषताएँ बताइये-

अथवा

सोवियत अर्थव्यवस्था की कोई तीन विशेषतायें बताइये।

उत्तर - 1. सोवियत अर्थव्यवस्था में **राष्ट्र की सम्पदा पर मिल्कियत का अधिकार राज्य के पास था** जबकि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में यह **अधिकार पूंजीपतियों के पास** होता है।

2. सोवियत अर्थव्यवस्था **लोक कल्याण पर आधारित थी** जबकि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था **अहस्तक्षेप की नीति पर आधारित** होती है।

3. सोवियत अर्थव्यवस्था में **नौकरशाही का शिकंजा कसे होने के कारण इसका स्वरूप सत्तावादी** था जबकि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में लोकतांत्रिक व्यवस्था पाई जाती है। जिसमें **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता** होती है।

22. किन बातों के कारण गोर्बाच्योव सोवियत संघ में सुधारों के लिये बाध्य हुआ-

उत्तर - 1. 70 वर्षों के कम्युनिस्ट पार्टी शासन के कारण **प्रशासन की गति अवरूद्ध हो गई। चारों ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला था** तथा अपनी गलती सुधारने में व्यवस्थायें असक्षम थी।

2. कम्युनिस्ट पार्टी के **अधिकारियों को जनता से ज्यादा विशेषाधिकार मिले हुये थे।** अतः आम नागरिक अलग-थलग पड़ गये।

3. सोवियत संघ की विशालता के बाद भी सत्ता केन्द्रीकृत थी जिससे पार्टी (सरकार) जनता के प्रति जवाबदेह नहीं रही। इन कारणों से गोर्बाच्योव सोवियत संघ में सुधार के लिये बाध्य हुये।

23. भारत जैसे देशों के लिये सोवियत संघ के विघटन के क्या परिणाम हुये-

उत्तर - 1. सोवियत संघ विघटन से **भारत मित्र विहीन हो गया।**

2. सोवियत संघ विघटन के बाद भारत को अपनी **विदेश नीति व आर्थिक नीतियों का पुनरावलोकन करना पड़ा।**

3. भारत ने अपनी विदेश नीति में **पूर्व की ओर देखो (24 जुलाई, 1991)** व अपनी **आर्थिक नीतियों में उदारीकरण की नीति** अपनाई।

24. शॉक थेरेपी क्या थी ? क्या साम्यवाद से पूँजीवाद की तरफ संक्रमण का यह सबसे बेहत्तर तरीका था।

उत्तर - **शॉक थेरेपी (आघात पहुंचाकर उपचार करना)** - विश्व बैंक व आई. एम. एफ. द्वारा निर्देशित मॉडल जिसमें साम्यवादी व्यवस्था का समापन कर वहाँ निजी स्वामित्व व्यवस्था को अपनाया गया।

साम्यवाद के पतन के बाद पूर्व सोवियत संघ के गणराज्य, समाजवादी व्यवस्थाओं से पूंजीवादी व्यवस्था तक **कष्टप्रद संक्रमण** से होकर गुजरे।

इस मॉडल के तहत **हर देश को पूंजीवादी व्यवस्था की ओर मुड़ना था।** सोवियत संघ के हर दौर की संरचना से निजात पाना था।

इस मॉडल के अनुसार मिल्कीयत का सबसे प्रभावी रूप **निजी स्वामित्व** होगा जबकि साम्यवादी व्यवस्था में मिल्कीयत पर **राज्य का स्वामित्व** था। शॉक थेरेपी के कारण व्यवस्थाओं से बाहरी व्यवस्थाओं की और रूझान बदल गये। अर्थात् शोक थेरेपी के अनुसार ज्यादा से ज्यादा व्यापार करके ही किसी देश का विकास किया जा सकता है। अतः प्रत्येक राष्ट्र को **मुक्त व्यापार को पूर्ण रूप से** अपनाना जरूरी है।

25. शॉक थेरेपी का रूस की अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा ?

अथवा

रूस में शॉक थेरेपी के क्या परिणाम हुये ? बताइये।

शेखावाटी मिशन - 100

उत्तर - 1. रूस बिखराव के बाद 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों में बेचा गया।

2. पूरे क्षेत्र की **अर्थव्यवस्था तहस-नहस** हो गई तथा **जनता को बर्बादी की मार झेलने पड़ी।**

3. यह कदम **उद्योगों को मटियामेट** करने वाला साबित हुआ।

26. सोवियत संघ विघटन के बाद भारत को अपनी विदेश नीति बदलनी चाहिये और रूस जैसे परम्परागत मित्र की जगह संयुक्त राज्य अमेरिका से दोस्ती करने पर ध्यान देना चाहिये-

उत्तर - **फॉस्टर डलेस के अनुसार 'अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में न तो स्थायी मित्र है और न कोई स्थायी शत्रु है। एक राष्ट्र के हित ही स्थायी है। अतः भारत को अपने राष्ट्रीय हित देखते हुये अमेरिका से दोस्ती को और अधिक घनिष्ट कर लेना चाहिये।'**

अब अमेरिकी वर्चस्व से कैसे निपटा जाये-

1. जो भारतीय विद्वान अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को **सैन्य शक्ति** के रूप में देखते हैं उनका मानना है कि **भारत को वाशिंगटन से दूरी रखनी चाहिये तथा अपनी राष्ट्रीय शक्ति को बढ़ाना चाहिये।**

2. कुछ भारतीय विद्वानों का मानना है कि अमेरिकी वर्चस्व का **भारत को फायदा उठाना चाहिये।** भारत को **अमेरिकी विरोध की राजनीति नहीं करनी चाहिये।**

3. कुछ विद्वानों का मानना है कि भारत को अपनी अगुवाई में **विकासशील देशों का गठबंधन बनाना चाहिये** ताकि भारत अमेरिकी वर्चस्व का प्रतिकार करने में सक्षम हो सके।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत और अमेरिका संबंध इतने जटिल है जिनके एक पक्ष पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। अतः एक रणनीति के तहत अमेरिका के साथ **भारत को समुचित मेल-जोल तैयार करना होगा।**

अमेरिकी वर्चस्व से निपटने के लिये दो प्रकार की रणनीति का सहारा लिया जा सकता है-

1. ब्रेड बैंगन रणनीति- (जैसी बहे बयार पीठ तैसी कीजै)- सबसे ताकतवर देश के विरूद्ध जाने की बजाय उसके वर्चस्व तंत्र में रहते हुये अवसरों का फायदा उठाना कहीं उचित रणनीति है। **ब्रेड बैंगन थ्योरी रेण्डल क्लेवलर** ने दी थी।

2. छुपा ले की नीति - (बेवजह क्रोध से बचना) - सबसे ताकतवर देश से यथासम्भव दूर रहना।

27. सोवियत संघ के विघटन के कोई चार कारण बताइये।

अथवा

किन बातों के कारण गोर्बाच्योव सोवियत रूस में सुधार के लिये बाध्य हुये।

उत्तर- **सोवियत संघ के विघटन के कारण-**

1. सोवियत संघ की राजनीतिक, आर्थिक संस्थायें अंदरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकी। यही सोवियत संघ के पतन का कारण रहा। उपभोक्ता वस्तुओं की कमी हो गई तथा सोवियत संघ की आबादी का एक बड़ा हिस्सा राजव्यवस्था को शक की नजर से देखने लगा और राजव्यवस्था पर खुले आम सवाल खड़े कर दिये।

2.सोवियत व्यवस्था कमजोर होने का एक कारण सोवियत संघ ने अपने संसाधनों को परमाणु हथियार और सैन्य साजो सम्मान पर लगाया। सोवियत संघ अपने संसाधन पूर्वी यूरोप के अपने पिछलगू देशों के विकास पर खर्च किये ताकि वे सोवियत नियंत्रण में बने रहे। इससे सोवियत संघ पर आर्थिक दबाव बढ़ा और सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर पाई।

3. पश्चिमी देशों की तरक्की के बारे में सोवियत संघ के आम नागरिकों की जानकारी बढ़ी। जिससे वे अपनी राजव्यवस्था और पश्चिमी देशों की राजव्यवस्था के बीच मौजूदा अंतर को भाँप गये। सालों से इन लोगों को यह बताया जा रहा था कि **सोवियत राजव्यवस्था पश्चिम के पूंजीवाद से बेहत्तर है** लेकिन सच्चाई यह थी कि सोवियत संघ पिछड़ चुका था और अपने पिछड़ेपन की पहचान से लोगों को राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक रूप से धक्का लगा।

शेखावाटी मिशन - 100

4. कम्युनिस्ट पार्टी ने 70 सालों तक सोवियत संघ पर शासन किया लेकिन अब यह पार्टी जनता के प्रति जवाबदेह नहीं रह गई बल्कि भारी भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। यह राजव्यवस्था अपनी गलतियों को सुधारने में असक्षम थी। शासन व्यवस्था में खुलापन लाने के प्रति अनिच्छा और देश में विशालता के बावजूद सत्ता का केन्द्रीयकरण बनाये रखना चाहती थी। इस व्यवस्था में सबसे बुरी बात **पार्टी के अधिकारियों को आम नागरिकों से ज्यादा विशेषाधिकार मिले हुये थे। जिसके कारण जन आधार खिसकता चला गया।**

28. सोवियत संघ के विघटन के परिणाम बताइये।

अथवा

1991 में सोवियत संघ के पतन के परिणामस्वरूप विश्व राजनीति में मोटे तौर पर तीन प्रकार के दूरगामी परिवर्तन हुये। वे बताइये।

उत्तर - सोवियत संघ के विघटन के परिणाम-1991 सोवियत संघ के पतन के परिणामस्वरूप विश्व राजनीति में मोटे तौर पर तीन प्रकार के दूरगामी परिवर्तन हुये-

1. शीतयुद्ध के दौर के संघर्ष की समाप्ति हुई व एक नई शांति की संभावना का जन्म हुआ- समाजवादी प्रणाली पूंजीवादी प्रणाली को पछाड़ पायेगी या नहीं यह विचारधारात्मक विवाद अब कोई मुद्दा नहीं रहा। शीतयुद्ध विवाद ने दोनों गुटों की सेना को उलझाया, विश्व को सैन्य गुटों में बाँटा, हथियारों की होड़ को बढ़ावा दिया। अब यह सब कुछ खत्म हो गया और **एक नयी शांति की सम्भावना का जन्म हुआ।**

2. विश्व राजनीति में शक्ति संबंध बदल गये- जिससे विचारों और संस्थाओं के आपेक्षिक प्रभाव में भी बदलाव आया। शीतयुद्ध के अंत के समय दो संभावनायें थी कि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद बची हुई एक महाशक्ति का दबदबा रहेगा/एक ध्रुवीय विश्व बनेगा। फिर कई देश मोहरें बनकर उभरेंगे तथा किसी एक देश का बोलबाला नहीं होगा लेकिन शीतयुद्ध के समापन के कारण अमेरिका महाशक्ति बन बैठा। विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थायें प्रभुत्वशाली देश अमेरिका की सलाहकार बनी। राजनीतिक रूप से **उदारवादी लोकतंत्र सर्वश्रेष्ठ धारणा के रूप में उभरा।**

3. सोवियत खेमे के अंत का एक अर्थ नये देशों का उदय था- इन सभी देशों की स्वतंत्र पहचान बनी। इनमें से कुछ पूर्वी यूरोप के देश यूरोपीय संघ और नाटो का हिस्सा बनना चाहते थे लेकिन इन देशों ने रूस के साथ अपने मजबूती के रिश्ते जारी रखे तथा पश्चिमी देशों अमेरीका, चीन तथा अन्य देशों के साथ संबंध बनाये।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 3
समकालीन दक्षिण एशिया

1. निम्नलिखित में से कौनसा देश दक्षिण एशिया का अंग नहीं माना जाता है ?

(1) पाकिस्तान (2) मालद्वीप (3) चीन (4) भूटान (3)

2. श्रीलंका के लोकतंत्र को एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा है। निम्न में से वह कौनसी कठिन चुनौती है ?

(1) सैन्य शासन के द्वारा चुनौती (2) राजतंत्रात्मक शासन प्रणाली द्वारा

(3) जातीय संघर्ष द्वारा (4) इनमें से कोई नहीं (3)

3. दक्षिणी एशिया के बारे में कौनसा कथन गलत है-

(1) दक्षिणी एशिया में केवल एक तरह की राजनीतिक प्रणाली चलती है।

(2) भारत व बांग्लादेश ने नदी जल की हिस्सेदारी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

(3) साफ्टा पर हस्ताक्षर 2004 के इस्लामाबाद में होने वाले 12 वें शिखर सम्मेलन में हुये। SAFTA 1 जनवरी, 2006 को अस्तित्व में आया।

(4) दक्षिणी एशिया की राजनीति में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। (1)

4. लिट्टे का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर - लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम।

5. लिट्टे संगठन की मुख्य मांग क्या थी ?

उत्तर - श्रीलंका के तमिलों के लिये पृथक राष्ट्र का गठन किया जायेगा।

6. राजतंत्र, लोकतंत्र समर्थक समूह व अतिवादियों के बीच संघर्ष के कारण राजनीतिक अस्थिरता का वातावरण किस देश में बना हुआ है-

उत्तर - नेपाल

7. चारों तरफ भूमि से घिरा हुआ देश कौनसा है-

उत्तर - नेपाल, भूटान

8. दक्षिणी एशिया का वह देश जिसने सबसे पहले अपनी अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया-

उत्तर - श्रीलंका

9. सेना और लोकतंत्र समर्थित समूह के बीच सेना ने हमेशा बाजी मारी। वह देश कौनसा है ?

उत्तर - पाकिस्तान

10. दक्षिण एशिया के केन्द्र में अवस्थित वह देश जिसकी सीमा दक्षिणी एशिया के अधिकांश देशों से मिलती है-

उत्तर - भारत

11. पाकिस्तान के द्वारा अपने परमाणु परीक्षण कब व किस स्थान पर किये गये ?

उत्तर - 28 मई, 1998 को चंगाई की पहाड़ियों में।

12. सरक्रिक सीमा रेखा विवाद किन देशों के मध्य है।

उत्तर - भारत और पाकिस्तान के मध्य कच्छ के रन गुजरात में यह विवाद है।

13. भूटान की राजव्यवस्था के बारे में संक्षेप में लिखिये।

उत्तर - भूटान में अब भी राजतंत्र है लेकिन यहाँ के राजा ने भूटान में बहुदलीय लोकतंत्र स्थापित करने की योजना की शुरूआत की है।

शेखावाटी मिशन - 100

14. वह देश जिसमें शासन की बागडोर सुल्तान के हाथ में थी लेकिन अब वहाँ गणतंत्र है।

उत्तर - मालद्वीप 1968 से

15. ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी बचत व सहकारी व्यवस्था के ऋण के कारण किस देश को गरीबी कम करने में मदद मिली है-

उत्तर - बांग्लादेश (बांग्लादेश ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद युनूस को वर्ष 2006 का नोबेल पुरस्कार दिया गया है।)

16. वह हिमालय देश जहाँ संवैधानिक राजतंत्र है जो हर तरफ से भूमि से घिरा हुआ है।

उत्तर - भूटान (Land Lock Country)

17. श्रीलंका में जातीय संघर्ष में किनकी भूमिका प्रमुख है-

उत्तर - 1983 के बाद उग्र तमिल संगठन लिट्टे का श्रीलंकाई सरकार के साथ संघर्ष प्रारम्भ हुआ।

18. दक्षिण एशिया के कौनसे देशों में लोकतांत्रिक और सैनिक दोनों तरह के नेताओं का शासन रहा है।

उत्तर - पाकिस्तान व बांग्लादेश।

19. नेपाल में राजतंत्र को खत्म करने के बाद नेपाल को लोकतांत्रिक गणराज्य कब बनाया गया।

उत्तर - 2008

20. ब्रिटिश राज की समाप्ति के बाद भारत और पाकिस्तान का स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय कब हुआ ?

उत्तर - अगस्त 1947

21. श्रीलंका (तत्कालीन सिलोन) को आजादी कब मिली ?

उत्तर - 1948 में।

22. सिलोन का नाम बदलकर श्रीलंका किस वर्ष किया गया ?

उत्तर - 1972 में।

23. शीतयुद्धकालीन सैन्य गुट सीटो (SEATO) में पाकिस्तान किस वर्ष शामिल हुआ ?

उत्तर - 1954

24. शीतयुद्धकालीन सैन्य गुट केन्द्रीय संधि संगठन (CENTO) में पाकिस्तान किस वर्ष शामिल हुआ ?

उत्तर - 1955 में।

25. भारत और पाकिस्तान ने सिंधु नदी जल समझौते पर हस्ताक्षर कब किये ?

उत्तर - सितम्बर, 1960 में।

26. भारत और पाकिस्तान की और से सिंधु नदी जल समझौते पर हस्ताक्षर किसने किये ?

उत्तर - भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खाँ ने।

27. भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी जल समझौता किसकी मध्यस्थता से सम्पन्न हुआ ?

उत्तर - भारत और पाकिस्तान के बीच

28. अफगानिस्तान को सार्क का सदस्य कब बनाया गया ?

उत्तर - सार्क का 14 वाँ सम्मेलन 2007

29. भारत और चीन के मध्य युद्ध किस वर्ष हुआ ?

उत्तर - 1962 में।

30. भारत व चीन युद्ध के समय भारत का प्रधानमंत्री कौन था ?

उत्तर - जवाहर लाल नेहरू

शेखावाटी मिशन - 100

31. भारत व चीन युद्ध के समय चीन का राष्ट्रपति कौन था ?

उत्तर – माओत्से तुंग।

32. शेख मुजीबो रहमान ने पूर्वी पाकिस्तान को ज्यादा स्वायत्तता देने के लिये 6 सूत्री प्रस्ताव कब रखा।

उत्तर – 1966 में।

33. भारत व पाकिस्तान के बीच ताशकंद समझौता कब हुआ ?

उत्तर – 10 जनवरी, 1966 को।

34. भारत व पाकिस्तान के बीच हुए ताशकंद समझौते पर किसने हस्ताक्षर किये ?

उत्तर – भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री व पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयुब खाँ ने।

35. भारत व पाकिस्तान के बीच ताशकंद समझौता किसकी मध्यस्थता से हुआ।

उत्तर – रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति कोसीगन की मध्यस्थता से।

36. भारत व सोवियत संघ ने 20 सालों के लिये मैत्री संधि पर हस्ताक्षर कब किये ?

उत्तर – अगस्त, 1971 में।

37. भारत व पाक युद्ध कब हुआ जिससे बांग्लादेश का निर्माण हुआ।

उत्तर – दिसम्बर, 1971 में।

38. भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता कब सम्पन्न हुआ।

उत्तर – 3 जुलाई, 1972।

39. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए शिमला समझौते पर किसने हस्ताक्षर किये।

उत्तर – भारत की ओर से प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने तथा पाकिस्तान की ओर से जुल्फीकार अली भुट्टो ने।

40. भारत ने परमाणु परीक्षण कब किये ?

उत्तर – प्रथम परमाणु परीक्षण 18 मई, 1974 को पोकरण जैसलमेर में
द्वितीय परमाणु परीक्षण 11 व 13 मई 1998 को खतोलाई पोकरण जैसलमेर में।

41. भारत द्वारा किये गये प्रथम परमाणु परीक्षण को क्या नाम दिया गया ?

उत्तर – ऑपरेशन स्माईलिंग बुद्धा।

42. भारत द्वारा किये गये द्वितीय परमाणु परीक्षण को क्या नाम दिया गया ?

उत्तर – ऑपरेशन शक्ति।

43. दक्षेस (सार्क) के पहले सम्मेलन (ढाका, बांग्लादेश) में दक्षिण एशिया के देशों ने दक्षेस के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कब किये।

उत्तर – दिसम्बर, 1985

44. भारत और पाकिस्तान के बीच एक दूसरे के परमाणु ठिकाने व सुविधाओं पर हमला न करने के समझौते पर हस्ताक्षर कब किये।

उत्तर – 1988 में।

45. भारतीय शांति सेना (IPKF) का श्रीलंका में अभियान कब हुआ ?

उत्तर – 1987 से 1990 तक। (इस अभियान के तहत ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन त्रिशूल, ऑपरेशन विराट व ऑपरेशन चैकमेट चलाये गये।)

46. भारतीय शांति सेना (IPKF) श्रीलंका में किस समझौते के तहत हुये।

उत्तर – 1987 के राजीव जयवर्धने समझौते के तहत।

शेखावाटी मिशन - 100

47. मालद्वीप में भाड़े के सैनिकों द्वारा किये गये षड़यंत्र को नाकाम करने के लिये भारत ने वहाँ सेना कब भेजी।

उत्तर - 1988 में सेना भेजकर ऑपरेशन कैक्ट्स चलाया।

48. फरक्का संधि क्या है ?

उत्तर - गंगा नदी के पानी में हिस्सेदारी के मसले को भारत और बांग्लादेश के बीच दिसम्बर 1996 में फरक्का संधि पर हस्ताक्षर हुये।

49. SAPTA (दक्षिणी एशिया वरीयता व्यापार संधि)पर हस्ताक्षर कब हुये ?

उत्तर - सार्क के 7 वें सम्मेलन में 1993 में। यह समझौता 1995 से प्रभावी हुआ।

50. SAFTA (दक्षिणी एशिया मुक्त व्यापार संधि) पर हस्ताक्षर कब हुये ?

उत्तर - सार्क के 12 वें सम्मेलन में फरवरी 2004 में यह समझौता 1 जनवरी 2006 से प्रभावी हुआ।

51. पाकिस्तान के लोकतंत्रीकरण में कौन-कौनसी कठिनाईयाँ है-

उत्तर - 1. सेना ISI व धर्मगुरूओं का गठजोड़।

2. पाकिस्तान द्वारा सीमापार आतंकवाद को समर्थन देना।

52. नेपाल के लोग अपने देश में लोकतंत्र को बहाल करने में कैसे सफल हुये-

उत्तर - अप्रैल 2006 में देशव्यापी लोकतंत्र समर्थन प्रदर्शन हुये। जिनसे बाध्य होकर नेपाल राजा ज्ञानेन्द्र ने अप्रैल, 2002 में भंग संसद को बहाल कर दिया तथा नेपाल में नई संविधान सभा बनी। इस सभा ने नेपाल के राजा को **आलंकारिक अर्थों में राजा** को पद पर बना दिया।

53. ऐसे दो मामले बताइये जिन पर भारत-बांग्लादेश पर सहयोग व आपसी मतभेद है-

उत्तर - आपसी सहयोग के बिन्दु-

1. सार्क 2. बिमस्टेक 3. रोहिंग्या शरणार्थी 4. भूमि समझौता-2015
5. बस डिप्लोमेसी

आपसी मतभेद के बिन्दु-

1. तीस्ता (फेना) नदी विवाद
2. मुहरी (बिलोनिया) नदी विवाद
3. नवमूर द्वीप विवाद
4. पीर दा वाह की घटना
5. फेन्सी डील तस्करी विवाद
6. चकमा शरणार्थी समस्या

54. दक्षिणी एशिया में द्विपक्षी संबंधों को बाहरी शक्तियाँ किस प्रकार प्रभावित करती हैं-

उत्तर - आर्थिक सहायता देकर, सैन्य अड्डे किराये पर लेकर, हथियारों की सप्लाई करके इन देशों में आपसी टकराहट पैदा करना। विचारधारा के आधार पर सैनिक गठबंधनों का गठन करके उनका सदस्य बनाना।

55. दक्षिणी एशिया के देशों के बीच आर्थिक सहयोग की राह तैयार करने में सार्क की भूमिका बताइये-

उत्तर - आपसी सहयोग व व्यापारिक क्षेत्र को बढ़ाना तथा क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान करना।

56. दक्षिण एशिया पद का इस्तेमाल किन देशों के लिये किया जाता है ?

उत्तर - दक्षिण एशिया पद का इस्तेमाल 7 देशों के लिये किया जाता है। जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका व मालद्वीप शामिल है।

57. पाकिस्तान के सैनिक तानाशाहों के नाम बताइये जिन्होंने लोकतांत्रिक सरकार के स्थान पर सैनिक शासन की स्थापना की।

उत्तर - 1. जनरल अयुब खाँ (1958 से 1969 तक)

2. जनरल याह्या खाँ (1969 से 1971 तक)

शेखावाटी मिशन - 100

3. जनरल जिया उल हक (1978 से 1988 तक)

4. जनरल परवेज मुशरफ (1999 से 2008 तक)

58. मालद्वीप की शासन प्रणाली व राजव्यवस्था के बारे में संक्षेप में लिखिये।

उत्तर – मालद्वीप एक द्वीपीय देश है। मालद्वीप में 1968 तक सल्तनत का शासन हुआ करता था। 1968 में यह गणतंत्र बना और यहाँ शासन की अध्यक्षीय शासन प्रणाली अपनाई गई। जून 2005 में मालद्वीप की संसद में बहुदलीय प्रणाली को अपनाने के लिये एक मत मतदान किया। मालद्वीपीयन डेमोक्रेटिक पार्टी (MDP) का देश के राजनीतिक मामलों में दबदबा है। 2005 के चुनावों के बाद मालद्वीप में लोकतंत्र मजबूत हुआ है क्योंकि इस चुनाव में विपक्षी दलों को कानूनी मान्यता दे दी गई है।

59. पाकिस्तान में लोकतंत्र के स्थायी न बन पाने के क्या कारण है ?

उत्तर – यहाँ सेना, धर्मगुरू और भूस्वामी अभिजनों का सामाजिक दबदबा है। इसकी वजह से कई बार निर्वाचित सरकारों को गिराकर सैनिक शासन कायम हुआ।

60. पूर्वी पाकिस्तान की जनता ने पश्चिमी पाकिस्तान के खिलाफ विरोध क्यों व किस कारण से किया।

उत्तर – पश्चिमी पाकिस्तान के द्वारा पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर बंगाली संस्कृति और भाषा के स्थान पर उर्दू भाषा को लादने के कारण और दुर्व्यवहार करने के कारण पूर्वी पाकिस्तान की जनता ने पश्चिमी पाकिस्तान के खिलाफ विरोध जताना शुरू कर दिया है और पश्चिमी पाकिस्तान की दमनकारी नीति के कारण पूर्वी पाकिस्तान की जनता ने पश्चिमी पाकिस्तान के खिलाफ बगावत कर दी।

61. श्रीलंका में तमिल समस्या क्या है ? टिप्पणी लिखिये।

उत्तर – आजादी के बाद से श्रीलंका की राजनीति पर बहुसंख्यक सिंहली समुदाय के हितों की नुमांइदगी करने वालों का दबदबा रहा है। यह लोग भारत छोड़कर श्रीलंका आ बसी एक अल्पसंख्यक तमिल आबादी के खिलाफ है। सिंहली राष्ट्रवादियों का मानना था कि श्रीलंका में तमिलों के साथ कोई रियायत नहीं बरती जानी चाहिये और उन्हें ना ही कोई अधिकार दिये जाने चाहिये क्योंकि श्रीलंका सिर्फ सिंहली लोगों का देश है। सिंहली लोगों और श्रीलंका की सरकार द्वारा तमिलों के प्रति उपेक्षा भरे बर्ताव से एक उग्र तमिल राष्ट्रवाद की आवाज बुलंद हुई है। इस कारण से श्रीलंका को जातीय संघर्ष का सामना करना पड़ा है। 1983 के बाद से उग्र तमिल संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल इलम (लिट्टे) श्रीलंकाई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष कर रहा है। यह संगठन तमिल इलम यानि श्रीलंका के तमिलों के लिये पृथक देश की मांग की है। श्रीलंका के उत्तरी पूर्वी हिस्से पर लिट्टे का नियंत्रण है।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय- 4
अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

1 **'संयुक्त राष्ट्रसंघ का गठन मानवता को स्वर्ग तक पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि उसे नरक से बचाने के लिए हुआ है' कथन किसका है ?**

उत्तर:- डेग हैमरसोल्ड (दूसरे महासचिव)

2 **IMF का पूरा नाम क्या है**

उत्तर:- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

3 **IMF के कुल कितने सदस्य है?**

उत्तर:- 189 (12 अप्रैल 2016 तक)

4 **IMF में सर्वाधिक मताधिकार किस देश के पास है ?**

उत्तर:- अमेरीका (16.52 प्रतिशत मताधिकार)

5 **G7 के सदस्य देशों के नाम बताइए**

उत्तर:- अमरीका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली और कनाडा

6 **IMF में भारत का कितने प्रतिशत मताधिकार है?**

उत्तर:- 2.64 प्रतिशत

7 **IMFका मुख्य कार्य क्या है?**

उत्तर:- यह संगठन वैश्विक स्तर की वित्त व्यवस्था की देखरेख करता है और मांगे जाने पर वित्तिय व तकनीकी सहायता उपलब्ध कराता है।

8 **संयुक्त राष्ट्र संघ के मूल संस्थापक सदस्य कितने हैं?**

उत्तर:- 51

9 **संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस किस तिथि को मनाया जाता है ?**

उत्तर:- 24 अक्टूबर (क्योंकि इसकी स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को हुई थी।)

10 **भारत संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य है ?**

उत्तर:- मूल सदस्य

11 **संयुक्त राष्ट्र संघ का पूर्वागामी संगठन कौनसा था ?**

उत्तर:- राष्ट्र संघ या लीग ऑफ नेशंस

12 **संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग हैं -**

उत्तर:- छः अंग

13 **सुरक्षा परिषद में कितने स्थायी और अस्थायी सदस्य हैं?**

उत्तर:- 5 स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य

14 **संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में किन देशों के पास विशेषाधिकार की शक्ति (वीटो पावर) है ?**

उत्तर:- अमेरीका, रूस, चीन, ब्रिटेन, और फ्रांस के पास

शेखावाटी मिशन - 100

15 **सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन कितने वर्षों के लिए होता हैं ?**

उत्तर:- 2 वर्ष के लिए

16 **महासचिव की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?**

उत्तर:- सुरक्षा परिषद की सलाह पर महसभा द्वारा

17 **संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य कितने राष्ट्र हैं ?**

उत्तर:- 193 राष्ट्र

18 **संयुक्त राष्ट्र संघ की आमसभा में कोई राष्ट्र अधिकतम कितने प्रतिनिधि भेज सकता है ?**

उत्तर:- 5 प्रतिनिधि

19 **संयुक्त राष्ट्र संघ का अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय कहां स्थित है?**

उत्तर:- हेग (नीदरलैण्ड) में

20 **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में कुल कितने न्यायधीश होते हैं ?**

उत्तर:- 15

21 **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश कितने वर्षों के लिए चुना जाता है ?**

उत्तर:- 9 वर्ष

22 **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश का चुनाव होता है ?**

उत्तर:- आमसभा एवं सुरक्षा परिषद के पूर्ण बहुमत द्वारा

23 **संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख अधिकारी होता है ?**

उत्तर:- महासचिव

24 **संयुक्त राष्ट्र संघ की न्यासिता प्रणाली के अन्तर्गत आने वाला अंतिम ट्रस्ट टेरिटरी जो 1 नवम्बर 1994 को आजाद हो गया -**

उत्तर:- पलाउ

25 **संयुक्त राष्ट्र संघ का वह अंग जिसकी वर्तमान में कोई उपयोगिता नहीं बची है -**

उत्तर:- न्यास परिषद

26 **संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक और सामाजिक परिषद में कुल कितने सदस्य हैं?**

उत्तर:- 54 सदस्य

27 **संयुक्त राष्ट्र संघ का क्या उदेश्य हैं ?**

उत्तर:- अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों को रोकना और राष्ट्रों के बीच सहयोग की राह दिखाना

28 **संयुक्त राष्ट्र संघ के वर्तमान महासचिव कौन हैं?**

उत्तर:- एंटोनियो गुटेरस (पुर्तगाल)

29 **संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम महासचिव थे -**

उत्तर:- ट्राइग्वली (नार्वे)

शेखावाटी मिशन - 100

30 **संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव जिनकी विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई-**

उत्तर:- डेग हैमरसोल्ड

31 **संयुक्त राष्ट्र संघ के वह महासचिव जिन्हें मरणोपरान्त नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया -**

उत्तर:- डेग हैमरसोल्ड

32 **संयुक्त राष्ट्र के वह महासचिव जिन्होंने 'एन एजेडा फॉर पीस' नामक रिपोर्ट जारी की -**

उत्तर:- बुतरस बुतरस घाली

33 **संयुक्त राष्ट्र संघ के सालाना बजट में सर्वाधिक योगदान करने वाला देश है -**

उत्तर:- संयुक्त राज्य अमेरीका (22.0 प्रतिशत)

34 **संयुक्त राष्ट्र संघ के सालाना बजट में भारत का योगदान कितना है?**

उत्तर:- 0.8 प्रतिशत

35 **संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में सर्वाधिक बार वीटो का प्रयोग करने वाला देश है -**

उत्तर:- सोवियत संघ/रूस

36 **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की स्थापना कब की गयी ?**

उत्तर:- वर्ष 2006 में

37 **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में कुल कितने सदस्य हैं?**

उत्तर:- 47

38 **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सदस्य कितने वर्षों के लिए चुने जाते हैं ?**

उत्तर:- 3 वर्ष

39 **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्य संख्या 15 कब की गई ?**

उत्तर:- 1965 में 11 से बढ़ाकर 15 कर दी गई

40 **भारत सुरक्षा परिषद के कौनसे सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी का समर्थक है?**

उत्तर:- स्थायी ओर अस्थायी दोनों तरह की सदस्यों की संख्या में

41 **IAEA का पूरा नाम क्या है तथा इसकी स्थापना कब की गई?**

उत्तर:- अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी स्थापना 1957 में

42 **एमनेस्टी इंटरनेशनल क्या है?**

उत्तर:- एमनेस्टी इटरनेशनल एक स्वयंसेवी संगठन है, यह पूरे विश्व में मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अभियान चलाता है।

43 **हयूमन राइट्स वॉच क्या है?**

उत्तर:- यह मानवाधिकारों की वकालत और उनसे संबंधित अनुसंधान करने वाला एक अतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन है। यह अमेरीका का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है।

44 **अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष क्या है?**

उत्तर:- यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो वैश्विक स्तर की वित्त व्यवस्था की देखरेख करता है और मांगे जाने पर वित्तिय व तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाता है।

शेखावाटी मिशन - 100

45 सुरक्षा परिषद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:- यह संयुक्त राष्ट्र संघ का महत्वपूर्ण अंग हैं। इसमें कुल 15 सदस्य होते हैं 5 स्थायी और 10 अस्थायी। अस्थायी सदस्यों का कार्यकाल 2 वर्ष होता है जिनका चुनाव महासभा करती है।

46 सुरक्षा परिषद के कोई दो कार्य बताइए।

उत्तर:- 1 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति और सुरक्षा बनाये रखना

2 किसी भी बड़ी घटना या विवाद की जांच का आदेश जारी करना

47 विश्व बैंक पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:- विश्व बैंक की औपचारिक स्थापना वर्ष 1944 में की गई थी। विश्व बैंक की गतिविधियां प्रमुख रूप से विकासील देशों से संबंधित हैं। यह बैंक मानवीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास, सिंचाई, ग्रामीण सेवाएं, पर्यावरण सुरक्षा, प्रदूषण में कमी, नियमों का निर्माण और उन्हें लागू करना, आधारभूत ढांचा, सड़क, शहरी विकास, बिजली तथा सुशासन, कदाचार का विरोध, विधिक संस्थाओं का विकास के लिए काम करता है। यह अपने सदस्यों को आसान ऋण और अनुदान देता है।

48 विश्व व्यापार संगठन क्या है?

उत्तर:- विश्व व्यापार संगठन (डब्लु.टी.ओ.) वैश्विक व्यापार के नियमों को तय करता है। यह संगठन जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एण्ड टैरिफ (जी.ए.ए.टी) के उत्तराधिकारी के रूप में काम करता है। इसके सदस्यों की संख्या 164 है। यह संगठन हर फैसला सभी सदस्यों की सहमती से करता है।

49 IAEA पर टिप्पणी लिखिए

उत्तर:- अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (इँटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी) की स्थापना वर्ष 1957 में हुई थी। इसका मुख्यालय वियना (आस्ट्रीया) में है। यह संगठन परमाण्विक ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने और सैन्य उद्देश्यों में इसके इस्तेमाल को रोकने की कोशिश करता है।

50 भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य क्यों बनना चाहता है कोई चार कारण लिखिए।

अथवा

आपके मतानुसार क्या भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने की योग्यता रखता है? अपने उत्तर के पक्ष में कोई चार तर्क दीजिए।

अथवा

भारत के नागरिक के रूप में सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के पक्ष में समर्थन आप कैसे करेंगे? अपने प्रस्ताव का औचित्य सिद्ध करों

उत्तर:- 'भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने की योग्यता रखता है इसके पक्ष में निम्न तर्क हैं –

1 भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला दूसरा देश है। भारत में विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 वां हिस्सा निवास करता है।

2 भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

3 भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी पहलकदमियों में भाग लिया है।

4 संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल करने के प्रयासों में भारत लंबे समय से ठोस भूमिका निभाता आ रहा है।

5 इसके अतिरिक्त भारत अंतर्राष्ट्रीय पटल पर तेजी से अभरती आर्थिक शक्ति है ।

शेखावाटी मिशन - 100

6 भारत ने संयुक्त राष्ट्र के बजट में नियमित रूप से अपना योगदान दिया है एवं कभी भी अपने भुगतान से चुका नहीं है।

51 सुरक्षा परिषद के लिए चार आवश्यक मानदण्ड बताइए जो उसकी सदस्यता के लिए आवश्यक हो।

उत्तरः- सुरक्षा परिषद के सदस्य बनने के निम्न मानदण्ड सुझाए गये हैं-

1 बड़ी आर्थिक और सैन्य ताकत होना।

2 संयुक्त राष्ट्र संघ के बजट में ऐसे देश का योगदान ज्यादा हो।

3 आबादी के लिहाज से बड़ा राष्ट्र हो।

4 ऐसा देश जो लोकतंत्र और मानवाधिकारों का सम्मान करता हो।

52 विश्व शांति में सुरक्षा परिषद की भूमिका स्पष्ट करो।

उत्तरः- 1 सुरक्षा परिषद विचार विमर्श, बातचीत, पूछताछ, मध्यस्थता, जांच-पड़ताल, मेल-मिलाप के माध्यम से शांति और सुरक्षा की स्थापना का प्रयास करती है।

2 यह पंच निर्णय न्यायिक समझौता, क्षेत्रिय व्यवस्थाओं या अन्य शांतिमय उपायों का प्रयोग करती है।

3 प्रवर्तन साधनों का प्रयोग, जिनके अंतर्गत परिषद संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्यों की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने या शांति भंग करने या आक्रमणकारी राज्य के विरूद्ध पूर्ण या आंशिक आर्थिक संबंधी, रेल, समुद्री, वायु, डाक-तार, रेडीयो संचारण के अन्य साधनों और कूटनीतिक संबंधों के विच्छेद के प्रयोग के लिए कर सकती है

4 सुरक्षा परिषद अंतिम उपाय के रूप में वायु, जल और थल सेनाओं द्वारा भी सैनिक कार्यवाही कर सकती है।

53 अंतर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता को समझाईऐ।

उत्तरः- अंतर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता के निम्न कारण हैं-

1 समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान हेतु

2 ये संगठन सहयोग के उपाय जुटाने में सहायक होते हैं

3 ये संगठन नियमों तथा नौकरशाही की रूपरेखा तैयार करते हैं

4 ये शांति और प्रगति के प्रति मानवता की आशा का प्रतीक होते हैं।

54 संयुक्त राष्ट्र को सशक्त बनाने हेतु उठाये गये कदम बताइए।

उत्तरः- संयुक्त राष्ट्र को सशक्त बनाने हेतु निम्न कदम उठाये गये है-

1 एक शांति संस्थापक आयोग का गठन किया गया है।

2 यदि कोई राष्ट्र अपने नागरिकों को अत्याचार से बचाने में असफल हो जाए तो विश्व बिरादरी इसका उत्तरदायित्व ले इस बात की स्वीकृति।

3 मानवाधिकार परिषद की स्थापना।

4 सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की सहमति।

5 हर प्रकार के आंतकवाद की निंदा करना।

6 एक लोकतंत्र कोष का गठन।

शेखावाटी मिशन - 100

55 एक ध्रुविय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की क्या भूमिका है? व्याख्या कीजिए

उत्तरः- एक ध्रुविय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका को निम्न रूप में स्पष्ट किया जा सकता है-

1 संयुक्त राष्ट्र संघ अमरीका और शेष विश्व के बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत कायम कर सकता है।

2 झगड़ों और सामाजिक-आर्थिक विकास के मुद्दे पर 190 से अधिक देशों को एक किया जा सकता है।

3 शेष विश्व संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच के माध्यम से अमरीकी रवैये और नीतियों पर कुछ न कुछ अंकुश लगा सकता है।

4 आज विभिन्न समाजों और मुद्दों के बीच आपसी तार जुड़ते जा रहे हैं। आने वाले दिनों में पारस्परिक निर्भरता बढ़ती जायेगी इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका भी निरंतर बढ़ेगी।

56 संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्य शाखाओं और एजेंसीयों का सुमेल उनके कार्यों के साथ कीजिए।

उत्तरः- 1 आर्थिक एवं सामाजिक परिषद- सदस्य देशों के आर्थिक सामाजिक कल्याण की चिंता

2 अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी-परमाणु प्रौद्योगिकी का शांतिपूर्ण उपयोग व सुरक्षा

3 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष- वैश्विक वित्त व्यवस्था की देखरेख

4 सुरक्षा परिषद-अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण

5 विश्व स्वास्थ्य संगठन-सबके लिए स्वास्थ्य

6 विश्व व्यापार संगठन-सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना।

57 क्या आप इस बात से सहमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र जैसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन पूरे विश्व के लिए अपरिहार्य है? अपने उत्तर के पक्ष में चार कारण स्पष्ट कीजिए

उत्तरः- संयुक्त राष्ट्र संघ एक अपरिहार्य संगठन है जिसे निम्न कारणों से समझा जा सकता है-

1 संयुक्त राष्ट्र संघ ही वो माध्यम है जिसके द्वारा अमेरिका जो कि एक महाशक्ति है और बाकी विश्व के देशों को विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित किया जा सकता है।

2 संयुक्त राष्ट्र संघ ने संघर्ष और आर्थिक विकास से निपटने के लिए देशों को एकसाथ लाने का कार्य किया है।

3 संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरीका के अलावा बाकी देशों की बातचीत करने का मंच प्रदान करता है जहाँ अमरीकी दृष्टिकोण और नीतियों को संशोधित करना संभव है।

4 वैश्वीकरण के इस आधुनिक दुनिया में संयुक्त राष्ट्र संघ में कमियों के बावजूद इसका अस्तित्व आवश्यक है। आज विभिन्न समाजों और मसलों के बीच तार जुड़ते जा रहे हैं। इसे पारस्परिक निर्भरता का नाम दिया गया है। प्रौद्योगिकी यह सिद्ध कर रही है कि आने वाले समय में विश्व में पारस्परिक निर्भरता बढती जाएगी ऐसी स्थिति में संयुक्त राष्ट्र संघ उन तरीकों को खोजने में मददगार होगा जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के हितों के अनुरूप होगा।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 5
समकालीन विश्व में सुरक्षा

1. आतंकवाद सुरक्षा के लिए खतरे की किस श्रेणी में आता है

उत्तर:- अपरम्परागत श्रेणी में ।

2. पारम्परिक सुरक्षा की धारणा के अंतर्गत 'अपरोध' का क्या अभिप्राय है?

उत्तर:- अपरोध से अभिप्राय है युद्ध की आशंका को रोकना ।

3. पारम्परिक सुरक्षा से क्या आशय है?

उत्तर:- पारम्परिक सुरक्षा में यह स्वीकार किया गया है कि हिंसा का प्रयोग जहां तक हो सके कम से कम हो।

4. परम्परागत सुरक्षा और अपरम्परागत सुरक्षा में एक अंतर लिखो

उत्तर:- परम्परागत सुरक्षा का दृष्टिकोण संकुचित है जबकि अपरम्परागत सुरक्षा का दृष्टिकोण व्यापक है ।

5. नि:शस्त्रीकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर:- नि:शस्त्रीकरण का आशय है हथियारों के निर्माण या उनको हासिल करने पर अंकुश लगाना ।

6. केमिकल वीपन्स कन्वेंशन (सी.डब्लु.सी.) संधि पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किये थे ?

उत्तर:- 181 देशों ने

7. सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?

उत्तर:- सुरक्षा का बुनियादी अर्थ है खतरे से आजादी या मुक्ति।

8. सैन्य कार्यवाही से किन्हें खतरा होता है?

उत्तर:- सैन्य कार्यवाही से सैनिकों के साथ ही आम नागरिकों को भी खतरा होता है।

9. क्योटो प्रोटोकॉल क्या है?

उत्तर:- क्योटो प्रोटोकॉल में वैश्विक तापवृद्धि पर नियंत्रण करने के लिए ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये हैं। भारत सहित 160 देशों ने 1997 के इस प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर किये।

10. परम्परागत सुरक्षा के प्रमुख तत्व कौन कौनसे हैं?

उत्तर:- परम्परागत सुरक्षा के प्रमुख तत्व राष्ट्रीय सुरक्षा, शक्ति संतुलन, गठबंधन बनाना और अपरोध है

11. बी.डब्लू.सी बॉयोलॉजिक वीपन्स कंवेंशन 1972 पर कितने देशों ने हस्ताक्षर किये

उत्तर:- 155 देशों ने

12. 1972 की ए.बी.एम. (एंटी बेलैस्टिक मिसाइल) संधि किन महाशक्तियों के मध्य हुई?

उत्तर:- सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरीका।

13. सोवियत संघ और अमेरीका के मध्य अस्त्र नियंत्रण से संबंधित प्रमुख संधियां कौन कौन सी हुई?

उत्तर:- ए.बी.एम. 1972, साल्ट (स्ट्रैटजिक आर्म्स लिमिटेशन ट्रीटी) एवं **START** (स्ट्रेटाजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी)

14. NPT 1968 का पूरा नाम क्या है

उत्तर:- परमाणु अप्रसार संधि (न्युक्लियर नून प्रोलिफेरेशन ट्रीटी)

15. दो राष्ट्रों के मध्य विश्वास बहाली की प्रक्रिया क्या है?

उत्तर:- विश्वास बहाली की प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिद्वन्दी देश किसी गलतफहमी या गफलत में पड़कर जंग के लिए आमदा न हो जाए।

शेखावाटी मिशन - 100

16. **सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा को क्या कहा जाता है?**

उत्तर:- सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा को 'मानवता की सुरक्षा' या 'विश्व रक्षा' कहा जाता है।

17. **मानवता की सुरक्षा का संकीर्ण अर्थ क्या है?**

उत्तर:- व्यक्तियों को हिसंक खतरों यानि खून खराबे से बचाना।

18. **मानवता की रक्षा का व्यापक अर्थ क्या है?**

उत्तर:- मानवता की रक्षा का व्यापक अर्थ है अभाव और भय से मुक्ति।

19. **वैश्विक खतरे से क्या आशय है?**

उत्तर:- ऐसी समस्या जिसका मुकाबला कोई देश अकेला नहीं कर सकता जैसे ग्लोबल वार्मिंग, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, महामारी आदि।

20. **आतंकवाद से क्या आशय है?**

उत्तर:- आतंकवाद का आशय राजनीतिक खून खराबे से है जो जान बूझकर हिंसक तरीकों से निर्दोष नागरिकों को अपना निशाना बनाता है।

21. **आतंकवाद की घटनाओं से प्रभावित प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र कौन-कौनसे है?**

उत्तर:- मध्यपूर्व यूरोप, लातिनी अमेरिका तथा दक्षिण एशिया।

22. **मानवाधिकरों को कितनी कोटियों (श्रेणियों) में रखा गया है ?**

उत्तर:- तीन कोटियों में 1. राजनैतिक अधिकार 2. आर्थिक और सामाजिक अधिकार 3. उपनिवेशिकृत जनता अथवा जातीय और मूलवासी अल्पसंख्यकों के अधिकार ।

23. **1990 के दशक की प्रमुख हिंसक घटनाऐं कौनसी थी?**

उत्तर:- रवांडा में जनसंहार, कुवैत पर इराकी हमला और पूर्वी तिमूर में इंडोनेशियाई सेना का रक्तापात।

24. **दुनिया में सबसे जयादा संघर्ष कहां होते है?**

उत्तर:- अफ्रीका के सहारा मरूथल के दक्षिणवर्ती देशों में ।

25. **1990 के दशक में ब्रिटेन में कौनसी महामारी फैली ?**

उत्तर:- मैड-काऊ महामारी

26. **1994 में रवांडा में कौनसी जनजातियों के मध्य संघर्ष हुआ?**

उत्तर:- तुत्सी जनजाति और हुतु जनजाति।

27. **अस्त्र नियंत्रण का अर्थ क्या है ?**

उत्तर:- अस्त्र नियंत्रण के अंतर्गत हथियारों को विकसित करने और उनको हासिल करने के संबंध में कुछ कायदे कानून का पालन करना पड़ता है।

28. **पारम्परिक ब्राह्य सुरक्षा के कोई दो तत्व लिखिए।**

उत्तर:- 1. शक्ति संतुलन 2. गठबंधन बनाना

29. **मानव सुरक्षा के किंही दो खतरों के बारे में बताईए ।**

उत्तर:- 1. पर्यावरण ह्रास 2. युद्ध

30. **क्योटो प्रोटोकॉल संधि कब हुई ?**

उत्तर:- 1997 में

शेखावाटी मिशन - 100

31. **ग्लोबल वार्मिंग क्या है?**

उत्तर:- वैश्विक तापमान में लगातार वृद्धी ग्लोबल वार्मिंग है ।

32. **सुरक्षा की अवधारणा कितने प्रकार की है ?**

उत्तर:- दो प्रकार 1. पारपंरिक सुरक्षा 2. अपारपंरिक सुरक्षा

33. **'आंतरिक रूप से विस्थापित जन' से क्या अभिप्राय है ?**

उत्तर:- जो लोग राजनीतिक उत्पीड़न, जातिय हिंसा आदि किसी कारण से अपना घर-बार छोड़कर अपने ही राष्ट्र की सीमा के भीतर रह रहे हो उन्हें 'आंतरिक रूप से विस्थापित जन' कहा जाता है। जैसे - 1990 के दशक की शुरूआत में हिंसा के कारण कश्मीर घाटी छोड़ने वाले आंतरिक रूप से विस्थापित जन के उदाहरण हैं।

34. **पारम्परिक सुरक्षा से क्या आशय है?**

उत्तर:- पारम्परिक सुरक्षा में ये स्वीकार किया गया है कि हिंसा का प्रयोग जहां तक हो सके कम से कम होना चाहिया। युद्ध के लक्ष्य और साधन दोनों का इससे संबंध है। यह न्याय युद्ध की परम्परा का विस्तार, नि:शस्त्रीकरण, अस्त्र नियंत्रण और विश्वास बहाली के उपयों पर आधारित है।

35. **आपकी दृष्टि में बुनियादी तौर पर किसी सरकार के पास युद्ध की स्थिति में कौनसे विकल्प हो सकते हैं?**

उत्तर:- बुनियादी तौर पर तीन विकल्प हो सकते हैं -

1. आत्मसमर्पण करना तथा दूसरे पक्ष की बात को बिना युद्ध किये मान लेना।

2. युद्ध से होने वाले नाश की इस हद तक बढ़ाने के संकेत देना कि दूसरा पक्ष सहम कर हमला करने से रूक जाये।

3. अपनी रक्षा करना अर्थात् हमलावर को पराजित कर देना।

36. **आपकी दृष्टि में मानवता की सुरक्षा के व्यापक अर्थ में कौन कौनसी सुरक्षा को शामिल करेंगे ?**

उत्तर:- मानवतावादी सुरक्षा के व्यापकतम अर्थ में हम युद्ध, आतंकवाद, अकाल, महामारी, प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा के साथ-साथ अभाव और भय से मुक्ति को भी शामिल करेंगें।

37. **भारत की सुरक्षा नीति के घटक बताओ।**

उत्तर:- 1. सैन्य क्षमता को मजबूत करना।

2. अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना।

38. **शक्ति संतुलन को कैसे बनाया जा सकता है? दो उपाय लिखो।**

उत्तर:- 1. फूट डालो और राज करो की नीति अपनाकर ।

2. शस्त्रीकरण और नि:शस्त्रीकरण द्वारा।

39. **सुरक्षा की पारंपरिक धारणा में विश्वास बहाली के दो उपायों को स्पष्ट करे।**

उत्तर:- 1. विश्वास बहाली के उपाय से दोनों देशों के बीच हिंसा को कम किया जा सकता है।

2. विश्वास बहाली से दोनों देशों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

40. **आपकी दृष्टि में सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा क्या है ?**

उत्तर:- सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा में न केवल सैन्य खतरों को बल्कि इसमें मानवीय अस्तित्व पर चोट करने वाले अन्य व्यापक खतरों और आशंकाओं को भी शामिल किया गया है।

शेखावाटी मिशन - 100

41. **एशिया और अफ्रीका के नव-स्वतंत्र देशों के सामने खड़ी सुरक्षा की चुनौतियां यूरोपीय देशों के मुकाबले किन दो मायनों में विशिष्ट थी?**

उत्तरः- 1. इन देशों को अपने पड़ोसी देशों से सैन्य हमलों की आशंका थी।

2. इन्हें अन्दुरूनी सैन्य संघर्ष की भी चिंता थी।

42. **परंपरागत सुरक्षा के किन्ही दो तत्वों का उल्लेख कीजिए।**

उत्तरः- 1. शक्ति संतुलन- प्रत्येक देश दूसरे देशों से अपने संतुलन को लेकर अधिक संवेदनशील रहता है।

2. गठबंधनः- इसमें विभिन्न देश सैनिक हमले को रोकने अथवा उससे रक्षा करने के लिए मिलजुल कर कदम उठाते हैं।

43. **परंपरागत और अपारंपरिक सुरक्षा में क्या अंतर है। गठबंधनों का निर्माण करना और उनको बनाये रखना इनमें से किस कोटि में आता है?**

उत्तरः- सुरक्षा की परंपरागत धारणा में सिर्फ निश्चित भूखंड तथा उसमें रहने वाले लोगों की जान-माल की रक्षा करना तथा सैन्य हमलों को रोकना है जबकि अपरंपरागत धारणा में समस्त प्राणीयों और सम्पती की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण तथा मानवाधिकारों की सुरक्षा भी शामिल है। गठबंधन का निर्माण करना सुरक्षा की परंपरागत धारणा से संबंधित है।

44. **शरणार्थी और आप्रवासी में क्या अन्तर है?**

उत्तरः- जो युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबूर होते हैं, उन्हें शरणार्थी कहते है तथा जो लोग अपनी मर्जी से स्वदेश छोड़ते हैं, उन्हें आप्रवासी कहते हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 6
पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

1. प्रथम पृथ्वी सम्मेलन कब हुआ?

उत्तरः- 1992 में

2. प्रथम पृथ्वी सम्मेलन कहाँ हुआ था?

उत्तरः- ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में

3. प्रथम पृथ्वी सम्मेलन 1992 में कितने देशों ने भाग लिया?

उत्तरः- 170 देशों ने

4. अंर्टाकटिका संधि कब हुई थी?

उत्तरः- 1959 में

5. क्योटो प्रोटोकॉल कब व किस देश में हुआ?

उत्तरः- 1997 में जापान में

6. क्योटो प्रोटोकॉल पर भारत ने हस्ताक्षर कब किये?

उत्तरः- 2002 में

7. वायुमण्डल मे जिस गैस की मात्रा में लगातार कमी हो रही है वह है-

उत्तरः- ओजोन गैस

8. स्थलीय हिम का 90 प्रतिशत हिस्सा और धरती पर मौजूद स्वच्छ जल का 90 प्रतिशत हिस्सा कहाँ मौजूद है?

उत्तरः- अंटार्कटिका में

9. 1992 में संयुक्त राष्ट्र संघ का पर्यावरण और विकास सम्मेलन कहाँ हुआ था?

उत्तरः- ब्राजील में

10. 'लिमिट्स टू ग्रोथ' नामक पुस्तक किसने प्रकाशित की?

उत्तरः- क्लब ऑफ रोम समूह ने

11. आर्थिक विकास के पर्यावरणीय नुकसान की चिंता ने किस दशक में जोर पकड़ा?

उत्तरः- 1960 के दशक में

12. 'लिमिट्स टु ग्रोथ' नामक पुस्तक कब प्रकाशित हुई?

उत्तरः- 1972 में

13. UNEP की फुल फार्म क्या है?

उत्तरः- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

14. भारत में क्योटो प्रोटोकॉल-1997 का अनुमोदन किया-

उत्तरः- 2002 में

15. स्टॉक हॉम सम्मेलन कब हुआ?

उत्तरः- 1972 में

शेखावाटी मिशन - 100

16. **साझी सम्पदा किसे कहते हैं?**

उत्तरः- जिस सम्पदा पर पूरे विश्व समुदाय का अधिकार है।

17. **साझी सम्पदा के उदाहरण दीजिए-**

उत्तरः- वायुमण्डल, अंटार्कटिका, समुद्र और अंतरीक्ष।

18. **विश्व के निर्जन क्षेत्र का कितने प्रतिशत हिस्सा अंटार्कटिका महाद्वीप के अंतर्गत आता है?**

उत्तरः- 26 प्रतिशत

19. **पर्यावरण संरक्षण के कोई दो उपाय बताईए?**

उत्तरः- 1. निरन्तर बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण।

2. वनों की कटाई पर कठोर प्रतिबंध लगाना।

20. **ग्लोबल वार्मिंग के लिए उत्तरदायी माना जाता है?**

उत्तरः- ग्रीन हाउस गैसों को।

21. **बाली सम्मेलन का आयोजन कब व कहाँ हुआ?**

उत्तरः- 2007, इण्डोनेशिया के बाली शहर में

22. **ग्लोबल वार्मिंग क्या है?**

उत्तरः- पृथ्वी के तापमान में निरन्तर हो रही वृद्धि।

23. **विश्व राजनीति में पर्यावरण चिंता के कोई दो कारण लिखो।**

उत्तरः- 1. वायुमण्डल की ओजोन परत में छेद।

2. वैश्विक तापमान में हो रही वृद्धि।

24. **ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव क्या है?**

उत्तरः- तापमान वृद्धि से ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिससे समुद्री जल का स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों पर जलमग्न होने का खतरा मंडरा रहा है।

25. **2009 में पृथ्वी सम्मेलन किस शहर में हुआ?**

उत्तरः- कॉपन हेगन में

26. **प्राकृतिक संसाधन से क्या आशय है?**

उत्तरः- प्रकृति प्रदत्त वे वस्तुएँ जो मानव जीवन के लिए उपयोगी व आवश्यक होती है।

27. **सतत् विकास का अर्थ है-**

उत्तरः- निरन्तर जारी रहने वाला विकास

28. **प्रवासन से क्या तात्पर्य है?**

उत्तरः- किसी क्षेत्र के मूल निवासियों द्वारा अपने मूलस्थान को छोड़कर अन्यत्र बसने से।

29. **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल कब लागु हुआ?**

उत्तरः- 1987 में

30. **अराल के आस-पास हजारों लोगों को अपना घर क्यों छोड़ना पड़ा?**

उत्तरः- 1. अराल के आस-पास पानी विषाक्त हो गया जिसने वहाँ का मत्स्य उद्योग नष्ट हो गया।

2. पानी में नमक की सांद्रता के ज्यादा बढ़ने से पेदावार कम हो गई।

शेखावाटी मिशन - 100

32. रियो सम्मेलन में किन के संबंध में नियमाचार निर्धारित हुए।

उत्तर:- जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता और वानिकी।

33. भारत में मूलनिवासी के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर:- अनुसुचित जनजाति या आदिवासी

34. 'वैश्विक संपदा' की सुरक्षा के सवाल पर होने वाले प्रमुख समझौते -

उत्तर:- 1. अटांर्कटिका संधि. 1959 2. मांट्रियल न्यायाचार (प्रोटोकॉल 1987)

3. अटांर्कटिका पर्यावरण न्यायाचार 1991

35. क्योटो प्रोटोकॉल की बाध्यताओं में किन देशों को छूट प्रदान की गई है?

उत्तर:- भारत, चीन और अन्य विकाशील देशों को।

36. विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश कौनसा है?

उत्तर:- सऊदी अरब

37. रियो सम्मेलन के क्या परिणाम हुए? कोई दो बताइए।

उत्तर:- 1. सम्मेलन में यह निश्चत किया गया कि पर्यावरण के संरक्षण की समस्या बड़ी गम्भीर और विश्व्यापी है तथा इसका निदान तुरन्त करना आवश्यक है।

2. इसमें यह दृष्टिकोण स्वीकार किया गया कि पर्यावरण को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी सभी देशों की सांझी है।

38. 'साझी सम्पदा' से क्या अभिप्राय है? आप इस में किन क्षेत्रों को सम्मिलित करेंगे?

उत्तर:- कुछ क्षेत्र एक देश के क्षेत्राधिकार से बाहर होते है जैसे - पृथ्वी का वायुमण्डल, अंटार्कटिका, समुद्री सतह तथा बाहरी अंतरिक्ष इत्यादि। इस का प्रबंधन अन्तर्राष्ट्रीय समुद्राय द्वारा साझे तौर पर किया जाता है। इन्हीं को विश्व की साझी विरासत या 'साझी संपदा' कहा जाता है।

39. ओजोन परत में छेद होने से पारिस्थितिकी तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर:- धरती के ऊपरी वायुमण्डल में ओजोन गैस की मात्रा में लगातार कमी हो रही है। इसे ओजोन परत में छेद होना कहते हैं। इस से पारिस्थितिक तंत्र और मनुष्य के स्वास्थ्य पर एक वास्तविक खतरा मंडरा रहा है। इसके कारण विश्व तापमान में वृद्धि हो रही है और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं।

40. पर्यावरण आंदोलन को परिभाषित कीजिए?

उत्तर:- पर्यावरण की हानि की चुनौतियों के मद्देनजर विश्व में विभिन्न भागों में पर्यावरण के प्रति सचेत कार्यकर्त्ताओं की सक्रियता ने तथा सामाजिक चेतना के दायरे में ही राजनीतिक कार्यवाही की नई सोच ने एक आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी को पर्यावरण आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

41. 'सांझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारी' के नियमाचार को स्वीकार करने वाले देश किन दो बातों से सहमत थे?

उत्तर:- 1. ऐतिहासिक रूप से या और मौजूदा समय में भी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में सब से ज्यादा हिस्सा विकसित देशों का है।

2. विकासशील देशों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है।

42. विश्व की साझी विरासत की सुरक्षा के कोई दो उपाय बताइए।

उत्तर:- **1. सीमित प्रयोग** - विश्व की साझी विरासतों का सीमित प्रयोग किया जाना चाहिए।

2. जागरूकता पैदा करना- विश्व की साझी विरासतों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करनी चाहिए।

शेखावाटी मिशन - 100

43. सांझी परन्तु अलग-अलग जिम्मेदारियों के सन्दर्भ में रियो घोषणा में क्या-क्या कहा गया है?

उत्तर:- धरती के पारिस्थितिकी तंत्र की अखण्डता और गुणवत्ता बहाली सुरक्षा तथा संरक्षण के लिए विभिन्न देश विश्व बंधुत्व की भावना से आपस में सहयोग करेंगे। पर्यावरण के विश्वव्यापी अपक्षय में विभिन्न राज्यों का योगदान अलग-अलग है। इसे देखते हुए विभिन्न राज्यों की सांझी परन्तु अलग-अलग जिम्मेदारीयां होगी। विकसित देशों के समाजों का वैश्विक पर्यावरण पर दबाव ज्यादा है और इन देशों के पास विपुल प्रौद्योगिकी एवं वितिय संसाधन है। इसे देखते हुए टिकाऊ विकास के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास में विकसित देश अपनी खास जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।

44. वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता के प्रमुख कारण -

1. विश्व की कृषि योग्य भूमि में उर्वरता की कमी होना, चारागाहों का खत्म होना, मत्स्य भंडारों का कम होना तथा जलाशयों में प्रदुषण बढ़ने से खाद्य उत्पादन में कमी आना।

2. प्रदुषित पेयजल से 30 लाख से भी अधिक बच्चे प्रतिवर्ष मौत के शिकार हो रहे हैं।

3. वनों की अधांधुंध कटाई से जैव विविधता में कमी आ रही है।

4. वायुमण्डल में ओजोन गैस की परत में छेद होने से पारिस्थितिकीय तंत्र और मानव स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।

45. पर्यावरण के सन्दर्भ में हम मूलवासीयों के अधिकारों की रक्षा किस प्रकार कर सकते हैं?

उत्तर:- 1. मूलवासियों के प्राकृतिक आवास अर्थात वन क्षेत्र को कुल भूमि क्षैत्र का 33.3 प्रतिशत बढ़ा दिया जाना चाहिए।

2. आदिवासियों को उनकी परम्परा में परिवर्तन किये बिना मूल रूप से राजनीतिक संरक्षण दिया जाए।

3. आदिवासियों को संगठित करके विश्व स्तर पर एक संघ बनाय जाये।

4. मूलवासियों को शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन देकर मुख्यधारा से जुड़ने की उनमें स्वत: इच्छा जागृत करना।

शेखावाटी मिशन - 100

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 1
राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

1. पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस कब मनाया जाता है ?

उत्तरः- 14 अगस्त

2. स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे?

उत्तरः- प. जवाहर लाल नेहरू

3. 14 व 15 अगस्त की मध्यरात्रि को प्रधानमंत्री नेहरू ने संविधान सभा के विशेष सत्र में एक भाषण दिया उसे किस नाम से जाना जाता है ?

उत्तरः- भाग्य वधु से चिर प्रतीक्षित भेंट या ट्रिस्ट विद डेस्टिनी

4. हिंसा व विस्थापन की त्रासदी का वर्ष किसे कहा जाता है ?

उत्तरः- 1947 को

5. 15 अगस्त 1947 को नेहरू जी ने भारत की जनता को किस स्थान से संबोधित किया-

उत्तरः- लाल किला नई दिल्ली

6. भारत गणतंत्र कब बना?

उत्तरः- 26 जनवरी 1950 को

7. स्वतंत्र भारत के समक्ष दो प्रमुख चुनौतियां कौनसी थी?

उत्तरः- 1. लोकतंत्र की स्थापना करना ।

2. समाज में गरीब व वंचित तबके का विकास करना।

8. कायदे आजम या पाकिस्तान का राष्ट्रपिता किसे कहा जाता है?

उत्तरः- मोहम्मद अली जिन्ना को

9. 1947 की त्रासदी को अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत करने वाले दो प्रमुख रचनाकारों के नाम लिखो

उत्तरः- 1 फैज मौहम्मद फैज 2. अमृता प्रीतम

10. भारत विभाजन का आधार क्या था?

उत्तरः- धर्म

11. भारत का अंतिम ब्रिटिश गर्वनर जनरल कौन था?

उत्तरः- लार्ड माउण्ट बेटन

12. स्वतंत्र भारत का प्रथम भारतीय गर्वनर जनरल कौन था ?

उत्तरः- सी राजगोपालाचारी

13. द्वि राष्ट्रवाद का नारा किसने दिया ?

उत्तरः- मोहम्मद अली जिन्ना व मुस्लिम लीग ने

14. भारत विभाजन की योजना किस नाम से जानी जाती है?

उत्तरः- माउण्टबेटन योजना

शेखावाटी मिशन - 100

15. **मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई ?**

उत्तरः- 1906 में

16. **1951 में भारतीय आबादी का कुल कितना प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या थी?**

उत्तरः- 12 प्रतिशत

17. **विभाजन पर बनी किंही दो फिल्मों के नाम बताए।**

उत्तरः- गर्म हवा और पिंजर

18. **विभाजन से सबसे अधिक प्रभावित दो राज्यों का नाम लिखिए ।**

उत्तरः- पंजाब और प. बंगाल

19. **साम्प्रदायिक हिंसा के विरोध में महात्मा गांधी ने प्रथम बार उपवास कब व कहाँ रखा ?**

उत्तरः- जनवरी 1948 को कोलकता में

20. **महात्मा गांधी की हत्या कब व किसने की ?**

उत्तरः- 30 जनवरी 1948 को नाथुराम गोडसे ने

21. **स्वतंत्रता के समय भारत में कितनी देसी रियासते थी?**

उत्तरः- 565

22. **अंग्रेजों की भारत के प्रति क्या नीति थी ?**

उत्तरः- फुट डालो और राज करो

23. **सबसे पहले किस राज्य के राजा ने अपने राज्य को स्वतंत्र रखने की घोषणा की ?**

उत्तरः- त्रावण कौर के राजा ने

24. **संविधान सभा में शामिल होने से किस रियासत के नवाब ने मना किया?**

उत्तरः- भोपाल के नवाब ने

25. **देशी रियासतों के एकीकरण के लिए किसने विशेष प्रयास किए ?**

उत्तरः- सरदार वल्लभ भाई पटेल (लौह पुरूष) ने

26. **रजवाड़ों के शासक भारतीय संघ में शामिल होने के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते थे उसे क्या कहा जाता था ?**

उत्तरः- इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसन

27. **ऐसी चार रियासतों के नाम लिखो जिनका एकीकरण भारतीय संघ में कठिनाईयों से हुआ ।**

उत्तरः- 1. जुनागढ़ 2. हैदराबाद 3. मणिपुर 4. जम्मू कश्मीर

28. **हैदराबाद के निजाम के खिलाफ किस स्थान के किसानों ने आंदोलन किया ?**

उत्तरः- तेलगांना के किसानों ने

29. **हैदराबाद रियासत के शासक को क्या कहा जाता था?**

उत्तरः- निजाम

30. **हैदराबाद का निजाम आंदोलनकारी किसानों के खिलाफ अर्द्ध सैनिक बलों का प्रयोग करता था, उसे किस नाम से जाना जाता था ?**

उत्तरः- रजाकार

शेखावाटी मिशन - 100

31. **हैदराबाद का विलय भारत में किस प्रकार किया गया ?**

उत्तर:- सैनिक हस्तक्षेप से

32. **मणिपुर के किस शासक ने सहमती पत्र पर हस्ताक्षर किये ?**

उत्तर:- महाराजा बौधचंद्र सिंह ने

33. **भारत का वह कौनसा प्रांत है जहां सर्वप्रथम सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का सिद्धांत अपनाया गया।**

उत्तर:- मणिपुर

34. **कांग्रेस ने किस अधिवेशन में भाषा के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन की बात की ?**

उत्तर:- 1920 के नागपुर अधिवेशन में।

35. **भाषा के आधार पर किस प्रांत में सर्वप्रथम विरोध प्रदर्शन हुए।**

उत्तर:- मद्रास प्रांत में

36. **आन्ध्र प्रदेश में अलग राज्य की मांग करते हुए किस नेता की मृत्यु हुई ?**

उत्तर:- पोट्टी श्री रामुलु

37. **भाषा के आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का निर्माण हुआ?**

उत्तर:- आन्ध्र प्रदेश का

38. **आन्ध्र प्रदेश के निमार्ण के लिए प्रधानमंत्री ने घोषणा कब की ?**

उत्तर:- दिसम्बर 1952

39. **राज्य पुनर्गठन आयोग कब बनाया ?**

उत्तर:- 1953 में

40 **भारत में वर्तमान में कितने राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश हैं ?**

उत्तर:- 28 राज्य व 8 केन्द्र शासित प्रदेश

41. **2 जून 2014 को आन्ध्रप्रदेश से कौनसा राज्य बनाया गया ?**

उत्तर:- तेलगांना (भारत का सबसे नवीनतम राज्य)

42. **वर्ष 2000 में कौनसे तीन राज्य बने?**

उत्तर:- छतीसगढ़, उत्तराखण्ड, झारखण्ड (इन राज्यों का निर्माण क्रमश: मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों से किया गया था)

43. **मिजोरम, अरूणाचलप्रदेश कब राज्य बने ?**

उत्तर:- 1987 में

44. **1972 में असम से कौन कौन से राज्य बनाए गए?**

उत्तर:- मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा

45. **नागालैण्ड राज्य कब बना ?**

उत्तर:- 1963

46. **1966 में पंजाब से कौन-कौन से राज्य बनाए गए?**

उत्तर:- पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश

शेखावाटी मिशन - 100

47. राज्य पुनर्गठन आयोग ने 1956 में कितने राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश बनाए गए ?

उत्तर:- 14 राज्य और 6 केन्द्र शासित प्रदेश

48. स्वतंत्रता के बाद राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों को समझाते हुए राज्यों का पुर्नगठन समझाऐं एवं सिफारिशों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए ?

उत्तर:- **राज्य पुनर्गठन आयोग**-भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांगजोर पकड़ने पर केन्द्र सरकार ने 1953 में राज्य पुर्नगठन आयोग का गठन किया।

राज्य पुर्नगठन आयोग की सिफारिश-राज्य पुनर्गठन आयोग ने यह सिफारिश की कि राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहां बोली जानी वाली भाषा के आधार पर होना चाहिए। इस आयोग की सिफारिश के आधार पर 1956 में राज्य पुर्नगठन अधिनियम पास हुआ जिसके आधार पर 14 राज्य व 6 केन्द्र शासित प्रदेश बनाए गए।

सिफारिशों का आलोचनात्मक विश्लेषण-

1. एक लोकतांत्रिक कदम- भाषा के आधार पर नये राज्यों का गठन करना एक लोकतांत्रिक कदम के रूप में देखा गया।

2. सीमांकन का समरूप आधार- भाषा के आधार पर राज्यों के गठन से राज्यों को एक समरूप आधार मिला।

3. एकता को बल- भाषा के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन से देश की एकता और ज्यादा मजबूत हुई।

4. विभिन्नता के सिद्धांत को स्वीकृति- भाषावार राज्यों के पुर्नगठन से विभिन्नता के सिद्धांत को स्वीकृति मिली।

49. स्वतंत्र भारत के समक्ष कौनसी चुनौतियाँ थी? व्याख्या करें।

उत्तर:- स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष मुख्य रूप से निम्नलिखित तीन चुनौतियां थी-

1. राष्ट्र निमार्ण की चुनौती-स्वतंत्रता के तुरंत बाद राष्ट्र निर्माण की चुनौती प्रमुख चुनौती थी। यहां विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों, भाषा और संस्कृति को मानने वाले लोग रहते थे। इसमें एकता कायम करना एक चुनौती थी। क्योंकि प्रत्येक क्षेत्र और उपक्षेत्र की पहचान को बनाये रखते हुए देश की एकता और अखण्डता को कायम रखना था। दूसरे देशी राज्यों को भारतीय संघ में विलय के लिए राजी करना एक गंभीर संकट था।

2. लोकतंत्र को बनाये रखना-देश के सामने दूसरी प्रमुख समस्या देश में लोकतंत्र को कायम करने की थी। स्वतंत्रता के बाद भारत ने संसदीय प्रतिनिधि प्रणाली को अपनाया। लेकिन भारतीय जनता जहां अशिक्षित वर्ग बड़ा था वहां लोकतांत्रिक व्यवहार जो संविधान पर आधारित हो बनाए रखना एक गंम्भीर चुनौती थी। एक ऐसे समाज का निर्माण करना जिसमें सबसे पिछड़े वर्ग के व्यक्ति तक न्याय मिले यह भी एक चुनौती थी।

3. आर्थिक विकास हेतु रूपरेखा तैयार करना- स्वतंत्रता के समय भारत के सामने आने वाली तीसरी प्रमुख समस्या थी भारत के आर्थिक विकास के लिए भविष्य की एक रूप रेखा तैयार करना। अत: देश के सामने संविधान में दिये गये नीति निर्देशक तत्वों के अनुसार गरीबी को खत्म करने के लिए योजना बनानी थी।

50. स्वतंत्रता के बाद भारत के एकीकरण को समझाईये।

उत्तर:- स्वतंत्रता के बाद भारत के समक्ष एकीकरण मुख्य समस्या थी। जिसे निम्नलिखित प्रकार से समझा जा सकता है-

1. विभाजन-विस्थापन और पुर्नवास- स्वतंत्रता के बाद दोनें तरफ के अल्पसंख्यकों को अपने अपने घरों को छोड़कर स्थानान्तरण के लिए मजबूर होना पड़ा। यह स्थानान्तरण बहुत दुखद था। इन सभी लोगों के रहने व जीविका व्यापन की व्यवस्था करना भारतीय सरकार के लिए एक चुनौतिपूर्ण कार्य था। संविधान में सभी लोगों के लिए एक धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करके इस चुनौती से निपटने का प्रयास किया गया।

2. रजवाड़ों का विलय- स्वतंत्रता के समय भारत में लगभग 565 देशी रियासतें थी। जिनमें से बहुत सी

शेखावाटी मिशन - 100

रियासते या तो अपने आप को स्वतंत्र रखना चाहती थी या पाकिस्तान में मिलने की इच्छा रखती थी। लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल की सुझबूझ से 15 अगस्त 1947 से पहले लगभग सभी रियासते जिनकी सीमा भारत से लगती थी उनका विलय भारत में हो चुका था। हैदराबाद, जुनागढ़, कश्मीर व मणिपुर की रियासतों के विलय के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल को विशेष प्रयास करने पड़े।

3. राज्यों का पुनर्गठन– स्वंतत्रता के बाद भारत के बहुत से राज्यों में भाषा के आधार पर राज्यों की सीमाओं के निर्धारण की मांग उठने लगी। इसके समाधान के लिए 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया। 1956 में इसकी सिफारिशों के आधार पर 14 राज्य व 6 केन्द्रशासित प्रदेश बनाए गए। इससे देश में एकता और लोकंतात्रिक प्रणाली में विश्वास दृढ़ हुआ। इस प्रकार भारत का एकीकरण हुआ।

51. भारत विभाजन में आने वाली कठिनाइयों की विवेचना कीजिए।

उत्तरः– भारत विभाजन में आने वाली प्रमुख कठिनाईया निम्नलिखित थी –

1. मुस्लिम बहुल इलाकों का निर्धारण करना–स्वतंत्रता के समय में दो क्षेत्र एक पूर्व में और दूसरा पश्चिम में थे, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा थी। लेकिन ऐसा कोई तरीका नहीं था जिससे पूर्वी और पश्चिमी मुस्लिम बाहुल्य संख्या वाले क्षेत्र को जोड़कर एक किया जा सके।

2. प्रत्येक मुस्लिम बहुल क्षेत्र का पाकिस्तान में जाने के लिए राजी न होना–मुस्लिम बहुल हर क्षेत्र पाकिस्तान में मिलना चाहता हो ऐसा भी नहीं था। विशेष रूप से पश्चिम सीमा प्रान्त जिसके नेता खान अब्दुल गफ्फार खां थे जो द्विराष्ट्र सिद्धांत के खिलाफ थे।

3. पंजाब और बंगाल के बंटवारे की समस्या– तीसरी कठिनाई यह थी कि बंगाल और पंजाब में अनेक हिस्सों में गैर मुस्लिम आबादी भी थी। इन प्रान्तों का बंटवारा किस आधार पर किया जाए यह भी एक समस्या थी।

4. अल्पसंख्यकों की समस्या–सीमा के दोनों तरफ अल्पसंख्यक थे। ये लोग परेशानियों से गुजर रहे थे। जैसे ही देश का विभाजन हुआ वैसे ही दोनों तरफ के अल्पसंख्यकों पर हमले प्रारम्भ हो गये। आबादी अनियोजित रूप से स्थानान्तरित हुई। बहुत से लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा। इस प्रकार विभाजन में सिर्फ संपदा, देनदारी और संपतियों का ही बंटवारा नहीं हुआ बल्कि दोनों समुदाय हिंसा का शिकार भी हुए।

52. भारत के एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान पर प्रकाश डालिए।

उत्तरः– **देशी राज्यों के विलय की समस्या और सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान** – स्वतंत्रता से तुरंत पहले ब्रिटिश शासन ने घोषणा कि की भारत पर ब्रिटिश प्रभुत्व की समाप्ति के साथ ही देशी राज्य स्वतंत्र हो जाएंगे। ये देशी राज्य अपनी मर्जी से चाहे तो भारत या पाकिस्तान में मिल जाए या अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखें। यह फैसला लेने का अधिकार राजाओं को दिया गया। यह एक गंभीर समस्या थी और इससे अखण्ड भारत के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था। जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी सूझबूझ से हल किया। स्वतंत्रता के समय भारत में 565 देशी रियासतें थी। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इस समस्या का निम्न लिखित तीन चरणों में समाधान किया–

1. एकीकरण का दौर– प्रथम चरण स्वतंत्रता के समय तक अधिकांश भारतीय राजाओं ने भारतीय संघ में स्वेच्छा से अपने विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिये जिसे इंस्टट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन कहा जाता है। इस पर हस्ताक्षर का अर्थ है राज्य भारत का अंग बनने के लिए सहमत है ।

2. अधिमिलन–मणिपुर – जुनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतों ने स्वेच्छा से भारत में शामिल होना स्वीकार नहीं किया था, परन्तु सरदार पटेल ने इन्हें अपनी सूझबूझ व रणनीतिक कौशल से भारत में मिलाया। हैदराबाद को सैन्य कार्यवाही से भारत में मिलाया। कश्मिीर के राजा हरिसिंह के समय पाक ने आक्रमण कर दिया जिसे भारत ने सैनिक सहायता दी और राजा ने भारत के विलय पत्र पर हस्ताक्षर किये।

शेखावाटी मिशन – 100

अध्याय - 2
एक दल के प्रभुत्व का दौर

1. 1952 के आम चुनाव में कुल कितने प्रतिशत मतदाता साक्षर थे?

उत्तरः- 15 प्रतिशत

2. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक कौन थे?

उत्तरः- आचार्य नरेंद्र देव

3. भारत में दलितों का मसीहा किसे माना जाता है ?

उत्तरः- बी. आर. अम्बेडकर

4. भारत का संविधान कब बनकर तैयार हुआ ?

उत्तरः- 26 नवम्बर 1949 को

5. स्वतंत्र पार्टी का गठन किसने किया?

उत्तरः- सी. राजगोपालाचारी ने

6. भारतीय जनसंघ के संस्थापाक कौन थे ?

उत्तरः- श्यामा प्रसाद मुखर्जी

7. भारत के संविधान पर हस्ताक्षर कब हुए ?

उत्तरः- 24 जनवरी 1950 को

8. भारत के पहले चुनाव आयुक्त कौन थे ?

उत्तरः- सुकुमार सेन (वर्तमान चुनाव आयुक्त - सुनील अरोड़ा)

9. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे ?

उत्तरः- अबुल कलाम आजाद (वर्तमान शिक्षामंत्री - धर्मेन्द्र प्रधान)

10. स्वतंत्र भारत का पहला आम चुनाव कब हुआ ?

उत्तरः- 1952 में

11. स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रीमंडल में स्वास्थ्य मंत्री थे ?

उत्तरः- राजकुमारी अमृतकौर

12. 1959 में कांग्रेस सरकार ने किस अनुच्छेद के अंतर्गत केरल की कम्यूनिस्ट सरकार को बर्खास्त कर दिया था?

उत्तरः- अनु. 356

13. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन कब हुआ था ?

उत्तरः- 1934 में

14. इडिपेडेंट लेबर पार्टी के संस्थापक कौन थे ?

उत्तरः- भीमराव अम्बेडकर

15. स्वतंत्र भारत के पहले संचार मंत्री कौन थे ?

उत्तरः- रफी अहमद किदवई

शेखावाटी मिशन - 100

16. **समग्र मानवतावाद सिद्धांत के प्रणेता का नाम लिखिए**

उत्तर:- दीनदयाल उपाध्याय

17. **भारत में एक दलीय प्रभुत्व के दौर में सबसे अधिक प्रभावशाली दल कौनसा था ?**

उत्तर:- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

18. **1977 के आम चुनाव में किस पार्टी को सता मिली ?**

उत्तर:- जनता पार्टी को

19. **प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस को कितनी सीट प्राप्त हुई ?**

उत्तर:- कुल 489 सीट में से 364 सीट

20. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई ?**

उत्तर:- 1885 में बम्बई में

21. **भारत में समाजवादी दल का गठन कब हुआ ?**

उत्तर:- 1934 में

22. **भारत रत्न से सम्मानित प्रथम भारतीय कौन थे ?**

उत्तर:- सी राजगोपालचारी

23. **भारतीय जनसंघ की स्थापना कब हुई ?**

उत्तर:- 1951

24. **भारत निर्वाचन आयोग का गठन कब हुआ ?**

उत्तर:- सन् 1950 में

25. **भारत का संविधान कब लागू हुआ ?**

उत्तर:- 26 जनवरी 1950 को

26. **भारत में तीसरे आम चुनाव कब हुए।**

उत्तर:- 1967 में

27. **संविधान में प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?**

उत्तर:- बी आर अम्बेडकर

28. **1957 में केरल में किस पार्टी की सरकार बनी?**

उत्तर:- कम्यूनिस्ट पार्टी की (यह पहला अवसर था जब किसी राज्य में गैर कांग्रेसी सरकार बनी)

29. **प्रथम आम चुनाव में कितने राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय दल थे ?**

उत्तर:- 14 राष्ट्रीय व 52 राज्य स्तरीय दल

30. **भारत ने किस चुनाव प्रणाली को अपनाया ?**

उत्तर:- सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार

31. **जनसंघ ने किस विचार पर बल दिया ?**

उत्तर:- एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र

32. **जनसंघी पार्टी के प्रमुख नेताओं के नाम बताइए ।**

उत्तर:- श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय

शेखावाटी मिशन - 100

33. रूस की बोल्शेविक क्रांति कब हुई ?

उत्तर:- अक्टूबर 1917

34. भारत में किस प्रकार की दलीय व्यवस्था को अपनाया गया ?

उत्तर:- बहुदलीय व्यवस्था को

35. किस नेता के आने से कांग्रेस पार्टी ने एक आन्दोलन का रूप ले लिया ?

उत्तर:- महात्मा गांधी

36. प्रथम आम चुनाव के समय आलोचक ऐसा क्यों मानते थे कि भारत में सफलतापूर्वक प्रथम आम चुनाव नहीं करवाये जा सकते ?

उत्तर:- भारत में चुनाव सफलतापूर्वक नहीं करवाए जा सकते इसके पक्ष में आलोचकों के निम्नलिखित तर्क थे -

1 भारत क्षेत्रफल तथा जनसंख्या में बहुत बड़ा देश है तथा शुरू से ही भारत में सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार दिया गया। इतने बड़े निर्वाचक मण्डल के लिए व्यवस्था करना बहुत कठिन काम है।

2 भारत के अधिकांश मतदाता अशिक्षित थे। वे स्वतंत्र व निष्पक्ष रूप से मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे इस पर उन्हें संदेह था।

37. भारत में लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौतियों को समझाए

उत्तर:- भारत में लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौतियां निम्न कारणों से थी:-

1 विभिन्न धार्मिक राजनैतिक समूहों में एकता स्थापित करना- भारतीय राजनेताओं के सामने विभिन्न धार्मिक व राजनैतिक समूहों में पारस्परिक एकता की भावना को विकासित करने की चुनौती थी।

2. निष्पक्ष चुनावों की व्यवस्था करना-भारत के विस्तृत आकार को देखते हुए निष्पक्ष चुनावों की व्यवस्था करना भी एक गंभीर चुनौती थी। चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन करना व मतदाता सूची बनाना आवश्यक था। कुल मतदाताओं में केवल 15 प्रतिशत ही साक्षर थे।

38. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यकर्मों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर:- स्वतंत्रता से पूर्व कांग्रेस का मुख्य उदेश्य स्वतंत्रता प्राप्ति था। उस समय कांग्रेस एक राजनैतिक दल ही नहीं अपितु एक राष्ट्रीय आंदोलन भी था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके आर्दश थे-संसदीय लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता तथा समाजवाद। स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस 30 वर्षों तक सत्तारूढ़ रही। इन 30 वर्षों में कांग्रेस ने अस्पृश्यता उन्मुलन, दलितों का उत्थान, जमींदारी प्रथा का उन्मुलन, मिश्रित अर्थव्यवस्था पर बल और सार्वजनिक उद्यमी की स्थापना के कार्यक्रम अपनाए।

39. भारत में लंबे समय तक कांग्रेस दलीय प्रभुत्व के लिए उत्तरदायी दो कारणों को बताइए ।

उत्तर:- प्रथम तीन चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व के कारण थे- 1 राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेसी नेताओं का जनता में लोकप्रिय होना 2. प. जवाहर लाल नेहरू का करिश्माई व्यक्तित्व होना।

40. भारतीय दलीय व्यवस्था की दो विशेषताए लिखिए ।

उत्तर:- 1. भारत में बहुदलीय व्यवस्था है एवं राजनैतिक दल विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2. भारतीय दलीय व्यवस्था में राष्ट्रीय दलों के साथ-साथ क्षेत्रिय दलों का भी अस्तित्व है।

41. एक दलीय व्यवस्था क्या होती है ?

उत्तर:- जब देश में बहुत से दलों के होते हुए भी किसी एक दल का वर्चस्व होता है तो उसे एक दलीय व्यवस्था कहते हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

42. निर्दलियों की बढ़ती संख्या एक चुनौती है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः- चुनाव में किसी एक राजनैतिक दल को जब बहुमत नहीं मिलता है तो निर्दलीयों की भूमिका बढ़ जाती है। ये निर्दलीय उम्मीदवार देशहित से स्वयं के फायदे के लिए ज्यादा सोचते है। यह भारतीय दलीय व्यवस्था के हित में नहीं है।

43. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व राजनीतिक दलों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तरः- स्वतंत्रता से पूर्व भारत में निम्नलिखित राजनैतिक दल थे-

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस-जिसकी स्थापना 1885 में हुई थी। इस समय की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भारत के प्रत्येक क्षेत्र व सभी विचारधाराओं के लोग जुड़े हुए थे। यह सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती थी।

2. मुस्लिम लीग-1906 में मुस्लिम हितों की रक्षा के लिए अलग से अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना की गई ।

3. भारतीय साम्यवादी दल-1924 में साम्यवादी दल की स्थापना एम.एन राय ने की।

4. भारतीय समाजवादी पार्टी-1934 में आर्चाय नरेन्द्र देव, जय प्रकाश नारायण एवं राम मनोहर लोहिया ने भारतीय समाजवादी पार्टी की स्थापना की ।

44. डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बारे आप का जानते हैं?

उत्तरः- पूरा नाम बाबा साहब भीमराव रामजी अम्बेडकर है। ये दलितों को न्याय दिलाने के लिए हुए संघर्ष के प्रमुख नेता थे। अम्बेडकर ने इन्डीपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना की। बाद में शिडयूल्ड कास्टस फेडरेशन की स्थापना की। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान वायसराय की काउंसिल के सदस्य रहे। संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष रहे। इसलिए इन्हें भारत के संविधान का निर्माता भी कहा जाता है। 1951 में मन्त्रिमंडल से हिन्दू कोड बिल के मुद्दे पर इस्तीफा दिया।

45. भारतीय क्षेत्रिय दलों की प्रकृति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तरः- भारत के दलों की प्रकृति को निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है-

1. जाति, धर्म, क्षेत्र या समुदाय पर आधारित क्षेत्रिय दल-भारत में कुछ क्षेत्रिय दल या तो किसी जाति पर आधारित है या धर्मनिपेक्ष या क्षेत्र के आधार पर बने हुए।

2. राष्ट्रीय दलों से निकले क्षेत्रिय दल- कुछ क्षेत्रिय दल वे हैं जो किसी समस्या विशेष के नेतृत्व को लेकर राष्ट्रीय दलों विशेषकर कांग्रेस आदि से अलग हुए है जैसे-केरल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, तमिल कांग्रेस आदि।

3. विचारधारा पर आधारित क्षेत्रीय दल- भारत में कुछ राजनीतिक दल विचारधारा पर आधारित है। जेसे फॉरवर्ड ब्लॉक, किसान मजदूर पार्टी

46. कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में पहले से लेकर तीसरे आम चुनाव तक भारत में लोकतंत्र स्थापित करने में किस प्रकार मदद की?

उत्तरः- जब पहला आम चुनाव हुआ उस समय भारत एक गरीब और अनपढ़ देश था। यह चुनाव भारत के लिए एक प्रकार की अग्नि परीक्षा थी ।उस समय एक लोकतंत्र केवल समृद्ध देशों में मौजूद था। उस समय तक विश्व के कई देशों में महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था। इस समय भारत ने सार्वभौमिक व्यवस्क मताधिकार को अपनाया जो एक साहसिक और जोखिम भरा कदम था। 1952 में भारत का पहला आम चुनाव पूरी दुनिया में लोकतंत्र के इतिहास के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। यह तर्क संभव नहीं रहा कि गरीबी या शिक्षा की कमी की स्थितियों में लोकतांत्रिक चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं। अगले दो चुनावों ने में भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत किया।

शेखावाटी मिशन - 100

47. **मतदान के दो तरीकों का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर:- 1.मतपत्र के द्वारा मतदान-मतपत्र पर हर उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह दर्ज होता है। मतदाता को मतपत्र अपनी पसंद के उम्मीदवार के नाम पर मोहर लगानी होती है।

2. ई.वी.एम. द्वारा मतदान-ई.वी.एम मशीन से मतदाता को अपनी पसंद के नाम के आगे का बटन दबाना होता है।

48. **दल-बदल से आप क्या समझते हैं?**

उत्तर:- दल-बदल का साधारण अर्थ है एक दल को छोड़कर दूसरे दल में शामिल होना। अर्थात् किसी जनप्रतिनिधि द्वारा जिस दल की टिकट पर निवार्चित हो कर आया है उसे छोड़ देना तथा दूसरे दल की सदस्यता ग्रहण करना। वर्तमान में दल-बदल के लिए संसद द्वारा कुछ नियम बना दिये हैं, जिसके आधार पर सदस्यता रद्द की जा सकती है।

49. **कांग्रेस किन अर्थों में एक विचारधारात्मक गठबंधन थी? कांग्रेस में मौजूद विभिन्न विचारधारात्मक उपस्थितियों का उल्लेख करें ।**

उत्तर:- आजादी से पूर्व से ही कांग्रेस ने परस्पर विरोधी हितों के कई समूहों को एक साथ जोड़ने का कार्य किया और आजादी के समय तक कांग्रेस एक सतरंगे सामाजिक गठबंधन की शक्ल अख्तियार कर चुकी थी। यथा

1. इसमें विभिन्न वर्ग, जाति, भाषा अन्य हितों से जुड़े हुए व्यक्ति इस गठबंधन से जुड़ चुके थे।

2. कांग्रेस एक विचारधारात्मक गठबंधन थी क्योंकि इसने अपने अन्दर क्रांतिकारी और शांतिवादी, कंजरवेटिव और रेडिकल, गरमपंथी और नरपपंथी, दक्षिणपंथी और वामपंथी हर विचारधारा के मध्यमवर्गी को समाहित किया।

इस प्रकार कांग्रेस एक विचारधारात्मक गठबंधन थी

50. **राजनैतिक दलों के प्रमुख तत्वों को संक्षेप में समझाईए।**

उत्तर:- किसी भी दल के निमार्ण के लिए निम्नलिखित तत्वों का होना आवश्यक है

1. संगठन-संगठन से तात्पर्य है कि दल ने अपने लिखित एवं अलिखित नियम, उपनियम, कार्यालय, पदाधिकारी आदि होने चाहिए। ये दल के सदस्यों को अनुशासित रखता है।

2. मूलभूत सिद्धांतों में एकता- सिद्धांतों की एकता ही दल को आधार प्रदान करती है। सैद्धांतिक एकता के अभाव में दल की जड़े हिल जाती हैं।

3. संवैधानिक साधनों का प्रयोग-राजनैतिक दलों को जाति, धर्म, सम्प्रदाय या वर्गहित की अपेक्षा राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि हेतु प्रयास करना चाहिए।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 3
नियोजित विकास की राजनीति

1. योजना आयोग की स्थापना कब हुई?

उत्तरः- 1950 में।

2. भारत में नियोजन प्रक्रिया किस देश से ली गई?

उत्तरः- सोवियत संघ

3. पहली पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल था-

उत्तरः- 1951 से 1956 तक

4. पहली पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक प्राथमिकता किसे दी गई-

उत्तरः- कृषि क्षेत्र

5. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद किस आर्थिक प्रणाली को भारत में अपनाया गया।

उत्तरः- मिश्रित अर्थव्यवस्था

6. हरित क्रांति के दौरान किस फसल का उत्पादन सर्वाधिक हुआ?

उत्तरः- गेंहूँ

7. दूसरी पंचवर्षीय योजना कब शुरू हुई?

उत्तरः- 1956 में

8. किस पचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों पर बल दिया गया?

उत्तरः- दूसरी

9. 'इकोनोमी ऑफ परमानेन्स' पुस्तक के लेखक थे?

उत्तरः- जेसी कुमारप्पा

10. बाम्बे प्लान योजना भारत के उद्योगपत्तियों द्वारा कब तैयार की गई?

उत्तरः- 1944 में

11. 'भारत का मिल्क मैन' किसे कहाँ जाता है?

उत्तरः- वर्गीज कुरियन

12. योजना आयोग की जगह नई संस्था कौनसी बनाई गई?

उत्तरः- नीति आयोग

13. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?

उत्तरः- प्रधानमंत्री

14. 1969 में केन्द्र सरकार ने कितने बैंकों को राष्ट्रीयकरण किया?

उत्तरः- 14 बैंकों का

15. भारतीय साख्यिकी संस्थान के संस्थापक कौन थे?

उत्तरः- पी.सी. महालनोबिस

16. जैसी कुमारप्पा का असली नाम क्या था?

उत्तरः- जे.सी. कार्नोलियस

शेखावाटी मिशन - 100

17. ऑपरेशन फल्ड किससे संबंधित था?

उत्तरः- दूध उत्पादन से

18. दूसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान औद्योगिक विकास बनाम कृषि विकास का विवाद् फैला था। इस विवाद में क्या-क्या तर्क दिए गए थे?

उत्तरः- दूसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान औद्योगिक विकास और कृषि विकास से किस क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया जाये, इस इस बात पर विवाद चला। इस विवाद के सम्बंध में विभिन्न तर्क दिये गये यथा-

1. कृषि क्षेत्र का विकास करने वाले विद्वानों का यह तर्क था कि इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा तथा किसानों की दशा में सुधार होगा, जबकि औद्योगिक विकास का समर्थन करने वालों का यह तर्क था कि औद्योगिक विकास से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेगें तथा देश में बुनियादी सुविधाएँ भी बढ़ेंगी।

2. अनेक लोगों का मानना था कि दूसरी पंचवर्षीय योजना में कृषि के विकास की रणनीति का अभाव था और इस योजना के दौरान उद्योगों पर जोर देने के कारण खेती और ग्रामीण इलाकों को चोट पहुँचेगी। जबकि कई अन्य लोगों का सोचना था कि औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर को तेज किए बगैर गरीबी के मकड़जाल से मुक्ति नहीं मिल सकती।

3. कृषि विकास हेतु अनेक कानून बनाये जा चुके है, लेकिन औद्योगिक विकास की दिशा में प्रयास नहीं हुआ है।

19. पहली और दूसरी पंचवर्षीय योजना में क्या अन्तर था? समझाईए-

उत्तरः- 1. प्रथम पंचवर्षीय योजना एवं द्वितीय पंचवर्षीय योजना में मुख्य अन्तर यह था कि जहाँ प्रथम योजना ने कृषि क्षेत्र पर अधिक बल दिया गया। वहीं दूसरी योजना में भारी उद्योगों के विकास पर जोर दिया गया।

2. पहली पंचवर्षीय योजना का मुलमंत्र था-धीरज, जबकि दूसरी पंचवर्षीय योजना तेज संरचनात्मक परिवर्तन पर बल देती है।

20. भारत में नियोजन की आवश्यकता क्यो हैं?

उत्तरः- भारत में नियोजन की आवश्यकता मुख्यत: निम्नलिखित कारणों से है-

1. नियोजन के द्वारा आर्थिक एवं सामाजिक जीवन के विभिन्न अंगों में समन्वय स्थापित करके समाज की उन्नति की जा सकती है।

2. नियोजन द्वारा सामाजिक व आर्थिक विकास न्याय की स्थापना की जा सकती है।

3. समाजवादी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी नियोजन आवश्यक है।

4. संसाधनों के उचित प्रयोग, वैज्ञानिक साधनों के प्रयोग एवं राष्ट्रीय पूँजी का सही मात्रा में सदुपयोग की दृष्टि से भी नियोजन की अत्यधिक आवश्यकता है।

21. नियोजन से क्या अभिप्राय है?

उत्तरः- किसी भी कार्य को क्रमबद्ध व सुव्यवस्थित रूप से करने की प्रक्रिया नियोजन कहलाती है। किसी कार्य को करने से पहले सोचना तथा तथ्यों को ध्यान में रख कर रूप रेखा बनानी होती है।

22. नियोजन के प्रमुख तीन तत्व बताईए ।

उत्तरः- 1. उपलब्ध साधनों का सही आंकलन

2. साधनों के आर्थिक उपयोग हेतु योजना

3. उपलब्ध साधनों का अनुकूलतम उपयोग

शेखावाटी मिशन - 100

23. सार्वजनिक क्षेत्र के विस्तार का क्या अर्थ है?

उत्तरः- भारी उद्योगों, कोयले तथा तेल की खोज तथा परमाणु ऊर्जा के विकास व अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों के निर्माण एवं विस्तार का उत्तरदायित्व केन्द्रीय सरकार के पास होना तथा इसके लिए वित्तीय व मानव शक्ति का प्रबंधन केन्द्र सरकार द्वारा करना।

24. सार्वजनिक क्षेत्र की विशेषताएँ बताईए।

उत्तरः- 1. सार्वजनिक क्षेत्र में सरकार की समस्त आर्थिक व व्यवायिक गतिविधियाँ शामिल की जाती हैं।

2. सार्वजनिक क्षेत्र आर्थिक असमानताओं को कम करके आर्थिक समानता की स्थापना का प्रयास करता है।

3. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों पर पूर्ण रूप से राष्ट्रीय नियंत्रण होता है। इसमें एकाधिकार की प्रकृति पाई जाती है।

25. भारत में सर्वाजनिक क्षेत्र की दो समस्याएँ बताईए।

उत्तरः- 1. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र में लालफीताशाही और नौकरशाही का बोलबाला है, जिस कारण से सार्वजनिक क्षेत्र की कार्यकुशलता निजी क्षेत्र की अपेक्षा कम है।

2. भारत में सर्वाजनिक क्षेत्र की प्रमुख समस्या प्रबंध व्यवस्था का कुशल न होना है।

26. योजना आयोग पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः- योजना आयोग की स्थापना 1950 में की गई। यह एक गैर संवैधानिक संस्था थी जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते थे। इसका मुख्य कार्य भारत के लिए योजना बनाना था। वर्तमान में योजना आयोग को समाप्त कर 1 जनवरी, 2015 को इसके स्थान पर नीति आयोग की स्थापना की गई।

27. 'ऑपरेशन फ्लड' के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तरः- 1970 में सहकारी दूध उत्पादकों को उत्पादन और विपणन के एक राष्ट्रव्यापी तंत्र से जोड़ने के लिए एक राष्ट्रव्यापी ग्रामीण विकास कार्यक्रम शुरू हुआ। यह कार्यक्रम एक डेयरी कार्यक्रम तक सीमित नहीं था। इसका उद्देश्य ग्रामीण लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना तथा लोगों की गरीबी दूर करके उनकी आमदनी बढ़ाना था।

28. श्वेत क्रांति पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तरः- गुजरात में एक 'आणंद' नाम का शहर है। सहकारी दूध उत्पादन का आंदोलन 'अमूल' इसी शहर में शुरू हुआ। इसमें गुजरात के 25 लाख दूध उत्पादक जुड़े। ग्रामीण विकास एवं गरीबी उन्मुलन के लिहाज से अमूल अपने आप में एक अनुठा और कारगर मॉडल है। इसी मॉडल के विस्तार को 'श्वेत क्रांति' कहा जाता है।

29. हरित क्रांति क्या थी?

उत्तरः- हरित क्रांति का अर्थ कृषिगत उत्पादन की तकनीक को सुधारने तथा तीव्र वृद्धि करने से है। इसके तत्व थे -

(i) कृषि भूमि का विस्तार

(ii) बहुफसली पद्धति।

(iii) अच्छे बिजों का प्रयोग।

सिंचित व असिंचित कृषि क्षेत्रों में अधिक उपज देने वाली किस्मों को आधुनिक कृषि पद्धति से उगाकर उत्पादन बढ़ाना।

शेखावाटी मिशन - 100

30. हरित क्रांति के दो फायदे बताईए।

उत्तर:- 1. हरित क्रांति से खेतिहर पैदावार में सामान्य किस्म का इजाफा हुआ और देश में खाद्यान की उपलब्धता में बढ़ोतरी हुई।

2. हरित क्रांति के कारण मध्यम श्रेणी के भूस्वामित्व वाले किसानों का उभार हुआ।

31. राष्ट्रीय विकास परिषद के मुख्य कार्य बताईए।

उत्तर:- राष्ट्रीय विकास परिषद के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं –

1. राष्ट्रीय योजना की प्रगति पर समय-समय पर विचार करना।

2. राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली आर्थिक व सामाजिक नीतियों संबंधी विषयों पर विचार करना।

3. राष्ट्रीय योजना के निधार्रित लक्ष्यों व उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सुझाव देना।

4. राष्ट्रीय योजना के निर्माण के लिए तथा इसके साधनों के निर्धारण के लिए पथप्रदर्शक सूत्र निश्चित करना।

5. योजना आयोग द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय योजना पर विचार करना।

32. पंचवर्षीय योजनाओं के प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

उत्तर:- **1. आर्थिक वृद्धि** – आर्थिक वृद्धि के अभिप्राय है- निरन्तर घरेलु उत्पाद तथा प्रति सकल घरेलु उत्पादन में वृद्धि। लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आर्थिक संवृद्धि आवश्यक है।

2. आधुनिकीकरण- उत्पादन में नई तकनीक का प्रयोग तथा सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन को आधुनिकीकरण कहते हैं। यह आधुनिकीकरण पंचवर्षीय योजना का प्रमुख उद्देश्य था।

3. आत्मनिर्भरता व समानता – पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य आयात को कम करके उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाना था तथा अमीर व गरीब के बीच की दूरी को कम करके समानता स्थापित करना था।

33. स्वतंत्रता के बाद भूमि सुधार हेतु सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए?

उत्तर:- स्वतंत्रता के बाद भूमि सुधार हेतु निम्नलिखित प्रयास किए गये-

1. जमींदारी प्रथा की समाप्ति – भूमि सुधार सम्बन्धित सबसे महत्त्वपूर्ण प्रयास जमीदारी प्रथा को समाप्त करना था जिससे भूमि उस वर्ग के हाथ से मुक्त हुई जिसे कृषि में कोई दिल-चस्पी नही थी।

2. चकबन्दी – जमीन के छोटे टुकड़ों को एक साथ करने के प्रयास किए ताकि खेती का काम सुविधाजनक हो सके।

3. भूमि सुधार हेतु इस बात के कानून बनाए गए कि कोई व्यक्ति अधिकतम कितनी भूमि अपने पास रख सकता है।

4. बटाईदार काश्तकार को सुरक्षा – जो काश्तकार किसी और की जमीन बटाई पर जोत बो रहे है उन्हें भी ज्यादा सुरक्षा कानूनी रूप से दी गई।

34. मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ और विशेषताऐं बताईए।

उत्तर:- भारत के विकास के लिए पूँजीवादी और समाजवादी मॉडल दोनों की कुछ बातों को लिया गया और उन्हें मिले जुले रूप से लागु किया गया, इसी कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को मिश्रित अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषताऐ –

1. इसमें खेती, किसानी, व्यापार और उद्योगों का एक बड़ा भाग नीति क्षेत्र के हाथों में रहा।

2. राज्य ने अपने हाथ में भारी उद्योग रखे एवं उसने आधारभूत ढ़ाँचा प्रदान किया।

3. राज्य ने व्यापार का नियमन किया तथा कृषि क्षेत्र में कुछ बड़े हस्तक्षेप किए।

शेखावाटी मिशन - 100

35. दक्षिणपंथी विचारधारा क्या है?

उत्तर:- इस विचारधारा में उन दलों या लोगों को शामिल किया जाता है जो यह मानते है कि खुली प्रतिस्पर्धा और बाजारमूलक अर्थव्यवस्था के द्वारा प्रगति हो सकती है। अर्थात् सरकार को अर्थव्यवस्था मे गैर जरूरी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। भूतपूर्व स्वतंत्र पार्टी व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दक्षिणपंथी विचारधारा का माना जाता है।

36. वामपंथी विचारधारा क्या है?

उत्तर:- प्राय: वामपंथी विचारधारा में उन लोगों व राजनैतिक दलों को शामिल किया गया है जो साम्यावादी या समाजवादी, माओवादी और लेनिनवादी विचारधारा का समर्थन करते हैं। प्रजा समाजवादी, फॉरवर्ड ब्लाक आदि दल स्वयं को इसी विचारधारा के पक्षधर वाला मानते हैं तथा उस पर चलने के लिए कार्यक्रम व नीतियाँ बनाते हैं। ये दल प्राय: गरीब व पिछड़े वर्ग की तरफदारी करते हैं। ये इन वर्गो को लाभ पहुचानें वाली सरकारी नीतियों का समर्थन करते हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 4
कांग्रेस प्रणाली:- चुनौतियां और पुनर्स्थापना

1. आजादी के बाद शुरूआती वर्षों में कांग्रेस का चुनाव चिन्ह क्या था और वर्तमान में चुनाव चिन्ह क्या है?

उत्तर:- शुरूआती वर्षों में कांग्रेस का चुनाव चिन्ह 'दो बैलो की जोड़ी' था तथा वर्तमान में 'हाथ का पंजा' चुनाव चिन्ह है।

2. कांग्रेस प्रणाली को पहली बार चुनौती कब मिली व इसके क्या कारण थे? या 1967 के चौथे आम चुनाव में कांग्रेस दल की मुख्य चुनौतियां क्या थी?

उत्तर:- कांग्रेस प्रणाली को 1960 के दशक में चौथे आम चुनाव 1967 में पहली बार चुनौती मिली। इस समय विपक्ष पहले की अपेक्षा कम विभाजित और अधिक ताकतवर था। और कांग्रेस को अपनी अन्दरूनी चुनौतियों जैसे अपने अन्दर की विभिन्नता को संभलना आदि से निपटना था।

3. नेहरू की मृत्यु के बाद राजनीतिक उत्तराधिकार की क्या चुनौतियां थी?

उत्तर:- मई 1964 में प. नहेरू की मृत्यु के पश्चात देश की बागडोर कौन संभालेगा और देश में लोकतंत्र कायम रह पायेगा या नहीं, ये दोनों राजनीतिक उत्तराधिकार की सबसे बड़ी चुनौतियां थी।

4. नेहरू की मृत्यु के पश्चात राजनीतिक उत्तराधिकार को एक चुनौती क्यों माना गया?

उत्तर:- नवस्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत में भी लोकतंत्र समाप्त होने एवं सैनिक शासन के स्थापित होने के भय आशंका के कारण राजनीतिक उत्तराधिकार को एक चुनौती माना गया ।

5. किस दशक को खतरनाक दशक कहा जाता है और क्यों ?

उत्तर:- 1960 के दशक को खतरनाक दशक कहा जाता है क्योंकि इस दशक में देश के समक्ष गरीबी, गैर-बराबरी, साम्प्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन जैसी गंभीर समस्याएं थी जो देश में लोकतंत्र व अखण्डता के समक्ष खतरा उत्पन्न कर सकती थी।

6. शास्त्री जी को प्रधानमंत्री बनने के बाद किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर:- 1. भारत-चीन युद्ध 1962 के कारण उत्पन्न आर्थिक कठिनाईयां।

2. मानसून की असफलता से देश में सुखे की स्थिति।

3. खाद्यान्न का गंभीर संकट ।

4. भारत-पाकिस्तान युद्ध 1965 ।

7. लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु कब और कहां हुई?

उत्तर:- 10 जनवरी 1966 को ताशंकद (पूर्व सोवियत संघ) में।

8. लाल बहादुर शास्त्री ताशकंद क्यों गये थे?

उत्तर:- शास्त्री जी भारत-पाकिस्तान युद्ध 1965 की समाप्ति के सिलसिले में पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान से बातचीत करने और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ताशकंद गये थे।

9. लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात किन नेताओं के मध्य प्रधानमंत्री पद हेतु कड़ा मुकाबला था ?

उत्तर:- मोरार जी ड़ेसाई और इंदिरा गांधी के मध्य।

10. 1966 की किस घटना को भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता रूप में देखा गया और क्यों ?

उत्तर:- शास्त्री जी की मृत्यु के पश्चात प्रधानमंत्री पद हेतु मोरार जी देसाई और इंदिरा गांधी के मध्य गहन प्रतिस्पर्धा होने

शेखावाटी मिशन - 100

के बावजूद कांग्रेस पार्टी में सत्ता का हस्तांतरण बड़े शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। इस घटना को 1966 में भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता के रूप में देखा गया।

11. कांग्रेस ने दूसरी बार उत्तराधिकार की चुनौती का सामना कब किया और इसे कैसे हल किया?

उत्तरः- लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात वर्ष 1966 में कांग्रेस को दूसरी बार उत्तराधिकार की चुनौती का सामना करना पड़ा। इस समय मोरार जी देसाई व इंदिरा गांधी के मध्य कड़ी प्रतिस्पर्धा थी तथा किसी एक नाम पर कांग्रेस के नेताओं में सर्वसम्मति नहीं थी। इसलिए कांग्रेस के सांसदों से गुप्त मतदान द्वारा निर्णय करवाया गया। इसमें दो तिहाई सांसदों ने इंदिरा गांधी को अपना मत दिया। इस प्रकार शास्त्री के बाद इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री चुना गया।

12. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इंदिरा गांधी का समर्थन क्यों किया?

उत्तरः- कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का विचार था कि इंदिरा गांधी के पास प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव कम होने के कारण इंदिरा गांधी उन पर निर्भर रहेगी।

13. चौथे आम चुनाव 1967 के समय जनता की नाराजगी और विरोध का क्या कारण था?

उत्तरः- बढ़ती हुई महंगाई, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, खाद्यान्न की कमी बढ़ती हुई बरोजगारी और देश की दयनीय आर्थिक स्थिति को लेकर किये जा रहे बन्द और हड़ताल को सरकार द्वारा जनता की बदहाली की अभिव्यक्ति के स्थान पर कानून व्यवस्था की समस्या मानने से जनता के आक्रोश में वृद्धि हुई।

14. गैर-कांग्रेसवाद के जनक रणनीतिकार कौन थे ?

उत्तरः- राम मनोहर लोहिया

15. गैर कांग्रेसवाद क्या है?

उत्तरः- 1967 के आम चुनावों में कांग्रेस के विरोधी दलों द्वारा एक जुट होकर कुछ राज्यों में एक कांग्रेस विरोधी मोर्चा बनाना और अन्य राज्यों में सीटों के मामले में तालमेल बैठने की रणनीति को राममनोहर लोहिया ने गैर कांग्रेसवाद नाम दिया।

16. राममनोहर लोहिया ने गैर कांग्रेसवाद का समर्थन क्यों किया?

उत्तरः- राममनोहर लोहिया का मानना था कि कांग्रेस का शासन अलोकतांत्रिक और गरीबों के हितों के खिलाफ है। इसलिए गैर कांग्रेसी दलों का एक साथ आना आवश्यक है ताकि गरीबों के हक में लोकतंत्र को वापस लाया जा सके।

17. किन चुनाव परिणामों को राजनीतिक भूकंप की संज्ञा दी जाती है और क्यों? अथवा 1967 के चुनाव परिणाम बताइये।

उत्तरः- 1967 के आम चुनावों के परिणामों को राजनीतिक भूकम्प की संज्ञा दी जाती है क्योंकि इन चुनावों में लोकसभा में कांग्रेस की सीटों और मतों के प्रतिशत में भरी गिरावट आयी और 9 राज्यों में कांग्रेस विधानसभा के चुनाव में सत्ता खो बैठी।

18. मद्रास प्रान्त में 1967 के चुनावों में कौनसा क्षेत्रीय दल विजयी हुआ? इसका प्रमुख मुद्दा क्या था?

उत्तरः- मद्रास प्रान्त में द्रविड मुनेत्र कषगम पार्टी 1967 के चुनावों में पूर्ण बहुमत के साथ सता में आयी। यह पार्टी छात्रों के हिन्दी विरोधी आन्दोलन का नेतृत्व कर रही थी। (यह पहला असर था जब किसी राज्य में पूर्ण बहुमत की गैर कांग्रेसी सरकार बनी।)

शेखावाटी मिशन – 100

19. संयुक्त विधायक दल की सरकार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर:- किसी भी दल को सपष्ट बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में अनेक पाटियों द्वारा एकजुट होकर संयुक्त विधायक दल बनाकर निमार्ण की गई सरकारों को संयुक्त विधायक दल की सरकार कहा गया। 1967 में बिहार व पंजाब में इस प्रकार की सरकारों का गठन किया गया था।

20. दल बदल से क्या अभिप्राय है?

उत्तर:- जब कोई जनप्रतिनिधि किसी खास दल के चुनाव चिन्ह को लेकर चुनाव लड़े और जीत जाये तथा चुनाव जीतने के बाद इस दल को छोड़कर किसी दूसरे दल में शामिल हो जाये तो इसे दल-बदल कहते हैं

21. 'आया राम-गया राम' से क्या तात्पर्य है ? और यह किस घटना के कारण प्रसिद्ध हुआ?

उत्तर:- विधायकों द्वारा जल्दबाजी से बार-बार दल-बदल की घटना को 'आया राम-गया राम' जुमले से संबोधित किया गया। यह जुमला 1967 में हरियाणा के विधायक गया लाल के बार-बार दल बदलने की घटना से प्रसिद्ध हुआ।

22. दल-बदल के दो कारण बताइये।

उत्तर:- 1.विधायकों द्वारा अपनी राजनीतिक निष्ठा बदलना।

2. बड़े या महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति की अभिलाषा।

23. कांग्रेस सिडिकेट से क्या तात्पर्य है? इसमें महत्वपूर्ण नेता कौन-कौन थे?

उत्तर:- सिंडिकेट कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का एक अनौपचारिक समूह था जिसका पार्टी के संगठन पर नियंत्रण था। इसमें के. कामराज, एस. के. पाटिल, के. एस. निजलिगप्पा, नीलम संजीव रेड्डी और अतुल्य घोष प्रमुख थे।

24. 1960 के दशक में सिंडिकेट की भूमिका को समझाइये।

उत्तर:- सिंडिकेट का पार्टी के संगठन पर गहरा नियंत्रण था। प. नहेरू की मृत्यु के पश्चात उत्पन्न राजनीतिक उत्तराधिकार की समस्या का हल सिंडिकेट की सहायता से निकला तथा लाल बहादुर शास्त्री एवं उनके पश्चात इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी।

इंदिरा गांधी के पहले मंत्रीमंडल में नीति निर्माण व उनके कियान्वयन में भी सिंडिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

25. 1967 के चुनावों के पश्चात इंदिरा गांधी के समक्ष प्रमुख दो चुनौतियां क्या थी ?

उत्तर:- 1967 के चुनावों के बाद इंदिरा गांधी के समक्ष निम्न दो चुनौतियां थी -

1. स्वयं को सिंडिकेट के प्रभाव से स्वतंत्र रखना।

2. 1967 में कांग्रेस ने जो वर्चस्व खोया उसे पुन:प्राप्त करना।

26. इंदिरा गांधी ने अपनी छवि को समाजवादी बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाये?

उत्तर:- इंदिरा गांधी ने अपनी छवि को समाजवादी बनाने के लिए दस सूत्री कार्यक्रम को अपनाया जिसमें बैंकों पर समाजिक नियंत्रण, आय बीमा का राष्ट्रीयकरण, शहरी सम्पदा और आय का परीसीमन, खाद्यान्न का सरकारी वितरण और भूमि सुधार प्रमुख है।

27. कांग्रेस का विभाजन कब व किन कारणों या मसलों को लेकर हुआ?

उत्तर:- कांग्रेस का विभाजन 1969 में हुआ जिसके निम्नलिखित कारण रहे:-

1. काग्रेस पार्टी के भीतर दक्षिण पंथी एवं वामपंथी विचारधाराओं के समर्थकों के मध्य कलह।

2. राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन को लेकर मतभेद और कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार की हार हो जाना

3. पार्टी अध्यक्ष के द्वारा इंदिरा गांधी को पार्टी से निष्कासित कर देना।

शेखावाटी मिशन - 100

28. **कांग्रेस के 1969 में विभाजन के पश्चात कौन-कौन से गुट बने?**

उत्तर:- 1969 में कांग्रेस के विभाजन से दो गुट बने -

1. कांग्रेस ऑर्गनाइजेशन:- इसे 'पुरानी कांग्रेस' भी कहा जाता था। इसमें सिंडिकेट की अगुवाई वाला खेमा शामिल था

2. कांग्रेस रिक्विजिनिस्ट:- इसे 'नयी कांग्रेस' कहा गया। इसमें इंदिरा गांधी की अगुवाई वाला खेमा शामिल था।

29. **प्रिवी पर्स की व्यवस्था क्या थी?**

उत्तर:- देसी रियासतों के भारत में विलय के पश्चात शासकों के परिवार को दिये जाने वाले विशेष भत्तों व पेंशन को प्रिवी पर्स के नाम से जाना जाता था।

30. **प्रिवी पर्स को समाप्त करने हुते किये गये प्रयासों का उल्लेख कीजिए**

उत्तर:- इस व्यवस्था को समाप्त करने हेतु निम्न प्रयास किये गये:-

1. 1970 में संविधान संशोधन का प्रस्ताव लोकसभा द्वारा पारित किया गया किन्तु राज्यसभा ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार किया।

2. सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया

3. 1971 में संविधान संशोधन द्वारा प्रवी पर्स को समाप्त किया गया।

31. **प्रिवी पर्स की समाप्ती को लेकर इंदिरा गांधी व मोरार जी देसाई के बीच क्या मतभेद थे?**

उत्तर:- इंदिरा गांधी इसे संविधान में वर्णित समानता और सामाजिक आर्थिक न्याय के विरूद्ध मानती थी तथा इसे समाप्त करने के पक्ष में थी जबकि मोरार जी दसाई इसकी समाप्ती को नैतिक रूप से गलत व रियासतों के साथ विश्वासघात मानते थे।

32. **ग्रैंड अलायन्स या महाजोट क्या था? 1971 के चुनावों में इसे कितनी सफलता मिली?**

उत्तर:- 1971 के चुनावों के समय सभी बड़ी गैर साम्यवादी और गैर कांग्रेसी विपक्षी पार्टीयों ने एक चुनावी गठबंधन बनाया था जिसे ग्रैंड अलायन्स या महाजोट कहा गया।

इसे 1971 के चुनावों में 40 से भी कम सीटें प्राप्त हुई और यह चुनाव हार गया।

33. **1971 में कांग्रेस की पुनर्स्थापना के कारण बताइये।**

अथवा

1970 के दशक में इंदिरा गांधी की सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई?

अथवा

पांचवें आम चुनाव 1971 में इंदिरा गांधी (कांग्रेस) की जीत के क्या कारण थे?

उत्तर:- 1. इंदिरा गांधी का एक करिश्माई नेता के रूप में उभरना।

2. प्रगतिशील और समाजवादी कार्यक्रमों जैसे 10 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा करना।

3. भूमि सुधार कार्यक्रमों का तीव्र गति से क्रियान्वयन करना ।

4. इंदिरा गांधी की कुशल एवं साहसिक चुनावी रणनीति।

5. 'गरीबी हटाओं' जैसे मशहूर नारे का सकारात्मक प्रभाव जिसने समाज के कमजोर व पिछड़े वर्गों को इंदिरा गांधी के पक्ष में ला खड़ा किया।

शेखावाटी मिशन - 100

34. पांचवें आम चुनाव 1971 के क्या परिणाम रहे ?

उत्तरः- पांचवें आम चुनावों में कांग्रेस (आर) और सीपीआई के गठबंधन को लोकसभा की 375 सीटें मिली व कुल 48.4 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। इनमें कांग्रेस (आर) को 352 सीटें व 44 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। इसके विपरीत कांग्रेस (ओ) महज 16 सीटें तथा ग्रैंड अलायंस को 40 से भी कम सीटें मिली।

35. 1971 के चुनाव के बाद बदली हुई कांग्रेस प्रणाली की प्रकृति को समझाइये।

उत्तरः- 1971 के लोकसभा चुनाव एवं 1972 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की विजय हुई तथा सम्पूर्ण भारत में कांग्रेस का वही दबदबा कायम हुआ जो 1952-67 तक था। इसलिए इस परिघटना को कांग्रेस प्रणाली की पुनर्स्थापना कहा गया किन्तु इसकी की प्रकृति में कुछ परिवर्तन आये जो निम्नानुसार हैः-

1. कांग्रेस अब पूर्णतया अपने सर्वोच्च नेता की लोकप्रियता पर आश्रित थी।

2. इसमें अनेक गुट व विचारधाराएं नहीं थी।

3. यह पार्टी चुनाव जीतने के लिए कुछ सामाजिक वर्गों जैसे - गरीब, महिला, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों पर निर्भर थी।

4. इसका सांगठनिक ढांचा कमजोर था।

36. 1967 के चुनावों से पहले की गंभीर आर्थिक स्थिति का विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः- 1967 के चुनावों से पहले देश गंभीर आर्थिक संकट में था। मानसून की असफलता, व्यापक सूखा, खेती की पैदावार में गिरावाट, गंभीर खाद्यान्न संकट, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, औद्योगिक उत्पादन व निर्यात में गिरावाट तथा युद्धों के कारण सैन्य खर्चों में भारी वृद्धि हुई जिसके कारण देश की आर्थिक स्थिति विकट हो गई।

37. राममनोहर लोहिया के बारे में बताइये।

उत्तरः- राममनोहर लोहिया एक समाजवादी नेता और विचारक थे। इन्होंने समाज के पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की पैरवी की। ये सोशलिस्ट पार्टी और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के नेता रहे और गैर कांग्रेसवाद की अवधारणा प्रस्तुत की। ये 'मैनकाइन्ड' और 'जन' नामक पत्रिकाओं के सम्पादक भी रहे।

38. के. कामराज के बारे में बताइये।

उत्तरः- के. कामराज कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहे। अध्यक्ष पद पर रहते हुए इन्होंने लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाने में महत्वपूण्र भूमिका निभाई। इसलिए इन्हें 'किंगमेकर' भी कहा जाता है।

39. वी.वी. गिरी के बारे में बताइये।

उत्तरः- वी.वी.गिरी आंध्रप्रदेश के एक मजदूर नेता थे जो 1967 से 1969 तक उपराष्ट्रपति रहे तथा 1969 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में स्वतंत्र प्रत्यासी थे जो इंदिरा गांधी से समर्थन से विजयी हुए और 1969 से 1974 तक पांच साल देश के राष्ट्रपति रहे।

शेखावाटी मिशन - 100

Sponsored By AAYAAM CAREER ACADEMY, Sikar (Raj.)

अध्याय – 5
जन–आन्दोलनों का उदय

1 चिपको आंदोलन की शुरूआत किस राज्य से हुई है? एवं कब?

उत्तरः– उत्तराखण्ड से 1973 में

2. चिपको आन्दोलन का प्रारम्भ किस रूप में हुआ?

उत्तरः– जंगलों की व्यावसायिक कटाई के विरोध के रूप में।

3. चिपको आन्दोलन किस श्रेणी का आन्दोलन था?

उत्तरः– पर्यावरणवादी आन्दोलन

4. खेती बाड़ी के औजार बनाने हेतु किस पेड़ की लकड़ियों को काम में लिया जाता था?

उत्तरः– अंगू के पेड़ की

5. चिपको आन्दोलन की सबसे अनूठी विशेषता क्या थी?

उत्तरः– महिलाओं की आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी।

6. चिपको आन्दोलन के परिणाम स्वरूप सरकार ने हिमालयी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर कितने वर्ष की रोग लगाई?

उत्तरः– 15 वर्ष

7. मार्क्सवादी-लेनिनवादी समूहों को किस नाम से जाना जाता है?

उत्तरः– नक्सलवादी

8. स्वतन्त्रता के पश्चात देश में विकास का कौनसा मॉडल अपनाया गया?

उत्तरः– नियोजित विकास का मॉडल।

9. नियोजित विकास का मॉडल अपनाने के क्या लक्ष्य थे?

उत्तरः– आर्थिक संवृद्धि और आय का समतापूर्ण बंटवारा।

10. स्वयं सेवी संगठनों को किस अन्य नाम से जाना जाता है?

उत्तरः– स्वतंत्र राजनीतिक संगठन

11. जन-आन्दोलनों में अपने सरोकार व्यक्त करने के लिए किनका प्रयोग किया जाता है?

उत्तरः– पोस्टरों का

12. नामदेव ढ़साल किस भाषा के प्रसिद्ध कवि है?

उत्तरः– मराठी भाषा

13. नामदेव ढ़साल किस राज्य के कवि है?

उत्तरः– महाराष्ट्र

14. 'गोलपीठ' किस भाषा एवं किस कवि की रचना है?

उत्तरः– मराठी भाषा, कवि नामदेव ढ़साल

15. 'अंधेरे की पदयात्रा' से किसकी ओर संकेत किया गया?

उत्तरः– दलित समुदाय की ओर

शेखावाटी मिशन – 100

16. **दलित मुक्ति से प्रेरित अधिकांश रचनाओं में प्रेरणा पुरूष या मुक्तिदाता के रूप में किसका वर्णन किया गया है?**

उत्तर:- डॉ. भीमराव अम्बेडकर

17. **'दलित पैंथर्स' संगठन कब व कहाँ बना?**

उत्तर:- 1972 में महाराष्ट्र में

18. **रंगभेद/अलगाव किसका द्योतक है?**

उत्तर:- जातिगत भेदभाव की सरकारी नीति का

19. **दलितों पर हो रहे अत्याचार से सम्बंधित कानून कब बना?**

उत्तर:- 1989 में

20. **बामसेफ का पूरा नाम लिखिए?**

उत्तर:- बैकवर्ड एंड माइनॉरिटी कम्यूनिटीज एम्पलाइज फेडरेशन

21. **बी. के. यू. का पूरा नाम लिखिए।**

उत्तर:- भारतीय किसान यूनियन

22. **भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता कौन थे?**

उत्तर:- महेन्द्र सिंह टिकैत और युद्धवीर सिंह

23. **बी. के. यू. किसका संगठन था?**

उत्तर:- पश्चिम उत्तर प्रदेश व हरियाणा के किसानों का

24. **बी. के. यू. के किसान आन्दोलन की शुरूआत कब और कहाँ से हुई?**

उत्तर:- 1988 में मेरठ (उत्तर प्रदेश) से।

25. **शेतकारी संगठन कहाँ का संगठन है?**

उत्तर:- महाराष्ट्र का किसान संगठन

26. **रैयत संघ किस राज्य का किसान संगठन है?**

उत्तर:- कर्नाटक

27. **बी. के. यू. ने जाति समुदायों को संगठित करने हेतु किसका उपयोग किया?**

उत्तर:- जाति पंचायत

28. **मछुआरों की संख्या के लिहाज से विश्व में भारत का कौनसा स्थान है?**

उत्तर:- दूसरा स्थान

29. **एन.एफ. एफ का पूरा नाम लिखिए -**

उत्तर:- नेशनल फिशवर्कर्स फोरम

30. **मत्स्य आखेट किस सूची का विषय है?**

उत्तर:- राज्य सूची का

31. **नेशनल फिश वर्कर्स ने केन्द्र सरकार के साथ अपनी पहली कानूनी लड़ाई कब लड़ी?**

उत्तर:- 1997 में

शेखावाटी मिशन - 100

32. ताड़ी विरोधी आन्दोलन कहाँ प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- आन्ध्रप्रदेश के नेल्लौर जिले से

33. ताड़ी विरोधी आन्दोलन कब प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- 1992 में

34. महिलाओं को स्थानीय राजनीतिक निकायों में आरक्षण किसके अन्तर्गत दिया गया?

उत्तरः- 73वें और 74वें संविधान संशोधन के अंतर्गत

35. नर्मदा घाटी विकास परियोजना से सम्बंधित राज्य कौन-कौन से हैं?

उत्तरः- मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र

36. नर्मदा बचाओं आन्दोलन कब प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- 1988-89

37. नर्मदा बचाओं आन्दोलन किस श्रेणी का आन्दोलन है?

उत्तरः- पर्यावरणवादी आन्दोलन

38. राष्ट्रीय पुनर्वास नीति कब जारी हुई?

उत्तरः- 2003

39. एम. के. एस. एस. का पूरा नाम लिखिए।

उत्तरः- मजदूर किसान शक्ति संगठन

40. मजदूर किसान शक्ति संगठन का सम्बंध किस आन्दोलन से है?

उत्तरः- सूचना के अधिकार को आन्दोलन से

41. सूचना के अधिकार का आन्दोलन कब और कहाँ से प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- 1990 में राजस्थान से

42. 'सूचना का अधिकार' विधेयक को राष्ट्रपति ने कब स्वीकृति दी?

उत्तरः- 2005

43. 'चिपको आन्दोलन' किन कारणों से प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- चिपको आन्दोलन के लिए उत्तरदायी कारण निम्नानुसार हैं -

1. स्थानीय ग्रामीणों को कृषि उपकरण हेतु अंगू पेड़ को काटने की अनुमति नहीं देना और खेल सामग्री निर्माता कम्पनी को जंगलों की व्यावसायिक कटाई की अनुमति देने की घटना का विरोध।
2. ग्रामीणों द्वारा स्थानीय लोगों के जल, जंगल और जमीन पर कारगर नियंत्रण की मांग करना।
3. ठेकेदारों द्वारा पुरूषों को शराब की आपूर्ति करने के कारण महिलाऐं इस आन्दोलन में भागीदार बनी।
4. लोगों द्वारा पारिस्थितिकी संतुलन को नुकसान पहुचाये बिना यहाँ का विकास सुनिश्चित करने की मंशा।

44. 'चिपको आन्दोलन' का क्या प्रभाव हुआ?

उत्तरः- चिपको आन्दोलन के निम्नलिखित प्रभाव हुए।

1. सरकार ने 15 वर्ष के लिए हिमालयी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी।
2. इस आंदोलन ने अनेक आन्दोलनों के प्रेरणा स्त्रोत के रूप में भूमिका निभाई।
3. इस आन्दोलन के परिणाम स्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन जागृति आई।

शेखावाटी मिशन - 100

45. राजनीतिक दलों से स्वतंत्र आन्दोलन या स्वयं सेवी संगठनों के आन्दोलनों के विकास के कारण बताइये।

उत्तरः- 70 और 80 के दशक में राजनीतिक दलों से स्वतंत्र आन्दोलनों का उदय हुआ जिसके निम्नलिखित कारण थे-

1. समाज के कई तबकों का राजनीतिक दलों के आचार व्यवहार से मोह भंग हुआ।
2. बेरोजगारी और गरीबी के बरकरार रहने के कारण सरकार की आर्थिक नीतियों के प्रति निराशा का भाव होना।
3. समाज में जाति, लिंग और आर्थिक स्थिति पर आधारित असमानता ने गरीबी के मसले को अधिक जटिल बना दिया।
4. राजनीतिक रूप से सक्रिय कई समूहों का विश्वास लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी राजनीतिक से उठ गया।

46. 'दलित पैंथर्स' ने कौन-कौनसे मुद्दे उठाये?

उत्तरः- दलित पैंथर्स ने दलित समुदाय से सम्बंधित सामाजिक असमानता, जातिगत आधार पर भेद-भाव, दलित महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, दलितों के सामाजिक और आर्थिक उत्पीड़न आदि का विरोध किया। इसके साथ ही आरक्षण के कानूनों तथा सामाजिक न्याय की नीतियों के कारगर क्रियान्वयन की मांग की।

47. 'दलित पैंथर्स' क्या था? इसकी प्रमुख मांगे क्या थी?

उत्तरः- दलित हितों की दावेदारों को मजबूत करने और दलित हितों को मंच प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र में 1972 में दलित युवाओं का एक संगठन 'दलित पैंथर्स' बना।

इस संगठन की प्रमुख मांगे -

1. दलित समुदाय का जाति आधारित असमानता और भौतिक साधनों के मामले में हो रहे अन्याय समाप्त हो।
2. आरक्षण की व्यवस्था और सामाजिक न्याय की नीतियों का कारगर क्रियान्वयन होना चाहिए।

48. 'दलित पैंथर्स' की प्रमुख गतिविधियाँ क्या थी?

उत्तरः- प्रमुख गतिविधियाँ -

1. दलित पैंथर्स ने दलितों पर हो रहे अत्याचार के मुद्दे पर लगातार विरोध आन्दोलन चलाया।
2. दलित लेखकों ने आत्मकथाओं, कविताओं व अन्य साहित्य रचनाओं के माध्यम से जाति प्रथा की क्रूरता का जबरदस्त विरोध किया।
3. भूमिहीन गरीब किसान, शहरी औद्योगिक मजदूरों व दलितों सहित सभी वंचित वर्गो को संगठित करने का प्रयास किया।

49. भारतीय किसान यूनियन ने 90 के दशक में किन मुद्दों को उठाया और इसे कहाँ तक सफलता मिली?

उत्तरः- भारतीय किसान यूनियन ने 1990 के दशक में किसानों की दुर्दशा सुधारने के लिए अनेक मुद्दों पर बल दिया जैसे -

1. बिजली की दर में वृद्धि का विरोध करना।
2. गन्ने और गेहूँ के सरकारी खरीद मूल्य में बढ़ोतरी करने की मांग की।
3. कृषि उत्पादों के अन्तर्राज्यीय आवाजाही पर लगी पाबंदीयों को हटाने की माँग।
4. किसानों के बकाया कर्ज माफ करने।,
5. किसानों के लिए पेंशन का प्रावधान करने की मांग।

शेखावाटी मिशन - 100

भारतीय किसान यूनियन को निम्नलिखित सफलताऐं मिली –

1. बी. के. यू. के समान ही शेतकारी संगठन (महाराष्ट्र) व रैयत संघ (कर्नाटक) ने भी किसानों के लिए ऐसी ही मांगे की जिससे किसान आंदोलन का दायरा बढ़ा।

2. बी. के. यू. ने अन्य किसान संगठनों के साथ मिलकर अपनी कुछ माँगे मनवाने में सफलता प्राप्त की।

50. भारतीय किसान यूनियन की विशेषताऐं बताइये ।

उत्तर:- बी. के. यू. की निम्नलिखित विशेषताऐं है –

1. बी.के.यू. ने सरकार से अपनी मांगे मनवाने के लिये रैली, धरना, प्रदर्शन व जेल भरो अभियानों का सहारा लिया।

2. बी.के.यू ने किसानों को लामबन्द करने के लिए जातिगत जुड़ाव का सहारा लिया।

3. बी.के.यू. की सम्पूर्ण गतिविधियों एवं धन संग्रहण व संचालन में जाति पंचायत की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

51. भारतीय किसान यूनियन के उदय के कारण समझाइये?

उत्तर:- बी.के.यू. पश्चिमी उत्तर-प्रदेश व हरियाणा के किसानों का संगठन है-

जिसके उदय के निम्नलिखित कारण हैं –

1. बी.के.यू. के अधिकांश किसान एक खास समुदाय के सदस्य थे।

2. बी.के.यू. के सदस्य 'जाति पंचायत' की व्यवस्था से परस्पर जुड़े हुए थे।

52. 'नेशनल फिशवर्कर्स फोरम' के आन्दोलन को समझाइये?

उत्तर:- भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटीय इलाकों में हजारों – हजार परिवार मत्स्य आखेट से जुड़े हैं।

सरकार द्वारा मशीनीकृत मत्स्य आखेट और बड़े पैमाने पर मत्स्य दोहन के लिए बॉटम ट्राउलिंग की अनुमति देने से मछुआरों के जीवन व आजीविका के समक्ष संकट खड़ा हो गया।

मछुआरों के स्थानीय संगठनों ने इसका विरोध किया। बाद में इन संगठनों ने अपना एक राष्ट्रीय मंच बनाया जिसे नेशनल फिशवर्कस फोरम नाम दिया। इस संगठन में 1997 में पहली बार केन्द्र सरकार से अपनी कानूनी लड़ाई लड़ी और सफलता प्राप्त की।

53. सूचना के अधिकार के आन्दोलन की विवेचना कीजिए।

उत्तर:- सूचना के अधिकार के आन्दोलन की शुरूआत 1990 में हुई। इसका नेतृत्व मजदूर किसान शक्ति संगठन ने किया। इस संगठन ने अकाल राहत कार्य और मजदूरों को दी जा रही पगार के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की।

इस संगठन ने 1994 और 1996 में 'जन सुनवाई' नामक कार्यक्रमों का आयोजन किया तथा प्रशासन को इस मामलें में अपना पक्ष रखने को कहा।

इस आन्दोलन के दबाव में राजस्थान सरकार ने पंचायती राज अधिनियम में संशोधन किया एवं पंचायतों पर सूचना का अधिकार लागू हुआ।

1996 में MKSS ने सूचना के अधिकार को लेकर राष्ट्रीय समिति का गठन कर इसे राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया।

वर्ष 2004 में सूचना के अधिकार का विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रपति ने 2005 में इस विधेयक की स्वीकृति प्रदान की।

शेखावाटी मिशन – 100

54. **आंध्र प्रदेश में चले शराब विरोधी आन्दोलन ने देश का ध्यान कुछ गंभीर मुद्दों की तरफ खींचा। ये मुद्दे क्या थे?**

उत्तरः- शराब विरोधी आन्दोलन ने देश का ध्यान निम्नलिखित गंभीर मुद्दों की ओर खींचा -

1. शराबखोरी की लत से पुरूषों के शरीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का कमजोर होना।
2. शराबखोरी के कारण पुरूषों की कार्य क्षमता कम होना व कामचोरी की आदत बढ़ना।
3. शराब माफिया के सक्रिय रहने से अपराधों को बढ़ावा मिलना।
4. अपराध और राजनीति के मध्य घनिष्ठ सम्बंध का होना।
5. इस आन्दोलन ने दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, लैंगिक असमानता, महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रति समाज में जागरूकता पैदा की।

55. **ताड़ी विरोधी आन्दोलन महिला आन्दोलन का हिस्सा था। कारण बताइये।**

उत्तरः- ताड़ी विरोधी आन्दोलन को महिला आन्दोलन का दर्जा दे सकते है क्योंकि -

1. यह महिलाओं का एक स्वतः स्फूर्त आन्दोलन था।
2. इसका प्रारम्भ महिलाओं द्वारा शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर हुआ परन्तु इसमें महिलाओं से सम्बंधित सभी मुद्दे शामिल होते गये।
3. घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, यौन उत्पीड़न जैसे महिलाओं के सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे राजनीतिक मुद्दे भी शामिल थे।
4. इस आन्दोलन में लैंगिक समानता पर आधारित व्यक्तिगत व सम्पति कानूनों एवं राजनीति प्रतिनिधित्व की मांग की गई।

56. **नर्मदा बचाओ आन्दोलन क्या था? इसका प्रमुख मुद्दा क्या था?**

उत्तरः- 'नर्मदा बचाओ आन्दोलन' मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में बनाये जा रहे बांधों के विरोध में चलाया गया आन्दोलन था।

इस आन्दोलन का प्रमुख मुद्दा बांधों के डूब क्षेत्र में आने वाले गाँवों के लोगों का पुनर्वास का मुद्दा था।

57. **नर्मदा बचाओ आन्दोलन ने नर्मदा घाटी की बांध परियोजनाओं का विरोध क्यों किया?**

अथवा

नर्मदा बचाओं आन्दोलन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तरः- बांध परियोजनाओं के विरोध का निम्नलिखित कारण थे -

1. बाँध निर्माण से प्राकृतिक नदियों व पर्यावरण पर बुरा असर पड़ता है।
2. प्रभावित गांवों के लोगों का पुनर्वास उचित व कारगर ढंग से नहीं होता है।
3. बांध निर्माण से लोगों की आजीविका और संस्कृति पर बुरा असर पड़ता है।
4. इन परियोजनाओं की निर्णय प्रकृति में स्थानीय लोगों की भागीदारी नहीं होती है।

58. **'नर्मदा बचाओं आन्दोलन' के विपक्ष में तर्क दीजिए।**

उत्तरः-

1. नर्मदा नदी पर बांध बनने से गुजरात, महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश को पेयजल, सिंचाई व बिजली उत्पादन की सुविधा मिलेगी।
2. बांध निर्माण से बाढ़ और सूखे की समस्या पर अंकुश लगेगा।
3. आन्दोलन का अड़ियल रवैया विकास प्रक्रिया को बाधित करता है।
4. राष्ट्रीय पुनर्वास नीति 2003 के जारी होने के पश्चात इस आन्दोलन को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

शेखावाटी मिशन - 100

59. 'जन आन्दोलनों ने देश में लोकतन्त्र को मजबूत किया है' तर्क दीजिए।

उत्तरः- जन आन्दोलन लोकतंत्र को मजबूत करते हैं इसे निम्न बिन्दुओं से समझा जा सकता है-

1. जन आन्दोलनों का उद्देश्य दलीय राजनीति की कमीयों को दूर करना है।
2. जन आन्दोलन समाज की उन सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को अभिव्यक्त करते हैं जिन्हें चुनावी राजनीति से हल नहीं किया जा सकता है।
3. जन आन्दोलन समाज के गहरे तनावों और जनता के क्षोभ को सार्थक दिशा प्रदान करते है।
4. जन आन्दोलनों ने जनता की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाया है।
5. जन आन्दोलन जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं।

60. जन आन्दोलनों के आलोचकों के मत को समझाइये ?

उत्तरः- जन आन्दोलनों के आलोचकों के तर्क निम्न लिखित हैं-

1. हड़ताल, धरना व रैली जैसी सामुहिक कार्यवाहियों से सरकार के काम काज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
2. जन-आन्दोलनों से सरकार की निर्णय प्रक्रिया बाधित होती है।
3. जन-आन्दोलन की उग्रता कानून-व्यवस्था को भंग करती है।
4. जन आन्दोलन रोजमर्रा की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं सामान्य जन की गतिविधियों को बाधित करती है।

61. 'सार्वजनिक नीतियों पर आन्दोलनों का असर सीमित रहा है।' कारण बताइये?

उत्तरः- सार्वजनिक नीतियों पर जन आन्दोलनों का असर सीमित/कम होने के निम्न लिखित कारण हैं-

1. समकालीन आन्दोलन किसी एक मुद्दे के इर्द-गिर्द ही जनता को लामबन्द कर पाते हैं।
2. ये आन्दोलन समाज के किसी एक वर्ग का ही प्रतिनिधित्व करते है।
3. जन आन्दोलनों का नेतृत्व वंचित व अधिकार विहीन वर्गों के मुद्दों को उचित ढंग से नहीं उठा पाता है।
4. जन आन्दोलनों और राजनीतिक दलों के आपसी सम्बंध कमजोर हो गये हैं।
5. जन आन्दोलन वंचित वर्गों के व्यापक गठबंधन को बनाने में असफल रहा है।

62. 'जन-आन्दोलन राजनीति की प्रयोगशाला हैं' समझाइये।

उत्तरः- जन आन्दोलन दलीय राजनीतियों की कमियाँ उजागर करते हैं, जिससे इन कमियों को दूर करने में दलों को मदद मिलती है।

साथ ही ये जन आक्रोश को सार्थक दिशा देकर नवीन अधिकारों को मांग प्रस्तुत करते हैं, जो सरकारों को नवीन नीतियाँ बनाने हेतु प्रेरित करते हैं।

जनआन्दोलन लोगों को सक्रिय रूप से राजनीति में भागीदार बनाते हैं तथा विभिन्न मुद्दों पर जनजागृति एवं जनमत निर्माण का कार्य करते हैं।

जन आन्दोलन लोकतंत्र के प्रमुख सिद्धान्तों जैसे समानता, न्याय, प्रतिनिधित्व आदि को प्रबल रूप से प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार से कहा जा सकता है, जन आन्दोलन राजनीति की प्रयोगशाला हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

अध्याय - 6
भारतीय राजनीति : नये बदलाव

1. भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव कब आये ?

उत्तरः- 1980 के दशक के आखिरी वर्षो में

2. इंदिरा गांधी की हत्या कब हुई?

उत्तरः- 31 अक्टुबर, 1984 को

3. 1984 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को कितनी सीटें मिली?

उत्तरः- 415

4. भारत में दलीय व्यवस्था का कौनसा रूप प्रचलित है?

उत्तरः- बहुदलीय व्यवस्था

5. बहुदलीय व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष क्या है?

उत्तरः- कमजोर और अस्थिर सरकार

6. राजीव गांधी की हत्या किसने की?

उत्तरः- लिट्टे से जुड़े श्रीलंकाई तमिलों ने।

7. राजीव गांधी की हत्या कब हुई?

उत्तरः- 21 मई, 1991 को

8. भारत में गठबंधन की राजनीति का युग कब प्रारम्भ हुआ?

उत्तरः- वर्ष 1989 से

9. गठबंधन सरकारों में सबसे बड़ी भूमिका किन पार्टीयों ने निभाई?

उत्तरः- क्षेत्रीय पार्टीयों ने

10. जनता दल का गठन कब हुआ?

उत्तरः- वर्ष 1977 में

11. 'राष्ट्रीय मोर्चा' का गठन कब हुआ?

उत्तरः- वर्ष 1989 में

12. 'राष्ट्रीय मोर्चा' में शामिल मुख्य दल कौनसा था?

उत्तरः- जनता दल

13. 'राष्ट्रीय मोर्चा' की सरकार को किन दलों ने समर्थन दिया?

उत्तरः- भाजपा और वाम मोर्चा ने

14. 'राष्ट्रीय मोर्चा' की सरकार में प्रधानमंत्री कौन थे?

उत्तरः- श्री वी.पी. सिंह

15. 'संयुक्त मोर्चा' की सरकार कब बनी ?

उत्तरः- वर्ष 1996 में

16. संयुक्त मोर्चा की सरकार को किसने समर्थन दिया?

उत्तरः- कांग्रेस एवं वाम मोर्चा ने

शेखावाटी मिशन - 100

17. **राजग (NDA) का पूरा नाम लिखिए?**

उत्तर:- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन **(National Democratic Alliance)**

18. **राजग का गठन कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 1998 में

19. **संप्रग (UPA) का पूरा नाम लिखिए।**

उत्तर:- संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन **(United Progressive Alliance)**

20. **संप्रग सरकार का गठन कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 2004 में

21. **'राजग' का मुख्य दल कौनसा है?**

उत्तर:- भाजपा

22. **संप्रग का मुख्य दल कौनसा है?**

उत्तर:- कांग्रेस

23. **मंडल आयोग का गठन कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 1978 में

24. **मंडल आयोग के अध्यक्ष कौन थे?**

उत्तर:- बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल

25. **मंडल आयोग का वास्तविक नाम क्या था?**

उत्तर:- दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग

26. **मंडल आयोग की सिफारिशें कब लागू की गई?**

उत्तर:- वर्ष 1990 में

27. **मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने से सम्बंधित मुख्य केस कौनसा है?**

उत्तर:- इन्दिरा साहनी केस 1992

28. **बामसेफ का गठन कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 1978 में

29. **बहुजन समाज पार्टी का गठन कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 1984 में

30. **बसपा के संस्थापक कौन थे?**

उत्तर:- कांशीराम

31. **भारतीय जनता पार्टी का निर्माण कब हुआ?**

उत्तर:- वर्ष 1980 में

32. **हिन्दुत्व या हिन्दूपन शब्द किससे गढ़ा?**

उत्तर:- वी.डी. सावरकर

33. **शाहबानो मामला किस वर्ष से सम्बंधित है?**

उत्तर:- 1985 से

शेखावाटी मिशन – 100

34. मुस्लिम महिला अधिनियम पास हुआ?

उत्तर:- 1986 में

35. बाबरी मस्जिद विध्वंस कब हुआ?

उत्तर:- 6 दिसम्बर, 1992 को

36. सिख विरोधी दंगे कब हुए?

उत्तर:- 1984 में

37. गुजरात दंगे कब हुए?

उत्तर:- 2002 में

38. राजीव गांधी के मृत्यु के बाद किसे प्रधानमंत्री चुना गया।

उत्तर:- पी. वी. नरसिम्हा राव को

39. कौनसा क्षेत्रीय दल हिन्दी भाषा का विरोधी और राज्यों की स्वतंत्रता का पक्षधर है?

उत्तर:- द्रविड मुनेत्र कषगम (डी.एम.के)

40. भारत के राजनीतिक दलों को मान्यता कौन प्रदान करता है?

उत्तर:- भारतीय निर्वाचन आयोग

41. 2014 एवं 2019 में किस दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ?

उत्तर:- भाजपा

42. 2019 में भाजपा को कितने सीटें प्राप्त हुई है?

उत्तर:- 303

43. 2019 में कंाग्रेस को कितनी सीटें प्राप्त हुई?

उत्तर:- 52

44. 1990 के दशक में भारतीय राजनीति में कौन-कौन से बड़े बदलाव आये?

उत्तर:- भारतीय राजनीति में आये पांच बड़े बदलाव निम्न लिखित हैं -

1. 1989 के चुनावों में कांग्रेस की हार और केन्द्र में गठबंधन की राजनीतिक के दौर का प्रारम्भ।
2. मंडल मुद्दा और अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय होना।
3. नये आर्थिक सुधारों को लेकर सभी दलों में आम सहमति का निर्माण।
4. भारतीय जनता पार्टी का उदय और हिन्दुत्व की राजनीति का प्रारम्भ।
5. राजीव गांधी का हत्या और कांग्रेस के नेतृत्व में परिवर्तन।

45. भारत में गठबंधन सरकारों के उदय के मुख्य कारण क्या - क्या रहे हैं?

उत्तर:- भारत में गठबंधन सरकारों के उदय के निम्नलिखित कारण रहे हैं :-

1. कांग्रेस के प्रभुत्व की समाप्ती
2. कांग्रेस के विरूद्ध विपक्षी दलों की गठबंधनवादी नीति।
3. लोकसभा में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलना।
4. क्षेत्रीय दलों की बढ़ती भूमिका।

शेखावाटी मिशन - 100

46. 'गठबंधन की राजनीति के इस नए दौर में राजनीतिक दल विचारधारा को आधार मानकर गठजोड़ नहीं करते हैं' इस कथन के पक्ष व विपक्ष में तर्क दीजिए –

उत्तरः- वर्तमान युग में राजनीतिक गठबंधन का आधार विचारधारा न होकर अन्य राजनीतिक हित हो गये हैं जैसे –

1. किसी दल विशेष को चुनौती देना – 1977 में बने जनता दल का उद्देश्य कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती देना था।

2. किसी दल को सत्ता प्राप्त करने से रोकना – 1989 के राष्ट्रीय मोर्चा का उद्देश्य कांग्रेस को और 1996 के संयुक्त मोर्चा का उद्देश्य भाजपा को सत्ता में आने से रोकना था।

किन्तु वर्तमान में भी कुछ राजनीतिक दल अन्य दल के साथ गठबंधन बनाते वक्त विचारधारा को भी महत्त्व देते है:-

1. वाम मोर्चा ने दक्षिण पंथी भाजपा के साथ अभी तक कोई गठबंधन नहीं बनाया है।

2. कांग्रेस और भाजपा अधिकांश मुद्दों पर परस्पर विरोधी रूप में रहते हैं।

47. गठबंधन सरकारों के प्रमुख दोष बताइये।

उत्तरः- 1. कमजोर व अस्थिर सरकारों का निर्माण

2. अवसरवादिता की प्रवृत्ति को बढ़ावा।

3. अनुत्तरदायित्व की प्रवृत्ति का विकास।

4. राजनीतिक दलों की नीतियों और कार्यक्रमों में अनिश्चितता व अस्पष्टता।

48. 1990 के पश्चात भारत में राजनीतिक दलों के कौनसे गठबंधन उभरे हैं? किन्हीं दो के परिमाणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः- 1990 के बाद उभरे प्रमुख गठबंधन

1. राष्ट्रीय मोर्चा – 1989

2. संयुक्त मोर्चा – 1996

3. राजग – 1998

4. संप्रग – 2004

राजग – इसका गठन 1998 में भाजपा एवं कुछ क्षेत्रीय दलों ने किया।

इस गठबंधन की सरकार 1998 से 99 ओर 1999 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी।

संप्रग – इसका गठन 2004 में कांग्रेस एवं क्षेत्रीय दलों ने मिलकर किया।

मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 2004 से 2009 और 2009 से 2014 तक दो बार इसकी सरकार बनी।

49. कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है। इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर लगातार कायम है। क्या आप इस कथन से सहमत है? अपने उत्तर के पक्ष मे तर्क दीजिए।

उत्तरः- कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है किन्तु देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर अभी भी कायम है क्योंकि–

1. कांग्रेस वर्तमान में भी दूसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है।

2. कांग्रेस द्वारा निर्मित 'संप्रग' 2004 से 2014 तक सत्ता मे रहा है।

3. वर्तमान में कांग्रेस सम्पूर्ण विपक्ष का नेतृत्व करने वाली पार्टी है।

4. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शेखावाटी मिशन – 100

50. 'मंडल मुद्दा' क्या था? समझाइये।

उत्तर:- 1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार द्वारा मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कर 'अन्य पिछड़ा वर्ग' को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। इसके परिमाण स्वरूप इस आरक्षण के समर्थकों एवं विरोधियों के मध्य चले संघर्ष को 'मण्डल मुद्दा' कहा जाता है।

51. 'मंडल आयोग' को सविस्तार समझाइये।

उत्तर:- 1978 में जनता पार्टी की सरकार ने पिछड़ा वर्ग की स्थिति सुधारने हेतु 'दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग' का गठन किया। जिसके अध्यक्ष बी. पी. मण्डल थे। इन्हीं के नाम पर इसे 'मण्डल आयोग' भी कहा जाता है।

इस आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर निम्नलिखित सिफारिशें की-

1. पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी जाति के रूप में स्वीकार किया जाये।
2. इन पिछड़ी जातियों को शिक्षा संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये।

1990 में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार ने इन सिफारिशों को लागू किया। इस फैसले को न्यायालय में चुनौती दी गई। सर्वोच्च न्यायालय ने इन्दिरा साहनी केस 1992 में इसे सही ठहराया।

52. मंडल आयोग की सिफारिशे लागू करने का समाज व राजनीति पर क्या प्रभाव हुआ?

उत्तर:- इसके प्रभाव निम्नलिखित हैं -

1. इससे पिछड़ा वर्ग अपनी पहचान को लेकर सजग हुआ।
2. इससे पिछड़ा वर्ग संगठित हुआ।
3. अनेक राजनीतिक दलों ने पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर अपनी सहमति दी।
4. पिछड़ा वर्ग को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला और बसपा का उदय हुआ।

53. भाजपा के उदय को समझाइये।

उत्तर:- भाजपा का गठन 1980 में किया गया। इसे 1980 व 1984 के चुनावों में कोई खास सफलता नहीं मिली। 1986 के बाद भाजपा ने हिन्दू राष्ट्रवाद की विचारधारा पर जोर देना प्रारम्भ किया।

1986 को दो महत्त्वपूर्ण घटनाऐं -

1. 1985 के शाहबानों केस में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को राजीव गांधी की सरकार द्वारा पलट कर मुस्लिम महिला अधिनियम पास करना।
2. फैजाबाद जिला न्यायालय द्वारा बाबरी मस्जिद के अहाते का ताला हिन्दुओं के पूजापाठ हेतु खोलने का निर्णय देना।

उपर्युक्त दोनों घटनाओं ने भाजपा को प्रधान हिन्दुत्ववादी पार्टी बना दिया।

1991 के चुनावों में भाजपा हिन्दुत्व के विचार के साथ आगे बढ़ी व उसे अपेक्षाकृत रूप से अधिक सफलता मिली।

1996 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी लेकिन सरकार नहीं बना पायी।

1998 में भाजपा व उसके सहयोगी दलों ने राजग का निर्माण किया तथा इसकी सरकार (1998-99 व 1999-2004 तक) रही।

वर्ष 2014 व 2019 के चुनावों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला। वर्तमान में भाजपा भारत की सबसे बड़ी पार्टी है।

शेखावाटी मिशन - 100

54. 'एक नई सहमति का उदय' को समझाइये ।

अथवा

वर्तमान में किन-किन मामलों को लेकर राजनीतिक दलों के मध्य व्यापक सहमति है?

उत्तरः- कड़े मुकाबले और व्यापक संघर्षों के बावजूद अधिकतर राजनीतिक दलों के बीच निम्न 4 मुद्दों पर व्यापक सहमति है-

1. नई आर्थिक नीतियों पर सहमति - अधिकतर राजनीतिक दलों का विश्वास है कि नई आर्थिक नीतियों से देश समृद्ध होगा और विश्व की एक आर्थिक शक्ति बनेगा।

2. पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावें की स्वीकृति - सभी दल पिछड़ी जातियों को शिक्षा व रोजगार में आरक्षण के पक्ष में है तथा सभी दल इनकी सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

3. देश के शासन में प्रान्तीय दलों की भूमिका की स्वीकृति - जिससे प्रान्तीय व राष्ट्रीय दलों का भेद कम हो रहा है और प्रान्तीय दल केन्द्र सरकार में साझेदार बन रहे हैं।

4. विचारधारा की जगह कार्यसिद्धि पर बल देना और विचारधारा की समानता के बिना राजनीतिक गठबंधन बनाना।

55. निम्नलिखित में मिलान कीजिए-

1. सर्वानुमति की राजनीति	**(1) आर्थिक नीतियों पर सहमति**
2. जाति आधारित दल	**(2) अन्य पिछड़ा वर्ग का उभार**
3. पर्सन लॉ और लैंगिक न्याय	**(3) शाहबानों केस**
4. क्षेत्रीय पार्टीयों की बढ़ती ताकत	**(4) गठबंधन सरकार**

उत्तरः- ये इसी क्रम में सुमेलित हैं।

56. 'भारत की मौजूदा बहुदलीय व्यवस्था, द्विदलीय व्यवस्था से अधिक उपयुक्त है' कथन के पक्ष मे तर्क दीजिए।

उत्तरः- भारत में अनेक लोगों का मानना है कि भारत में भी ब्रिटेन व अमेरिका की भांति द्विदलीय व्यवस्था होनी चाहिए किन्तु भारत की मौजूदा बहुदलीय व्यवस्था द्विदलीय व्यवस्था से अधिक उपयुक्त है क्योंकि -

1. बहुदलीय व्यवस्था के कारण भारतीय राजनीति में सभी वर्गो के हितों को प्रतिनिधित्व मिल जाता है।

2. बहुदलीय व्यवस्था मतदाताओं को चयन के अधिक विकल्प देती है।

3. बहुदलीय व्यवस्था के कारण राष्ट्र दो गुटों में विभाजित नहीं होता है।

4. इससे मंत्रीमण्डल की तानाशाही स्थापित नहीं होती है।

5. बहुदलीय व्यवस्था से व्यवस्थापिका में अनेक विचारधाराओं को प्रतिनिधित्व मिलता है।

शेखावाटी मिशन - 100

राजनीति विज्ञान – बोर्ड नमूना प्रश्न-पत्र

समय : 2 घण्टे 45 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों में उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखे – (1×12=12 *अंक*)

(i) उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की स्थापना की गई

(1)1962 (2)1967 (3)1953 (4) 1949 (4)

(ii) शॉक थैरेपी किस वर्ष अपनायी गई थी -

(1)1980 (2)1990 (3)1949 (4)1995 (2)

(iii) साफ्टा संबंधित है-

(1)आसियान (2)सार्क (3)यूनेस्को (4)ओपेक (2)

(iv) भारत ने पहला परमाणु परीक्षण किया-

(1)1974 (2)1975 (3)1978 (4)1980 (1)

(v) 'वैश्विक सम्पदा' या 'मानवता की साझी विरासत' में क्या सम्मिलित नहीं है ?

(1)वायुमण्डल (2)सड़क मार्ग (3)समुद्री सतह (4)बाहरी अन्तरिक्ष (2)

(vi) स्वतंत्र भारत में प्रथम आम चुनाव कब हुआ था -

(1)1952 (2)1962 (3)1960 (4) 1972 (1)

(vii) नीति आयोग की स्थापना कब हुयी थी -

(1)2010 (2)2012 (3)2015 (4)2017 (3)

(viii) चिपको आंदोलन की शुरूआत किस राज्य से हुई -

(1)झारखंड (2)उत्तराखंड (3)मणिपुर (4)उत्तरांचल (2)

(ix) निम्न राजनीतिक दलों में से नया राजनीतिक दल कौन सा है ?

(1)इण्डियन नेशनल कांग्रेस (2)भारतीय जनता पार्टी

(3)बहुजन समाजवादी पार्टी (4)आम आदमी पार्टी (4)

(x) संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम महासचिव कौन थे ?

(1)ट्राइग्व ली (2)डैग हैमरशोल्ड (3)यू थांट (4)बान-की-मून (1)

(xi) 2 जून, 2014 को निम्न में से कौन-सा नया राज्य बना है ?

(1)छत्तीसगढ़ (2)उत्तराखंड (3)झारखंड (4)तेलंगाना (4)

(xii) स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे -

(1)जवाहरलाल नेहरू (2)सरदार वल्लभ भाई

(3)मौलाना अबुल कलाम आजाद (4)भीमराव अम्बेडकर (3)

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (1×6=6 *अंक*)

(1) संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में ....स्थायी और ....अस्थायी सदस्य संख्या है।

(2) भारत में संसदीय शासन पर आधारित..........लोकतंत्र को अपनाया है।

(3) प्रथम विश्वयुद्ध सन्........से........तक चला था

(4) रूस की 1971 की समाजवादी क्रांति के बाद....... अस्तित्व में आया।

(5) नामदेव ढसाल......... भाषा के प्रसिद्ध कवि थे।

(6) मण्डल आयोग को उनके अध्यक्ष.........के नाम पर मंडल कमीशन कहा जाता है।

उत्तरः- 1. 5, 10 2. प्रतिनिधित्वमूलक, 3. 1914, 1918, 4. समाजवादी सोवियत गणराज्य, 5. मराठी, 6. बी.पी.मंडल

शेखावाटी मिशन – 100

3. **निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए -** (1×12=12)

(1) **गुटनिरेपक्ष आंदोलन के प्रणेता कौन थे?**

उत्तर:- जोसेफ ब्रॉज टीटो।

(2) **सोवियत संघ का विघटन कब हुआ?**

उत्तर:- 1991 में

(3) **सार्क (SAARC) का पूरा नाम लिखिए**

उत्तर:- सार्क (SAARC-South Asian Association for Regional Cooperation) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

(4) **द्विराष्ट्र सिद्धांत किस राजनीतिक दल द्वारा दिया गया था ?**

उत्तर:- मुस्लिम लीग के द्वारा

(5) **प्रथम पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल बताइए ।**

उत्तर:- 1951 से 1956 तक

(6) **ग्रामीण महिलाओं ने शराब के खिलाफ कौन-सा विरोधी आंदोलन किया था ?**

उत्तर:- ताड़ी-विरोधी आंदोलन ।

(7) **राजीव गांधी की मृत्यु के बाद कांग्रेस पार्टी ने किन्हें अपना प्रधानमंत्री चुना ?**

उत्तर:- नरसिम्हा राव को।

(8) **2019 का 18 वां गुटनिरेपक्ष सम्मेलन किस देश में हुआ था ?**

उत्तर:- अजरबेजान देश के बाकू शहर में।

(9) **ब्लादिमीर लेनिन किस पार्टी के संस्थापक थे ?**

उत्तर:- बोल्शेविक कम्युनिस्ट पार्टी के।

(10) **कवि द्वारा 'सूरजमुखी आशीषों वाला फकीर' शब्द किनके लिए प्रयुक्त किया गया है ?**

उत्तर:- डॉ. भीमराव अम्बेडकर के लिए

(11) **बामसेफ का पूरा नाम लिखिए**

उत्तर:- पिछड़ा और अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी महासंघ ।

(12) **'मिल्क मैन ऑफ इंडिया' के नाम से कौन मशहूर है ?**

उत्तर:- बर्गीज कुरियन

खंड - ब

लघुत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा 50 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक) -

4. **महाशक्तियों के छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन के दो कारण लिखिए**

उत्तर:- महाशक्तियां छोटे देशों के साथ निम्न कारणों से सैन्य गठबंधन रखती थी

1. महत्त्वपूर्ण संसाधन हासिल करना- महाशक्तियों को छोटे देशों से तेल तथा खनिज पदार्थ इत्यादि प्राप्त होता था।

2. भू-क्षेत्र-महाशक्तियां इन छोटे देशों के यहां अपने हथियारों की बिक्री करती थी और इनके यहां अपने सैन्य अड्डे स्थापित करके सैन्य का संचालन करती थी।

5. **सोवियत संघ के विघटन के दो कारण बताइए।**

उत्तर:- 1.तत्कालीन सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिसाइल गोर्बाचेव द्वारा चलाये गये राजनतिक व आर्थिक सुधार कार्यक्रम

2. सोवियत संघ के गणराज्यों में लोकतांत्रिक एवं उदारवादी भावनाओं का उत्पन्न होना।

6. **दक्षेस संगठन के प्राथमिक सात सदस्य देशों के नाम लिखिए**

उत्तर:- दक्षेस संगठन के प्राथमिक सात सदस्यों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मालदीव, श्रीलंका शामिल हैं।

शेखावाटी मिशन - 100

7. रियो सम्मेलन के कोई दो परिणाम लिखिए।

उत्तर:- रियो सम्मेलन (पृथ्वी सम्मेलन) के दो परिणाम निम्नलिखित है-

1. इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप विश्व राजनीति के दायरे में पर्यावरण को लेकर बढ़ते सरोकारों को एक ठोस रूप मिला।

2. रियो सम्मेलन में जलवायु परिवहन,जैव-विविधता और वानिकी के संबंध में कुछ नियमाचार निर्धारित किए गए।

8. समाजवादी दलों और कम्युनिस्ट पार्टी के बीच दो अंतर बताईए।

उत्तर:- 1. समाजवादी दल लोकतांत्रिक विचारधारा में विश्वास करते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी सर्वहारा वर्ग के अधिनायकवाद में विश्वास करती है।

2. समाजवादी दल अपने उदेश्य को प्राप्त करने के लिये राज्य रूपी संस्था को रखना चाहते हैं जबकि कम्युनिस्ट पार्टी राज्य को समाप्त करने का पक्ष लेती है।

9. हरित क्रांति के दो सकारात्मक परिणामों का उल्लेख करें।

उत्तर:- 1. भारत में हरित क्रांति से गेहूँ व चावल की पैदावार में अत्यधिक वृद्धि हुयी।

2. हरित क्रांति के परिणामस्वरूप भारत खाद्यान्न के दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर देश बन गया।

10. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक सदस्यों के नाम लिखिए।

उत्तर:- गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक सदस्यों में जोसेफ ब्राँज टीटो (युगोस्लाविया), जवाहरलाल नेहरू (भारत), गमाल अब्दुल नासिर (मिस्र), सुकर्णो (इंडोनिशिया)तथा वामे एनक्रुमा (घाना)शामिल थे।

11. सोवियत अर्थव्यवस्था को किसी पूँजीवादी देश जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली किन्हीं दो विशेषताओं का जिक्र करें।

उत्तर:- सोवियत अर्थव्यवस्था को पूँजीवादी देश, जैसे-संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली विशेषताएं निम्न प्रकार हैं-

1. सोवियत अर्थव्यवस्था पूँजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था से भिन्न है, क्योंकि इसमें उद्योगों को अधिक महत्व नहीं दिया गया, जबकि पूँजीवादी देशों में विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योग-धन्धों को विशेष महतव दिया गया।

2. सोवियत अर्थव्यवस्था में उत्पादन तथा वितरण के साधनों पर राज्य या सरकार का नियन्त्रण था, जबकि पूँजीवादी देशों में निजीकरण को अपनाया गया।

12. ऐसे दो मसलों का नाम बताएं जिन पर भारत-बांग्लादेश के बीच आपसी सहयोग है।

उत्तर:- भारत और बांग्लादेश के बीच आपसी सहयोग के निम्न दो मसले निम्न हैं-

1.विगत दस वर्षों के दौरान दोनों के बीच आर्थिक संबंध ज्यादा बेहतर हुए हैं। बांग्लादेश भारत की 'पूरब की ओर चलो' की नीति का हिस्सा है। इस नीति के अन्तर्गत म्यांमार के जरिए दक्षिण-पूर्व एशिया से सम्पर्क साधने की बात है।

2. आपदा-प्रबंधन और पर्यावरण के मसले पर दोनों देशों में सहयोग है।

13. आतंकवाद सुरक्षा के लिए परम्परागत खतरे की श्रेणी में आता है या अपरम्परागत। उल्लेख करें।

उत्तर:- आतंकवाद 21 वीं शताब्दी में विश्व स्तर पर सुरक्षा की नई चुनौती है। यह अपरम्परागत सुरक्षा के खतरों की श्रेणी में आता है। वैसे तो आतंकवाद का अस्तित्व काफी पुराना है, लेकिन विश्व के राष्ट्रों व जनता की सुरक्षा की चुनौती के रूप में इसने सबका ध्यान तब आकर्षित किया जब 11 सितम्बर, 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेण्टर पर आतंकवादियों ने हमला किया। आतंकवादी घटनाएं तब से विभिन्न देशों में घटित होती रही हैं, आतंकवाद का उदेश्य जनमानस को आतंकित करना अथवा उसमें भय व्याप्त करना है।

14. क्या एकल पार्टी प्रभुत्व की प्रणाली का भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र पर खराब असर हुआ है?

उत्तर:- यह सत्य है कि एकल पार्टी प्रभुत्व प्रणाली का राजनीतिक लोकतांत्रिक प्रवृति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है तथा प्रभुत्व प्राप्त दल विपक्षी पार्टियों की आलोचना की परवाह न करके मानमाने ढंग से शासन चलाने लगता है व लोकतंत्र को तानाशाही शासन में बदलने की संभावना विकसित होती है, परन्तु हमारे देश में ऐसा नहीं हुआ। पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस के प्रभुत्व का भारतीय राजनीति पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा। इसने भारतीय राजनीति के लोकतांत्रिक चरित्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

शेखावाटी मिशन - 100

15. बॉम्बे प्लान से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर:- भारत में सन् 1944 में उद्योगपतियों का एक वर्ग एकजुट हुआ। इस समूह ने देश में नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया। इसे बॉम्बे प्लान कहा जाता है। बॉम्बे प्लान का मत था कि सरकार औद्योगिक और अन्य आर्थिक निवेश के क्षेत्र में बड़े कदम उठाए। इस प्रकार दक्षिणपंथी और वामपंथी सभी नियोजित अर्थव्यवस्था की राह पर चलना चाहते थे।

16. 1970 के दशक में इंदिरा गांधी सरकार किन कारणों से लोकप्रिय हुई थी? कोई दो कारण लिखिए।

उत्तर:- 1. सन् 1970 के दशक में कांग्रेस को इंदिरा गांधी के रूप में एक करिश्माई नेता मिल गया। वह प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुत्री थी तथा उन्होंने स्वयं को गांधी परिवार का वास्तविक राजनीतिक उत्तराधिकारी बताने के साथ-साथ अधिक प्रगतिशील कार्यक्रम यथा बीस सूत्री कार्यक्रमों, गरीबी हटाने के लिए बैंकों के राष्ट्रीयकरण के वादे तथा कल्याणकारी सामाजिक, आर्थिक कार्यक्रम की घोषणा की। वह देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री होने के कारण महिला मतदाताओं में अधिक लोकप्रिय हुई।

2. इंदिरा गांधी द्वारा 20 सूत्री कार्यक्रम प्रस्तुत करना, बैंकों का राष्ट्रीयकरण करना, प्रिवीपर्स को समाप्त करना।

खंड - स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 3 अंक) -

17. श्रीलंका के जातीय संघर्ष में किनकी भूमिका प्रमुख है?

उत्तर:- श्रीलंका के जातीय संघर्ष में सिंहलियों के बहुसंख्यकवाद एवं तमिलों के आतंकवाद दोनों की ही मुख्य भूमिका रही है। श्रीलंका में मुख्य रूप से सिंहली समुदाय की अधिकता है जो भारत छोड़कर श्रीलंका आ बसे तमिलों के खिलाफ हैं। सिंहली राष्ट्रवादियों का मानना है कि श्रीलंका में तमिलों के साथ कोई रियायत नहीं बरती जानी चाहिए क्योंकि श्रीलंका केवल सिंहली समुदाय का है। तमिलों के प्रति उपेक्षा भरे बर्ताव से एक उग्र तमिल राष्ट्रवाद की आवाज बुलन्द हुई। सन् 1983 के पश्चात् से उग्र तमिल संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) श्रीलंका की सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष प्रारंभ किया। इसने तमिल ईलम अर्थात् श्रीलंका के तमिलों के लिए एक अलग राष्ट्र की मांग रखी। धीरे-धीरे श्रीलंका में जातीय संघर्ष तेज होने लगा। विस्फोट एवं हत्याएं होने लगी। सन् 1987 में भारत ने श्रीलंका में शांति सेना भेजी, जिसे श्रीलंका की जनता ने पसन्द नहीं किया। फलस्वरूप सन 1989 में भारत ने अपनी शांति सेना बिना लक्ष्य प्राप्त किये वापस बुला ली। भारत व श्रीलंका ने इस जातीय संघर्ष की समाप्ति के लिए भरपूर प्रयास किये, लेकिन सफलता नहीं मिली। सन 2009 में लिट्टे प्रमुख प्रभाकरन के सैनिक कार्यवाही में मारे जाने के पश्चात लिट्टे के खात्मे के साथ ही सशस्त्र संघर्ष समाप्त हो गया।

अथवा

दक्षिणी एशिया में द्विपक्षीय संबंधों को बाहरी शक्तियां कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर:- कोई भी क्षेत्र अपने को गैर-इलाकाई ताकतों से अलग रखने की कितनी भी कोशिश क्यों न करे उस पर बाहरी ताकतों और घटनाओं का असर पड़ता ही है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण एशिया की राजनीति में अहम-भूमिका निभाते हैं

भारत और चीन के संबंधों में पहले से निकटता आई है। परन्तु चीन के संबंध पाकिस्तान से भी हैं, इस कारण भारत-चीन संबंधों में इतनी निकटता नहीं आ पायी है। यह एक बड़ी कठिनाई के रूप में है। शीतयुद्ध के बाद दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभाव तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने शीतयुद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों से अपने संबंध बेहतर किये हैं। दोनों में आर्थिक सुधार हुए हैं और उदार नीतियां अपनायी गयी हैं। इससे दक्षिण एशिया में अमेरिकी भागीदारी ज्यादा गहरी हुई है। अमेरिका में दक्षिण एशियाई मूल के लोगों की संख्या अच्छी खासी है। फिर इस क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के भविष्य से अमेरिका के हित भी बंधे हुए हैं।

बाहरी शक्तियां अपने लाभों या हितों को ध्यान में रखकर दक्षिण एशियाई देशों से संबंध रखती है ताकि वे अपने हितों को पूरा कर सकें।

शेखावाटी मिशन - 100

18. साझी परंतु अलग-अलग जिम्मेदारियों से क्या अभिप्राय है? हम इस विचार को कैसे लागू कर सकते हैं?

उत्तर:- विश्व पर्यावरण की रक्षा के संबंध में 'साझी लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारीयां' विचार के प्रतिपादन का तात्पर्य है कि विश्व पर्यावरण की रक्षा में विकसित देशों की जिम्मेदारी अधिक है। यह जिम्मेदारी विकसित व विकासशील देशों के लिए बराबर नहीं हो सकती। इसके अलावा अभी गरीब देश विकास के पथ पर गुजर रहे हैं, अत: उनके ऊपर पर्यावरण रक्षा की जिम्मेदारी विकसति देशें के बराबर नहीं हो सकती। इस प्रकार सन 1992 में हुए रियो सम्मेलन (पृथ्वी सम्मेलन) में माना गया कि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून के निर्माण, प्रयोग और व्याख्या में विकासशील देशों की विशिष्ट जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए।

साझी जिम्मेदारी तथा अलग-अलग भूमिका के सिद्धांत को लागू करने हेतु यह आवश्यक है कि विभिन्न देशों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के लिए उत्तरदायी गैसों के उत्सर्जन व तत्वों के प्रयोग का आकलन किया जाए ताकि प्रदूषण रोकने के प्रयासों में उसी अनुपात में उस देश की जिम्मेदारी तय की जाए। चूंकि पर्यावरण प्रदूषण का मुद्दा एक साझा वैश्विक मुद्दा है, अत: विकसित देशों को आधुनिक प्रौद्योगिकी का विकास कर गरीब देशों को उपलब्ध कराना आवश्यक है। जो देश अभी तक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन नहीं कर पाए हैं तथा अभी विकास की प्रक्रिया में पीछे हैं, उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी व तकनीक प्रदान कर पर्यावरण रक्षा हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अथवा

वैश्विक पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे 1990 के दशक से विभिन्न देशों के प्राथमिक सरोकार क्यों बन गए हैं?

उत्तर:- वैश्विक पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे 1990 के दशक में निम्न कारणों से विभिन्न देशों के प्राथमिक सरोकार बन गए हैं -

1. खाद्यान्न उत्पादन में कमी आना- दुनिया में जहां जनसंख्या बढ़ रही है, वहीं कृषि योग्य भूमि में कोई बढ़ोतरी नही हो रही है। जलाशयों की जलराशि में कमी तथा उनका प्रदूषण, चरागाहों की समाप्ति तथा भूमि के अधिक सघन उपयोग में उसकी उर्वरता कम हो रही है तथा खाद्यान्न उत्पादन जनसंख्या के अनुपात में कम हो रहा है।

2. स्वच्छ जल की उपलब्धता में कमी आना- संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व विकास रिपोर्ट सन 2016 के अनुसार 30 लाख से अधिक बच्चे स्वच्छ जल तथा स्वच्छता की कमी के कारण मौत के शिकार हो जाते हैं।

3. जैव विविधता का क्षरण होना- वनों के कटाव से जैव विविधता का क्षरण तथा जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है।

4. ओजोन परत का क्षय होना- क्योलोफ्लोरा कार्बन गैसों के उत्सर्जन से जहां वायुमंडल की ओजोन परत का क्षय हो रहा है, वहीं ग्रीन हाउस गैसों के कारण ग्लोबल वार्मिग की समस्या खड़ी हो गई है। ग्लोबल वार्मिग से कई देशों के जलमग्न होने का खतरा बढ़ गया है।

5. समुद्रतटीय क्षेत्रों में प्रदूषण का बढ़ना- समुद्रतटीय क्षेत्रों के प्रदूषण के कारण समुद्री पर्यावरण की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है। चूंकि विश्व समुदाय को यह आभास हो गया है कि उक्त समस्याएं वैश्विक हैं तथा इनका समाधान बिना वैश्विक सहयोग के संभव नहीं है, अत: पर्यावरण का मुद्दा विश्व राजनीति का भी अंग बन गया है।

19. दलित पैंथर्स ने कौन कौनसे मुद्दे उठाए?

उत्तर:- बीसवीं शताब्दी के सातवें दशक के प्रारम्भिक वर्षों से शिक्षित दलितों की पहली पीढ़ी ने अनेक मंचों से अपने हक की आवाज उठायी। इनमें अधिकतर शहर की झुग्गी-बस्तियों में पलकर बड़े हुए दलित थे। दलित हितों की दावेदारी के इसी क्रम में महाराष्ट्र में दलित युवाओं का एक संगठन दलित पैंथर्स सन 1972 ई में गठित हुआ।

मुद्दे- दलित पैंथर्स के द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे निम्नांकित थे-

1. स्वतंत्रता के पश्चात के वर्षों में दलित समूह मुख्यतया जाति आधारित असमानता तथा भौतिक साधनों के मामले में अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ रहे थे। वे इस बात को लेकर जागरूक थे कि संविधान में जाति आधारित किसी भी प्रकार के भेदभाव के विरूद्ध गारंटी दी गयी है।

2. भारतीय संविधान में अस्पृश्यता की प्रथा को समाप्त कर दिया गया है। सरकार द्वारा इसके अन्तर्गत साठ व सत्तर के दशक में कानून बनाए गए। इसके बावजूद प्राचीन काल में जिन जातियों को अछूत माना गया था, उनके साथ इस नए दौर में भी सामाजिक भेदभाव व हिंसा का व्यवहार कई रूपों में लगातार जारी रहा।

शेखावाटी मिशन - 100

3. दलितों की बस्तियां मुख्य गांव से अब भी दूर होती थी। दलित महिलाओं के साथ यौन-अत्याचार होते थे। जातिगत प्रतिष्ठा की छोटी-छोटी बातों को लेकर दलितों पर सामूहिक अत्याचार किए जाते थे। दलितों के सामाजिक व आर्थिक उत्पीड़न को रोक पाने में कानून की व्यवस्था अपर्याप्त सिद्ध हो रही है।

अथवा

क्या आंदोलन और विरोध की कार्यवाहियों से देश का लोकतंत्र मजबूत होता है? अपने उत्तर की पुष्टि में उदाहरण दीजिए।

उत्तरः- जन आंदोलनों का इतिहास हमें लोकतांत्रिक राजनीति को बेहतर तरीके से समझने में सहायता प्रदान करता है। इन आंदोलनों का उदेश्य दलीय राजनीति की कमियों को दूर करना था। समाज के गहरे तनावों और जनता के क्षोभ को एक सार्थक दिशा देकर इन आंदोलनों ने एक प्रकार से लोकतंत्र की रक्षा की है। सक्रिय भागीदारी के नए रूपों के प्रयोग ने भारतीय लोकतंत्र के जनाधार को बढ़ाया है।

1. चिपको आंदोलन अहिंसक व शांतिपूर्ण ढंग से चलाया गया एक व्यापक जन-आंदोलन था। इससे वृक्षों की कटाई और वनों का उजड़ना बंद हुआ। पशु-पक्षियों एवं आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन तथा स्वास्थ्यवर्धक पर्यावरण मिला। सरकार लोकतांत्रिक मांगों के सामने झुकी।

2. दलित पैंथर्स के नेताओं द्वारा चलाए गए आंदोलनों, सरकार विरोधी साहित्यकारों की कविताओं व रचनाओं ने, आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा पिछड़ी जातियों में चेतना जगाई। जातिगत भेदभव व अस्पृश्यता को धक्का लगा। समाज में समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनैतिक न्याय को सुदृढ़ता मिली।

3. वामपंथियों द्वारा शांतिपूर्वक चलाए गए किसान व मजदूर आंदोलन द्वारा जन-साधारण में जागृति, राष्ट्रीय कार्यों में भागीदारी व सर्वहारा वर्ग की उचित मांगों हेतु सरकार को जगाने में सफलता प्राप्त हुई।

4. ताड़ी विरोधी आन्दोलन ने नशाबंदी व मद्य निषेध के मुद्दे पर वातावरण तैयार किया। महिलाओं से संबंधित अनेक समस्याएं (यौन उत्पीड़न, घरेलू समस्या, दहेज प्रथा तथा महिलाओं को विधायिकाओं में आरक्षण दिया जाना)उठी। संविधान में कुछ संशोधन हुए तथा कानून बनाए गए।

20. कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है। इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर लगातार कायम है। क्या आप इस बात से सहमत है? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तरः- मैं इस कथन से असहमत हूं कि कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है। इसके बावजूद देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर लगातार कायम है। 1989 की हार के साथ भारत की दलीय व्यवस्था में उसका दबदबा समाप्त हो गया। 1991 के पश्चात इस पार्टी की सीटों की संख्या एक बार फिर बढ़ी। 2004 व 2009 के चुनावों में कांग्रेस ने पुनः अपना रंग दिखाया और पहले से कई अधिक सीटों पर जीत प्राप्त की लेकिन 2014 के चुनाव में यह पार्टी मात्र 44 सीटों पर सिमटकर सत्ता से बाहर हो गयी। 2019 के चुनावों में जहां भाजपा को 303 सीटें मिलीं वह कांग्रेस 52 सीटों पर सिमटकर रह गयी। राज्यों में इसका प्रभाव कम हो रहा है। किन्तु राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में कांग्रेस द्वारा अपनी सरकार बनाना इसके भारतीय राजनीति में असर को प्रदर्शित करता है। इतना लम्बा समय व्यतीत हो जाने के पश्चात भी आज भारतीय लोगों के दिमाग पर कांग्रेस की छाप देखने को मिलती है। आज भी बहुत से लोग कांग्रेसवादी परम्पराओं का निर्वहन करते हुए देखने को मिलते हैं। इस तरह कहा जा सकता है कि कांग्रेस के प्रभुत्व का दौर समाप्त हो गया है तथा देश की राजनीति पर कांग्रेस का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है।

अथवा

मंडल आयोग का सविस्तार वर्णन करो।

उत्तरः- मंडल आयोग की नियुक्ति-केन्द्र सरकार ने सन 1978 में एक आयोग का गठन किया और इसको पिछड़ा वर्ग की स्थिति को सुधारने के उपाय बताने का काम सौंपा गया। आमतौर पर इस आयोग को इसके अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल के नाम पर 'मंडल कमीशन' कहा जाता है। मंडल आयोग का गठन भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों के बीच शैक्षिक और सामाजिक पिछड़ेपन की व्यापकता का पता लगाने और इन पिछड़े वर्गों की पहचान के तरीके बताने के लिए किया गया था। आयोग से यह भी अपेक्षा की गयी थी कि वह इन वर्गों के पिछड़ेपन को दूर करने से उपाय सुझाएगा।

शेखावाटी मिशन - 100

मंडल आयोग की सिफारिशें-आयोग ने सन 1980 में अपनी सिफारिशें की। इस समय तक जनता पार्टी की सरकार गिर चुकी थी। आयोग का सुझाव था कि पिछड़ा वर्ग को पिछड़ी जाति के अर्थ में स्वीकार किया जाए। आयोग ने एक सर्वेक्षण किया और पाया कि इन पिछड़ी जातियों की शिक्षा संस्थाओं तथा सरकारी नौकरियों में बड़ी कम मौजूदगी है। इस वजह से आयोग ने इन समूहों के लिए शिक्षा संस्थाओं तथा सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत सीट आरक्षित करने की सिफारिश की। मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति सुधारने के लिए कई और सुझाव दिए जिनमें भूमि-सुधार भी एक था।

खंड - द

निबन्धात्मक प्रश्न (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 4 अंक) -

21. संयुक्त राष्ट्र संघ की मुख्य शाखाओं और एजेंसियों का सुमेल उनके काम से करें -

(1)आर्थिक और सामाजिक परिषद (क)सदस्य देशों के बीच मौजूद विवादों का निपटरा
(2)अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (ख)सदस्य देशों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण की चिंता
(3)अन्तर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (ग)अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण
(4)सुरक्षा परिषद (घ)परमाणु प्रौद्योगिकी का शांतिपूर्ण उपयोग और सुरक्षा
(ड)वैश्विक मामलों पर बहस मुबाहिसा

उत्तर:- 1. आर्थिक और सामाजिक परिषद (ख)सदस्य देशों के आर्थिक और सामाजिक कल्याण की चिंता
2. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (क)सदस्य देशों के बीच मौजूद विवादों का निपटारा
3. अन्तर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (घ)परमाणु प्रौद्योगिकी का शांतिपूर्ण उपयोग और सुरक्षा
4. सुरक्षा परिषद (ग)अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का संरक्षण

अथवा

निम्नकार्यों को संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसियों से सुमेलित करें

(क)वैश्विक वित्त की देखरेख (1)विश्व व्यापार संगठन
(ख)सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना (2)अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(ग)संयुक्त राष्ट्रसंघ के मामलों का समायोजन एवं प्रशासन (3)विश्व स्वास्थ्य संगठन
(घ)सबके लिए स्वास्थ्य (4)सचिवालय

उत्तर:- (क)वैश्विक वित्त की देखरेख (2)अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(ख)सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार की राह आसान बनाना (1)विश्व व्यापार संगठन
(ग)संयुक्त राष्ट्रसंघ के मामलों का समायोजन एवं प्रशासन (4)सचिवालय
(घ)सबके लिए स्वास्थ्य (3)विश्व स्वास्थ्य संगठन

22. राज्य पुनर्गठन आयोग कब बना था? इसके प्रमुख कार्यो एवं सिफारिशों का उल्लेख कीजिए

उत्तर:- राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन व कार्य-सन 1952 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने दिसम्बर 1952 में आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य बनाने की घोषणा की।

आन्ध्र प्रदेश के गठन के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों को गठित करने का संघर्ष प्रारंभ हो गया। इन संघर्षो के कारण तत्कालीन केन्द्र सरकार ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया।

राज्य पुनर्गठन आयोग का प्रमुख कार्य राज्यों के सीमांकन के संबंध में गौर करना था। इसने अपनी रिपोर्ट स्वीकार किया कि राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहां बोली जाने वाली भाषा के आधार पर होना चाहिए।

राज्य पुनर्गठन आयोग की प्रमुख सिफारिशें निम्नलिखित थी -

1. भारत की एकता व सुरक्षा की व्यवस्था बनी रहनी चाहिए।
2. राज्यों का गठन भाषाई आधार पर किया जाए।

शेखावाटी मिशन - 100

3. भाषाई और सांस्कृतिक सजातीयता का ध्यान रखा जाए।

4. वित्तीय तथा प्रशासनिक विषयों कि ओर उचित ध्यान दिया जाए ।

इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित हुआ। इस अधिनियम के आधार पर 14 राज्य और 6 केन्द्र-शासित प्रदेश बनाए गए।

स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में एक बड़ी चिन्ता यह थी कि अलग राज्य बनाने की मांग से देश की एकता व अखण्डता खतरे में पड़ जाएगी। आशंका यह भी थी कि नए भाषाई राज्यों में अलगाववाद की भावना पनपेगी व नव-निर्मित भारतीय राष्ट्र पर दबाव बढ़ेगा।

परन्तु जनता के दबाव में सरकार ने अंततः भाषा के आधार पर पुनर्गठन का मन बनाया। इसके अलावा क्षेत्रीय मांगों को मानना तथा भाषा के आधार पर नए राज्यों का गठन करना एक लोकतांत्रिक कदम के रूप में देखा गया।

भाषाई राज्य तथा इन राज्यों के गठन के लिए चले आंदोलन ने लोकतंत्रिक राजनीति तथा नेतृत्व की प्रकृति को बुनियादी रूप से बदला है। भाषाई पुनर्गठन से राज्यों के सीमांकन के लिए एक समरूप आधार भी मिला। इससे देश की एकता और ज्यादा मजबूत हुई। भाषावार राज्यों के पुनर्गठन से विभिन्नता के सिद्धांत की स्वीकृति मिली। लोकतंत्र को चुनने का अर्थ था- विभिन्नताओं को पहचानना तथा उन्हें स्वीकार करना। अतः भाषाई आधार पर नए राज्यों का गठन करना एक लोकतांत्रिक कदम साबित हुआ।

अथवा

राष्ट्र निर्माण की प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख कीजिए? आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में राष्ट्र निर्माण की चुनौती के लिहाज से मुख्य अन्तर क्या थे?

उत्तरः- 15 अगस्त, 1947 को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई और एक नए राष्ट्र के रूप में भारत विश्व पटल पर उदित हुआ। स्वाधीन भारत का जन्म अत्यंत कठिन परिस्थितियों में हुआ। भारत के सामने विभिन्न चुनौतियां थी, इनमें से तीन प्रमुख चुनौतियां निम्नलिखित है-

1. देश की क्षेत्रीय अखंडता को कायम रखने की चुनौती:स्वतंत्र भारत के सामने सर्वप्रथम व तात्कालिक चुनौती विविधता में एकता लाने के लिए भारत को गढ़ने की थी क्योंकि स्वतंत्रता, भारत विभाजन की शर्त पर प्राप्त हुई थी। तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार यही माना जा रहा था कि इतनी अधिक विविधताओं से भरा कोई देश अधिक दिनों तक एकता के सूत्र में बंधा नहीं रह सकता। इस प्रकार सर्वाधिक बड़ी चुनौती भारत की क्षेत्रीय अखण्डता को कायम रखना था।

2. लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करने की चुनौती: स्वाधीन भारत के समक्ष दूसरी प्रमुख चुनौती लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करने की थी। भारत ने संसदीय शासन पर आधारित प्रतिनिधित्व मूलक लोकतंत्र को अपनाया। भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों की गारण्टी दी गयी है तथा प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया। परन्तु केवल इतने से ही कार्य नहीं चलता, चुनौती यह भी थी कि संविधान से मेल खाते लोकतांत्रिक व्यवहार प्रचलन में लाए जाएं।

3. आर्थिक विकास हेतु नीति निर्धारिण करना: स्वतंत्र भारत के सामने तीसरी बड़ी चुनौती थी कि आर्थिक विकास हेतु नीति निर्धारित करना। इन नीतियों के आधार पर सम्पूर्ण समाज का विकास होना था किन्ही विशेष वर्गों का नहीं। संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि समाज में सभी वर्गो के साथ समानता का व्यवहार किया जाए संविधान में नीति-निर्देशक सिद्धान्तों का प्रावधान किया गया जिनका मुख्य उद्देश्य लोककल्याण व सामाजिक विकास था। अतः देश के सामने मुख्य चुनौती आर्थिक विकास तथा गरीबी खत्म करने हेतु कारगर नीतियों के निर्धारिण की थी। इसी व्यवस्था के अन्तर्गत भारतीयों को अवसर की समानता तथा अभिव्यकित की स्वतंत्रता प्रदान की गयी। सरकार से यह अपेक्षा की गयी कि वह अपंगो, वृद्धों व बीमार व्यक्तियों की उचित सहायता करे।

आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में राष्ट्र-निर्माण की चुनौती के लिहाज से निम्नांकित दो मुख्य अंतर थे-

1. आजादी के साथ देश के पूर्वी क्षेत्रों में सांस्कृतिक एवं आर्थिक संतुलन की समस्या थी जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में विकास संबंधी चुनौती थी।

शेखावाटी मिशन - 100

2. देश के पूर्वी क्षेत्रों में भाषायी समस्या अधिक थी जबकि पश्चिमी क्षेत्रों में धार्मिक व जातिवाद की समस्या अधिक थी।

3. आजादी के समय देश के पूर्वी पश्चिमी भाग में धार्मिक संरचना संबंधी भिन्नता भी थी।

23. 1960 के दशक की कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में सिंडिकेट का क्या अर्थ है? कांग्रेस पार्टी किन मसलों को लेकर 1969 में टूट की शिकार हुई?

उत्तर:- **कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में सिंडिकेट का अर्थ**- कांग्रेसी नेताओं के एक समूह को अनौपचारिक तौर पर सिंडिकेट के नाम से पुकारा जाता था। सिंडिकेट कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का एक समूह था। इस समूह के नेताओं का पार्टी के संगठन पर नियंत्रण था। सिंडिकेट के नेतृत्वकर्ता मद्रास प्रांत के भूतपूर्व के. कामराज थे। लाल बहादुर शास्त्री व इंदिरा गांधी दोनों ही सिंडिकेट की सहायता से प्रधानमंत्री के पद पर आरूढ़ हुए थे। सिंडिकेट ही तत्कालीन समय में कांग्रेस के महत्वपूर्ण निर्णय लेने के कार्य सम्पन्न करती थी।

कांग्रेस पार्टी के सन 1969 में टूट के कारण- कांग्रेस पार्टी में सन 1969 में निम्नलिखित मसलों को लेकर टूट हुई।

1. 1969 में इंदिरा गांधी की असहमति के बावजूद सिंडिकेट ने तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष एन. संजीव रेड्डी को कांग्रेस पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया। ऐसे में इंदिरा गांधी ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति वी.वी गिरि को बढ़ावा दिया कि वे एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन भरें। यह कांग्रेस पार्टी में फूट का प्रमुख कारण था। इस प्रक्रिया के कारण कांग्रेसियों में अलगाववाद का जन्म हुआ।

2. इंदिरा गांधी ने 14 अग्रणी बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा भूतपूर्व राजा-महाराजाओं को प्राप्त विशेषाधिकार यानी प्रिवीपर्स को समाप्त करने जैसी कुछ बड़ी और जनप्रिय नीतियों की घोषणा की। इस समय मोरारजी देसाई देश के उपप्रधानमंत्री तथा वित्तमंत्री थे। उपर्युक्त दोनों मसलों पर प्रधानमंत्री ओर उनके बीच गहरे मतभेद उभरे ताकि इसके परिणामस्वरूप मोरारजी देसाई ने सरकार से त्यागपत्र दे दिया।

3. इंदिरा की सार्वभैमिकतावादी नीति- इंदिरा गांधी अहम निर्णयों व फैसलों को अपने प्रभावाधीन रखती थी। सिंडिकेट के सदस्यों की भूमिका के धीरे-धीरे गौण होते जाने से भी सदस्यों में आपसी मनमुटाव था जो कांग्रेस की टूट का कारण सिद्ध हुआ।

4. पूर्व में भी कांग्रेस के भीतर इस तरह के मतभेद उठ चुके थे, परन्तु इस बार मामला कुछ अलग ही था। दोनों गुट चाहते थे कि राष्ट्रपति के चुनाव में शक्ति को आजमा ही लिया जाए। आखिरकार राष्ट्रपति पद के चुनाव में वी.वी.गिरी ही विजयी हुए। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की हार से पार्टी का टूटना तय हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी पार्टी से निष्कासित कर दिया। इस प्रकार कांग्रेस, पुरानी कांग्रेस और नई कांग्रेस में विभाजित हो गई। इंदिरा गांधी ने पार्टी की इस टूट को विचारधाराओं की लड़ाई के रूप में पेश किया।

अथवा

1971 का चुनाव और कांग्रेस की पुनर्स्थापना तथा उसके परिणामों पर टिप्पणी लिखिए

उत्तर:- सन 1971 के आम चुनाव व देश की राजनीति में कांग्रेस के पुनसर्थापन से जुड़ी राजनीतिक घटनाओं व परिणामों का विवरण निम्नानुसार है-

1. सन 1971 का आम चुनाव-इंदिरा गांधी ने दिसंबर 1970 में लोकसभा भंग करने की सिफारिश राष्ट्रपति से की थी। वह अपनी सरकार के लिए जनता का पुन: आदेश प्राप्त करना चाहती थी। फरवरी 1971 में पांचवीं लोकसभा का आम चुनाव हुआ।

2. कांग्रेस तथा ग्रैंड अलायंस में मुकाबला-चुनावी मुकाबला कांग्रेस आर के विपरीत जान पड़ रहा था। आखिर नई कांग्रेस एक जर्जर होती हुई पार्टी का एक भाग मात्र थी। सभी को भरोसा था कि कांग्रेस पार्टी की वास्तविक सघटनात्मक शक्ति कांग्रेस (ओ) के नियंत्रण में है। इसके अलावा, सभी बड़ी गैर-साम्यवादी तथा गैर-कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों ने एक चुनावी गठबंधन बना लिया था। इस ग्रैंड अलायंस कहा गया। इससे इंदिरा गांधी के लिए स्थिति और कठिन हो गयी। एसएसपी, पीएसपी, भारतीय जनसंघ, स्वतंत्र पार्टी तथा भारतीय क्रांतिदल, चुनाव में एक छतरी के नीचे आ गए।

शेखावाटी मिशन - 100

3. दोनों राजनैतिक खेमों में अंतर–इसके बावजूद नई कांग्रेस के साथ एक ऐसी बात थी, जिसका उनके बड़े विपक्षियों के पास अभाव था। नयी कांग्रेस के पास एक मुद्दा था। एक एजेंडा तथा कार्यक्रम था। ग्रैंड अलायंस के पास कोई सुसंगत राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। इंदिरा गांधी ने देश भर में घूम–घूम कर कहा था कि विपक्षी गठबंधन के पास बस एक ही कार्यक्रम है, इंदिरा हटाओ।

4. चुनाव के परिणाम–सन 1971 के लोकसभा चुनावों के परिणाम उतने ही नाटकीय थे, जितना इन चुनावों को करवाने का फैसला। कांग्रेस आर तथा सीपीआई के गठबंधन को इस बार जितने वोट या सीटें मिली, उतनी कांग्रेस पिछले चार आम चुनावों में कभी हासिल नहीं कर सकी थी। इस गठबंधन को लोकसभा की सीटें 375 मिली तथा इसने कुल 48.4 प्रतिशत वोट हासिल किए। अकेला इंदिरा गांधी की कांग्रेस (आर) ने 352 सीटें तथा 44 प्रतिशत वोट होसिल किए थे।

अब जरा इस तस्वीर की तुलना कांग्रेस ओ से करें, इस पार्टी में बड़े–बड़े महारथी थे, परंतु इंदिरा गांधी की पार्टी को जितने वोट मिले थे, उसके एक चौथाई वोट ही इसकी झोली में आए। इस पार्टी को महज 16 सीटें मिली। अपनी भारी जीत के साथ इंदिराजी के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने अपने दावे को साबित कर दिया कि वही वास्तविक कांग्रेस है तथा उसे भारतीय राजनीति में फिर से प्रभुत्व के स्थान पर पुनर्स्थापित किया।

5. बांग्लादेश का निर्माण तथा भारत–पाक युद्ध–सन 1971 के लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद पूर्वी पाकिस्तान जो अब बांग्लादेश है में एक बड़ा राजनीतिक तथा सैन्य संकट उठ खड़ा हुआ। सन 1971 के चुनावों के बाद पूर्वी पाकिस्तान में संकट पैदा हुआ तथा भारत–पाक के मध्य युद्ध छिड़ गया।

6. राज्यों में कांगेस की पुनर्स्थापना–सन 1972 के राज्य विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को व्यापक सफलता मिली। उन्हें गरीबों तथा वंचितों के रक्षक और एक मजबूत राष्ट्रवादी नेता के रूप में देखा। पार्टी के अंदर अथवा बाहर उसके विरोध की कोई गुंजाइश नहीं बची। कांग्रेस लोकसभा के चुनावों में जीती थी तथा राज्य स्तर के चुनावों में भी। इन दो लगातार जीतों के साथ कांग्रेस का दबदबा एक बार फिर कायम रहा। कांग्रेस अब लगभग सभी राज्यों में सत्ता में थी। समाज के विभिन्न वर्गों में यह लोकप्रिय भी थी। महज चार साल की अवधि में इंदिरा गांधी ने अपने नेतृत्व तथा कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व के सामने खड़ी चुनौतियों को धूल चटा दी थी। जीत के पश्चात इंदिरा गांधी ने कांग्रेस प्रणाली को पुनर्स्थापित जरूर किया, परंतु कांग्रेस प्रणाली की प्रकृति को बदलकर।

शेखावाटी मिशन - 100

राजनीति विज्ञान - मॉडल पेपर

समय : 2 घण्टे 45 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड - अ

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों में उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखे। (1×12=12 *अंक*)

(i) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के संस्थापक देशों में शामिल नहीं था-

(1) युगोस्लाविया (2) मिस्र (3) सोवियत संघ (4) इंडोनेशिया (3)

(ii) स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य था-

(1) लिथुआनिया (2) बेलारूस (3) आर्मेनिया (4) जॉर्जिया (1)

(iii) भारत ने किस देश के साथ सिंधु-जल संधि पर दस्तखत किए-

(1) नेपाल (2) बग्लादेश (3)चीन (4) पाकिस्तान (4)

(iv) संयुक्त राष्ट्र संघ के संस्थापक देश थे-

(1) 31 (2) 51 (3) 71 (4) 91 (2)

(v) सुरक्षा की पारम्परिक अवधारणा है-

(1) प्राकृतिक आपदा (2) आंतकवाद (3) अकाल (4) महामारी (2)

(vi) प्रथम पृथ्वी सम्मेलन कब हुआ?

(1) 1990 (2) 1991 (3) 1992 (4) 1993 (3)

(vii) भारत-पाक विभाजन के समय सबसे पहले किस रियासत ने अपने को आजाद रखने की घोषणा की?

(1) त्रावणकोर (2) भोपाल (3) हैदराबाद (4) जम्मू-कश्मीर (1)

(viii) प्रथम आम चुनावों में कांग्रेस के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल था -

(1)सोशलिस्ट पार्टी (2) स्वतंत्र पार्टी (3) जनसंघ (4) भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (4)

(ix) विख्यात सांख्यिकीविद पी.सी. महालनोबिस का संबंध किस पंचवर्षीय योजना से था-

(1) प्रथम (2) द्वितीय (3) तृतीय (4) चतुर्थ (2)

(x) 1969 में कांग्रेस विभाजन के समय कंाग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे-

(1) एस. निजलिंगप्पा (2) मोररजी देसाई(3) वी. वी. गिरी (4) एन. संजीवा रेड्डी (1)

(xi) रैयत संघ नामक किसान संगठन का संबंध किस राज्य से है-

(1) कर्नाटक (2) महाराष्ट्र (3) उत्तर प्रदेश (4) पंजाब (1)

(xii) भारतीय राजनीति में गठबंधन के दौर की शुरूआत कब हुई?

(1) 1989 (2) 1996 (3) 2004 (4) 2014 (1)

प्रश्न : 2 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- (1×6=6 *अंक*)

(i) क्यूबा मिसाइल संकट वर्ष .... में हुआ।

(ii) सोवियत संघ के विघटन के समय .... राष्ट्रपति थे।

(iii) संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रथम महासचिव .... थे।

(iv) भाषाई आधार पर गठित होने वाला प्रथम राज्य .... था।

(v) ताड़ी विरोधी आन्दोलन का नारा .... था।

(vi) 17वीं लोकसभा में सबसे बड़ा दल .... है।

उत्तर - (1) 1962 (2) मिखाइल गोर्बाचेव (3) ट्राइग्व ली

(4) आन्ध्र प्रदेश (5) ताड़ी की बिक्री बंद करो (6) भारतीय जनता पार्टी

शेखावाटी मिशन - 100

प्रश्न 3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए-** (1×12=12 *अंक*)

(i) नाटो का पुरा नाम क्या है।

उत्तर- उत्तर अटलांटिक संधि संगठन

(ii) शीतयुद्ध के दौर की दो महाशक्तियाँ कौनसी थी?

उत्तर - संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ

(iii) साम्यवादी खेमे के कोई दो देशों के नाम लिखिए।

उत्तर - चीन और पौलेण्ड

(iv) सोवियत संघ के विघटन का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर- राष्ट्रीयता और संप्रभुता के भावों का उभार

(v) दक्षिण एशिया शब्द का प्रयोग किन देशों के लिए किया जाता है?

उत्तर- भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, और मालदीव (कुल सात देश) के लिए

(vi) स्वतंत्रता प्राप्ति के उपलक्ष्य में नेहरू द्वारा दिये गये प्रसिद्ध भाषण को किस नाम से माना जाता है?

उत्तर- भाग्यवधू से चीर-प्रतिक्षित भेंट या ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी के नाम से जाना जाता है।

(vii) नीति आयोग का पूरा नाम बताओ।

उत्तर- राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान
(नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया)

(viii) ऑपरेशन फ्लड (श्वेत क्रांति) का संबंध किससे है?

उत्तर- दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से

(ix) चिपको आंदोलन कब और कहाँ हुआ।

उत्तर- 1973 में उतराखण्ड में

(x) किसानों की दूदशा की तरफ ध्यान आकर्षित करने वाला अग्रणी संगठन कौनसा है?

उत्तर- भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू)

(xi) मंडल आयोग का गठन कब और किसकी अध्यक्षता में किया गया।

उत्तर- मंडल आयोग का गठन तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा 1978 में बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में किया गया।

(xii) डी एस-4 का पूरा नाम लिखो।

उत्तर- दलित-शोषित समाज संघर्ष समिति

खण्ड - ब

लघुतरात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)-

प्रश्न 4. **महाशक्तियाँ छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन क्यों रखती थी? कोई दो कारण बताइये।**

प्रश्न 5. **शीतयुद्ध के दौरान भारत की दोनों वैश्विक महाशक्तियों के प्रति विदेश नीति क्या थी?**

प्रश्न 6. **शौक थेरेपी क्या थी?**

प्रश्न 7. **सोवियत अर्थव्यवस्था की पूँजीवादी अर्थव्यवस्था से अलग करने वाली विशेषताएँ क्या थी? (कोई दो)**

प्रश्न 8. **परम्परागत और अपरम्परागत सुरक्षा में क्या अंतर है?**

प्रश्न 9. **भारत की सुरक्षा नीति के प्रमुख दो घटक कौनसे है?**

प्रश्न 10. **विश्व की साझी विरासत का क्या अर्थ है?**

प्रश्न 11. **कांग्रेस प्रणाली क्या थी?**

प्रश्न 12. **कांग्रेस के प्रभुत्व वाले दौर (1952-67) में अन्य प्रमुख राजनीतिक दल कौन-कौनसे थे? किन्ही चार दलों के नाम लिखिए।**

शेखावाटी मिशन - 100

प्रश्न 13. प्रथम दो पंचवर्षीय योजनाएं किन अर्थों में भिन्न थी?

प्रश्न 14. नियाजित विकास के दौर में भूमि-सुधार हेतू किये गये किन्हीं दो प्रयासों का उल्लेख करें।

प्रश्न 15. कांग्रेस पार्टी किन मसलों को लेकर 1969 में टूट की शिकार हुई?

प्रश्न 16. भारत के भूटान व मालदीव के साथ संबंधों का उल्लेख करें।

खण्ड - स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 3 अंक) -

प्रश्न 17. पाकिस्तान में लोकतंत्रीकरण की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।

अथवा

नेपाल में राजतंत्र से लोकतंत्र आने की यात्रा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 18. पर्यावरण सम्बंधी वैश्विक मुद्दों पर भारत के पक्ष की व्याख्या कीजिए

अथवा

वैश्विक राजनीति में किन्हीं तीन चिन्ताजनक पर्यावरण मुद्दों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 19. जन आन्दोलन के किन्हीं तीन लाभ व किन्हीं तीन हानियों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

जन आन्दोलनों के मुख्य कारणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 20. भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका व महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

1989 के बाद भारतीय राजनीति में मुख्य मुद्दे क्या रहे? किन्हीं तीन मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड- द

निबन्धात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द, प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)-

प्रश्न 21. संयुक्त राष्ट्र संघ को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए किये गये प्रयासों व अपने सुझावों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

एकध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ क्या अमेरिका को अपनी मनमानी करने से रोक सकता है? यदि नहीं तो क्यों?

एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता को बताइए।

प्रश्न 22. स्वतंत्र भारत के समक्ष कौन-कौनसी प्रमुख चुनौतियाँ थी? वर्णन कीजिए।

अथवा

भाषाई आधार पर राज्य पुनर्गठन अलगाववाद को उत्पन्न करने की बजाय एक लोकतांत्रिक कदम कैसे सिद्ध हुआ?

प्रश्न 23. 1971 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की पुनर्स्थापना के कारण बताइए।

अथवा

1969 के राष्ट्रपति चुनावों सम्बंधी घटनाक्रम पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

नोट :- इस मॉडल पेपर के प्रश्न सं. 4 से 23 तक के उत्तर इसी पुस्तिका में संबंधित अध्याय में विद्यार्थी स्वयं देखें।

शेखावाटी मिशन - 100

AAYAAM
CAREER ACADEMY
A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'
NEET | XI & XII FOUNDATION

पंखो को खोल
ज़माना सिर्फ
उड़ान
देखता है

Admission Open
Session 2022-23

NEET

XI & XII
FOUNDATION

Result: NEET 2020

131+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन !

AIR
67

JITENDRA KUMAWAT
S/o SURENDRA KUMAR
PALSANA

MAULANA AZAD GOVT. MEDICAL COLLEGE, DELHI

AIR
197

MANOJ KUMAR
S/o BABU LAL VERMA
PALSANA

AIIMS JDHPUR

Result: NEET 2021

उत्कृष्ट परिणाम के लिए
आयाम
ही सर्वोपरी संस्थान

एक बार फिर आयाम ने
साबित की अपनी श्रेष्ठता....

AIR
190
(OBC)

SAKSHAM YADAV
S/O RAJENDRA YADAV
Neem Ka Thana

Result: NEET 2021

सीकर में अनुपात की दृष्टि से सबसे **ज्यादा सलेक्शन** देने वाला संस्थान!

100+ विद्यार्थियों का सरकारी मेडिकल कॉलेज में चयन संभावित !

AIR 215 (OBC)	AIR 435 (SC)	AIR 470 (OBC)	AIR 665 (OBC)	AIR 689 (ST)	AIR 789 (OBC)	AIR 828 (SC)
RAGHUVEER YADAV	**RAJESH**	**NISHANT BAGARIA**	**MANISH YADAV**	**POOJA KUMARI**	**ARJUN YADAV**	**HIMANSHU KUMARI**
S/o SITA RAM YADAV	S/o CHHOTU RAM	S/o SAGAR BAGARIA	S/o Sh. ARJUN LAL YADAV	D/o Sh. SHANKAR LAL	S/o Sh. GOPAL LAL YADAV	D/o Sh. RAMESH KUMAR
Chhapoli, Udaipurwati	Tibbi, Hanumangarh	Malikpur, Khandela	Amber, Jaipur	Lisadiya, Shrimadhopur	Nathi Ka Bas, Renwal	Singrawat Khurd, Didwana

AIR 902 (OBC)	AIR 940 (OBC)	AIR 1477 (SC)	AIR 1585 (OBC)	AIR 1619 (OBC)	AIR 1621 (OBC)	AIR 1841 (GEN.)
GAYATRI SIDDH	**NEETU**	**YASHWANT VERMA**	**DEVENDRA KUMAR**	**RAVI SAINI**	**ABHAY SINGH**	**DEVISHI SHARMA**
D/o Sh. SAWANT RAM	D/o Sh. BHOLA RAM	S/o Sh. GANPAT LAL	S/o Sh. RAMAVATAR	S/o Sh. CHIRANJI LAL SAINI	S/o Sh. SAGAR SINGH	D/o Sh. JAIPRAKASH SHARMA
Napasar, Bikaner	Mathandi, Shrimadhopur	Kadiya Seema, Rajsamand	Jalpali, Shrimadhopur	Thanagazi, Alwar	Kotri Dhayalan, Reengus	Karad, Dantaramgarh

AIR 1977 (GEN.)	AIR 2062 (SC)	AIR 2144 (GEN.)	AIR 2330 (OBC)	AIR 2338 (OBC)	AIR 2505 (GEN.)
RAHUL SHARMA	**BABU LAL NAYAK**	**RAHUL SHARMA**	**SURENDER MOOND**	**RISHI YADAV**	**POOJA SHARMA**
S/o Sh.OMPRAKASH	S/o Sh. TAKA RAM	S/o Sh. NANU RAM SHARMA	S/o Sh. NARSA RAM	S/o Sh. SHIVPAL YADAV	D/o SH. PAWAN KUMAR
Amber,Jaipur	Pogal, Bikaner	Jorpura, Renwal	Ranisar, Bikaner	Gopalpura, Ajitgarh	Sari, Chirawa

AIR 2905 (GEN.)	AIR 3104 (OBC)	AIR 3240 (OBC)	AIR 3355 (OBC)	AIR 3381 (OBC)	AIR 3626 (OBC)
ARBAZ KHAN	**OM PRAKASH**	**RAHUL KUMAWAT**	**ARYAN JANGIR**	**SAROJ GEELA**	**AJAY KUMAR KURI**
S/o SAMSHER KHAN	S/o Sh. SANWALA RAM	S/o Sh. BABU LAL KUMAWAT	S/o Sh. SANJAY JANGIR	D/o Sh. JALU RAM GEELA	S/o Sh. GOPAL SINGH
Mangloona, Laxmangarh	Bhedana, Barmer	Alisar, Badi Dhani, Chomu	Udaipurwati, Jhunjhunu	Geelon Ki Dhani, Lamiya	Panawali Dhani, Kasarda

AIR 4228 (OBC)	AIR 4285 (OBC)	AIR 4551 (OBC)	AIR 4656 (OBC)	AIR 4689 (OBC)	AIR 4943 (OBC)
ROSHAN KUMAR	**SANGHARSH KUMAR**	**RAHUL KUMAR**	**AKASH SERAWAT**	**ANITA YADAV**	**VEENA DORATA**
S/o Sh. MANOHAR LAL	S/o Sh. MURARI LAL SAMOTA	S/o Sh. SITA RAM YADAV	S/o Sh. PHOOL CHAND	D/o Sh. BALU RAM YADAV	D/o Sh. MAHIPAL DORATA
Jharli, Thoi	Patwari ka Bas, Shrimadhopur	Mohanpura, Kishangarh, Renwal	Nimadi, Hathnoda, Chomu	Munduru, Shrimadhopur	Dumoli Khurd, Khetri

AIR 4951 (OBC)	AIR 5116 (OBC)	AIR 5467 (OBC)	AIR 5658 (OBC)	AIR 5730 (OBC)	AIR 5945 (OBC)
RAMESH CHOUDHARY	**ANIL KUMAR SAINI**	**ASHISH KUMAWAT**	**SANTOSH YADAV**	**ROSHAN YADAV**	**ANIL CHOUDHARY**
S/o Sh. BAJRANG LAL	S/o Sh. SHIMBHU DAYAL	S/o Sh. KRISHNA GOPAL	S/o Sh. RAMAWATAR YADAV	S/o Sh. BANSHIDHAR YADAV	S/o Sh. SITARAM
Lunkaransar	Shyampura Bansur, Alwar	Palsana	Sherpura, Khori, Shahpura	Etawa-Bhopji, Chomu	Bilanderpur, Shahpura

हर बार...लगातार...

Highest Selection Ratio

Session 19-20	131 Selection
Session 18-19	129 Selection
Session 17-18	108 Selection

SUCCESS

AAYAAM
CAREER ACADEMY
A NEW DIMENSION OF 'SUCCESS'
NEET | XI & XII FOUNDATION

01572-244555, 7300335555 PIPRALI ROAD, SIKAR

E-mail: info@aayaamacademy.com Website: www.aayaamacademy.com

FOLLOW US ON SOCIAL MEDIA

You Tube Subscribe to our YouTube Channel AAYAAM ACADEMY, SIKAR

Follow & Like us on Facebook facebook.com/AAYAAMACADEMYSIKAR

Join us on Whatsapp 7300335555